हिन्दी दैनिक
जन-जन की वाणी...
सोन वर्षा वाणी
औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित
Page 09

डॉक्टर-डे की हार्दिक शुभकामनाएं

बीसीसीआई ने एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम का किया ऐलान -11 पेज पर

देश
बंगाल विस में नया सुरक्षा बिल पास गुंडागर्दी करने वालों की संपत्ति होगी जब्त, एक साल की...

शुक्ल पक्ष, उत्तराषाढ़ा, विक्रम संवत् 2083
• औरंगाबाद • बुधवार • 01 जुलाई 2026 • वर्ष 28 • अंक 209 • पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,28,450	₹ 2,40,000

आज का इतिहास

1949 : कोचीन शाही परिवार की रियासत के 1,000 साल पूरे हो गए। यह दो रियासतों, कोचीन और त्रावणकोर के विलय के कारण हुआ, जो तिरु-कोच्चि राज्य में था, जिसे भारतीय संघ में केरल के रूप में फिर से संगठित किया गया था।

1964 : भारतीय औद्योगिक विकास बैंक की स्थापना।

न्यूज बाइट्स

पांच राज्यों में वोटर वेरिफिकेशन अभियान शुरू

नई दिल्ली (ए.)। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से मंगलवार से दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मेघालय और झारखंड में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) अभियान शुरू कर दिया है। इस विशेष अभियान के तहत बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे और आवश्यक जानकारी एकत्र करेंगे। चुनाव आयोग के अनुसार, यह अभियान 30 जून से 29 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान बीएलओ प्रत्येक घर जाकर मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराएंगे और भरे हुए फॉर्म वापस प्राप्त करेंगे। अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची में केवल पात्र नागरिकों के नाम ही शामिल रहें तथा अपात्र या गलत प्रविष्टियों को हटाया जा सके। सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 5 अगस्त को प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद दावे और आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर मिलेगा। सभी आपत्तियों और दावों के निस्तारण के बाद 7 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी।

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा

30 हजार भूमिहीन परिवारों को मिलेगा वासभूमि का अधिकार

- अभियान बसेरा-02 को मिली रफ्तार
- प्रमाण-पत्र 15 अगस्त को होगा वितरण
- सभी जिलों को लक्ष्य सौंप दिया गया है। 31 जुलाई तक प्रमाण-पत्र तैयार होंगे और पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन पोर्टल के जरिए पूरी की जाएगी

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने भूमिहीन परिवारों को वासभूमि उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने घोषणा की कि 'अभियान बसेरा-02' के तहत आगामी 15 अगस्त को राज्यभर में विशेष अभियान चलाकर 30 हजार पात्र भूमिहीन परिवारों के बीच वासभूमि के बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य का कोई भी पात्र भूमिहीन परिवार अपने वासभूमि के अधिकार से वंचित न रहे। मंत्री ने बताया कि अभियान को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव जय सिंह ने सभी जिलाधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। जिलों को लाभुकों की सूची का पुनरीक्षण कर अंतिम रूप देने, नए पात्र परिवारों का 'अभियान बसेरा पोर्टल' पर पंजीकरण कराने तथा 31 जुलाई 2026 तक सभी बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र तैयार कर हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया है।

प्रमाण-पत्र बांटने का पूरा काम ऑनलाइन होगा

सरकार ने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए प्रमाण-पत्र वितरण की व्यवस्था ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से करने का निर्णय लिया है। राजस्व मंत्री ने कहा कि अभियान की निगरानी जिलाधिकारी स्वयं करेंगे, जबकि मुख्यालय स्तर पर प्रत्येक सप्ताह इसकी समीक्षा होगी। सभी जिलों को अपनी साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट विभाग को भेजना अनिवार्य होगा। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने राज्य के सभी 38 जिलों के बीच 30 हजार प्रमाण-पत्रों का लक्ष्य निर्धारित कर दिया है। सर्वाधिक लक्ष्य पटना (1709) जिले को मिला है। इसके बाद पूर्वी चंपारण (1493), मुजफ्फरपुर (1405), मधुबनी (1314), गया (1285), समस्तीपुर (1247), सारण (1157) और दरभंगा (1153) शामिल हैं। इन जिलों में भूमिहीन परिवारों की संख्या को देखते हुए अधिक लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार गरीब और भूमिहीन परिवारों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि अभियान बसेरा-02 के तहत अब तक 71,569 पात्र परिवारों को वासभूमि उपलब्ध कराई जा चुकी है। आगामी 15 अगस्त को जिला मुख्यालयों पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोहों एवं विशेष शिविरों में जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में लाभार्थियों को बंदोबस्ती प्रमाण-पत्र सौंपे जाएंगे।

71 हजार से ज्यादा परिवारों को मिल चुका है लाभ

मंत्री दिलीप जायसवाल ने बताया कि सरकार गरीबों की मदद के लिए लगातार काम कर रही है। अभियान बसेरा-2 के जरिए अब तक राज्य के 71569 पात्र परिवारों को जमीन उपलब्ध कराई जा चुकी है। अब इस नए अभियान से हजारों और परिवारों के जीवन में स्थायी सुरक्षा और सम्मान का नया अध्याय जुड़ेगा। सभी कप्तानों को समय पर काम पूरा करने को कहा गया है ताकि कोई भी जरूरतमंद न छूटे

हर सप्ताह होगी मुख्यालय स्तर पर समीक्षा

डॉ. जायसवाल ने कहा कि इस अभियान की प्रगति की मुख्यालय स्तर पर प्रत्येक सप्ताह समीक्षा की जाएगी। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे स्वयं अभियान की नियमित समीक्षा करें तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूरी करते हुए साप्ताहिक प्रगति प्रतिवेदन विभाग को उपलब्ध कराएं।

युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग में बड़ा फेरबदल

कई डीएलओ और आईटीआई अधिकारियों का तबादला

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार के युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग ने जून माह के अंतिम दिन बड़े पैमाने पर अधिकारियों का स्थानांतरण करते हुए नई पदस्थापनाओं की अधिसूचना जारी की है। प्रशासनिक आवश्यकता और प्राप्त अभ्यावेदनों के आधार पर बिहार नियोजन सेवा तथा बिहार औद्योगिक प्रशिक्षण सेवा के अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस फेरबदल के तहत कई जिला नियोजन पदाधिकारियों (डीएलओ), उप निदेशकों, आईटीआई प्राचार्यों एवं उप प्राचार्यों का स्थानांतरण किया गया है तथा कई अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। विभाग की अधिसूचना संख्या-688 के अनुसार बिहार नियोजन सेवा के कई अधिकारियों की नई तैनाती की गई है। मुख्यालय पटना में उप निदेशक (नियोजन) के पद पर कार्यरत राजीव रंजन कुमार का स्थानांतरण मगध प्रमंडल, गया में किया गया है। श्वेता वशिष्ठ को मुजफ्फरपुर से मुंगेर, शिखा राय को शेखपुरा से मुजफ्फरपुर, राणा अमितेष को बेगूसराय से वैशाली, श्रीमती गार्गी को पटना से विश्वविद्यालय नियोजन केंद्र, पटना तथा सुश्री अंजलि कुमारी को अवर प्रादेशिक नियोजनालय, पटना में पदस्थापित किया गया है। इसके अलावा सुश्री अंकिता को सहरसा से खगड़िया और सुश्री आकृति कुमारी को गया से जमुई का जिला नियोजन पदाधिकारी बनाया गया है।

अधिसूचना संख्या-690 के तहत हाल ही में प्रोन्नत ग्रुप अनुदेशकों को विभिन्न औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में उप प्राचार्य एवं समकक्ष पदों पर नियुक्त किया गया है। रंजीत कुमार को महिला आईटीआई फारबिसगंज (अररिया), सैफुर रब मुजाहिद को महिला आईटीआई दरभंगा, नित्यानंद कुमार को महिला आईटीआई रोहतास, राजेश पासवान को महिला आईटीआई डुमरांव (बक्सर) तथा गौतम कुमार को आईटीआई औरंगाबाद का उप प्राचार्य बनाया गया है। वहीं अधिसूचना संख्या-689 के माध्यम से बिहार औद्योगिक प्रशिक्षण सेवा के उप निदेशक स्तर के प्राचार्यों का भी स्थानांतरण किया गया है। राज कुमार ठाकुर को महिला आईटीआई दरभंगा से आईटीआई दीघा (पटना) का प्राचार्य बनाया गया है तथा उन्हें आईटीआई मोकामा का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। कुमार विकास रजक का स्थानांतरण आईटीआई भागलपुर से महिला आईटीआई दरभंगा किया गया है। वहीं विकास चन्द्र को आईटीआई दीघा (पटना) से आईटीआई भागलपुर भेजते हुए कहलगांव एवं भागलपुर का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। विभाग का मानना है कि नए शैक्षणिक सत्र से पहले किए गए इस व्यापक प्रशासनिक फेरबदल से राज्य में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और रोजगार सृजन से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी तथा संस्थानों की कार्यप्रणाली और अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित होगी।

आज शुरू होगी वीबीजीरामजी योजना, मिलेगा 125 दिन का रोजगार

पटना(नि.सं.)। केंद्र सरकार की नई 'विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण (वीबीजीरामजी)' योजना मंगलवार से पूरे देश में लागू हो रही है। इस योजना के तहत ग्रामीण परिवारों को अब 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी। बिहार सरकार ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। योजना के संचालन और निगरानी के लिए बिहार सरकार ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बिहार राज्य ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद का गठन किया है। परिषद योजना के क्रियान्वयन, प्रगति की समीक्षा और आवश्यक नीतिगत निर्णयों की जिम्मेदारी निभाएगी।

भारतीय रेलवे ने बिहार में यात्री और माल ढुलाई की क्षमता बढ़ाई

499 करोड़ रुपये की मानसी-सहरसा दोहरीकरण परियोजना को दी मंजूरी

- लाइन की क्षमता बढ़ेगी और गेहूं, मक्का, सीमेंट, उर्वरक और चीनी सहित आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही में सहायता मिलेगी

निज संवाददाता | पटना

बिहार में रेल अवसंरचना को महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए, भारतीय रेलवे ने पूर्व मध्य रेल के 44.40 किलोमीटर लंबे मानसी-सहरसा खंड को 499 करोड़ की लागत से दोहरीकरण करने की मंजूरी दे दी है। यह परियोजना लाइन की क्षमता बढ़ाएगी, परिचालन दक्षता में सुधार करेगी और इस महत्वपूर्ण मार्ग पर यात्रियों और माल ढुलाई की बढ़ती मांग को पूरा करेगी। मानसी-सहरसा खंड वर्तमान में मानसी-सरायगढ़ मार्ग पर एक एकल-लाइन कॉरिडोर है, जहाँ यात्रियों और माल की भारी आवाजाही होती है। इस खंड पर प्रत्येक दिशा में 24 जोड़ी यात्री ट्रेनें चलती हैं और साथ ही गेहूं, मक्का, गिट्टी, उबले चावल, सीमेंट, उर्वरक, चावल, नमक, रेत, पत्थर और चीनी जैसी आवश्यक वस्तुओं का परिवहन भी होता है।

वर्तमान में रेल लाइन की क्षमता का उपयोग पहले ही 108.11% तक पहुंच चुका है और 2028-29 तक इसके बढ़कर 119.34% होने का अनुमान है, जो अतिरिक्त रेल क्षमता की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। दोहरीकरण परियोजना से अतिरिक्त लाइन क्षमता का सृजन होगा, जिससे यात्री और मालगाड़ियों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित होगी और परिचालन संबंधी बाधाएं कम होंगी। उन्नत बुनियादी ढांचा समय की पाबंदी में सुधार करेगा, परिचालन लचीलापन बढ़ाएगा और पूरे क्षेत्र में रेल यातायात की भविष्य की वृद्धि को सहायता देगा।

परियोजना के चालू होने पर, इससे प्रति वर्ष अतिरिक्त 1.764 मिलियन टन (एमटीपीए) माल ढुलाई यातायात को संभालने में सुविधा होने की उम्मीद है, जिससे कृषि, निर्माण और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के अन्य प्रमुख क्षेत्रों के लिए रसद को मजबूती मिलेगी। यह परियोजना भारतीय रेलवे के उन निरंतर प्रयासों का हिस्सा है जिनका उद्देश्य उच्च मांग वाले मार्गों पर क्षमता का विस्तार करना, सेवा की विश्वसनीयता में सुधार करना और देश भर में यात्रियों और माल ढुलाई के लिए तेज, सुरक्षित और अधिक कुशल परिवहन को बढ़ावा देना है।

बिहार समेत कई राज्यों में एक से चार जुलाई तक भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली(ए.)। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने मंगलवार दोपहर जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में भी दस्तक दे दी। इसके साथ ही मानसून अब देश के 26 राज्यों तक पहुंच चुका है। इससे पहले 24 जून को मानसून ने मध्य प्रदेश और गुजरात में प्रवेश किया था, जिसके बाद लगभग छह दिनों तक इसकी प्रगति धीमी रही। इस कारण कई राज्यों में गर्मी और उमस का दौर जारी रहा। हालांकि अब उत्तर भारत के लिए राहत की खबर है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, सैटेलाइट तस्वीरों में करीब 1,500 किलोमीटर लंबी मानसून ट्रफ (कम दबाव की लंबी पट्टी) विकसित होती दिखाई दी है, जो उत्तरी बंगाल की खाड़ी से लेकर जम्मू-कश्मीर तक फैली हुई है। इसके सक्रिय होने से उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत में वर्षा की गतिविधियां तेज होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, मानसून ट्रफ बन चुकी है, लेकिन फिलहाल यह हिमालय की तलहटी के निकट स्थित है।

नागरिकों को मिलेंगी डिजिटल सुविधाएं

अमित शाह ने लॉन्च किया एफसीआरए 2.0 पोर्टल और ई-ओसीआई कार्ड

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को एफसीआरए 2.0 पोर्टल और ई-ओसीआई (ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया) कार्ड का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इन दोनों डिजिटल पहलों से नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, प्रक्रियाएं सरल होंगी और पारदर्शिता के साथ देश की सुरक्षा भी मजबूत होगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि जब नीयत साफ, नीति स्पष्ट और तकनीक को अपनाने की इच्छाशक्ति हो तो शासन व्यवस्था ईमानदार नागरिकों के लिए सरल हो जाती है, जबकि गलत गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी संभव होती है। उन्होंने कहा कि एफसीआरए 2.0 पोर्टल विशेष रूप से विदेशी अंशदान प्राप्त करने वाले संस्थानों की परेशानियों को कम करेगा और पूरी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाएगा। गृह मंत्री ने कहा कि पहले एफसीआरए से जुड़ी प्रक्रिया कागजी कार्रवाई और लंबी प्रशासनिक प्रक्रियाओं में उलझी रहती थी।

सीबीएसई : 12वीं की कंपार्टमेंट परीक्षा को आवेदन शुरू

पटना(नि.सं.)। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 12वीं की कंपार्टमेंट परीक्षा 2026 के लिए निजी परीक्षार्थियों के आवेदन की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू कर दी है। इसकी अंतिम तिथि 8 जुलाई (रात 11:59 बजे) निर्धारित की गई है। आवेदन केवल ऑनलाइन मोड में सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट https://cbse.gov.in पर दिए गए लिंक से करना होगा। वर्ष 2025 की बोर्ड परीक्षा में कम्पार्टमेंट श्रेणी में रहे छात्र, जो 2025 की कम्पार्टमेंट परीक्षा (पहला मौका) और 2026 की बोर्ड परीक्षा (दूसरा मौका) में भी कम्पार्टमेंट रहे, वे केवल उसी एक विषय में आवेदन कर सकते हैं जिसमें वे 2026 की परीक्षा में कम्पार्टमेंट हुए हैं। यह उनके लिए तीसरा और अंतिम अवसर होगा।

री-नीट परीक्षा में बायोमीट्रिक सिस्टम से छेड़छाड़ का आरोप

- 200 युवकों की भर्ती कर रची गई साजिश

पेपर लीक नहीं, बायोमीट्रिक सिस्टम को बनाया निशाना

निज संवाददाता | पटना

री-नीट परीक्षा में सॉल्वर बैठाने के लिए परीक्षा माफिया द्वारा बायोमीट्रिक सत्यापन प्रणाली में सेंध लगाने की बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि माफिया ने बायोमीट्रिक सत्यापन का कार्य संभाल रही कंपनी में अपने लोगों की भर्ती कराकर सुरक्षा व्यवस्था को अंदर से प्रभावित करने का प्रयास किया। जांच एजेंसियों के अनुसार, परीक्षा माफिया ने करीब 200 युवकों को बायोमीट्रिक सत्यापन का कार्य करने वाली कंपनी इनोवेटिव व्यू' में नौकरी दिलवाई। बताया जा रहा है कि ये कर्मचारी लगभग एक महीने तक कंपनी के भीतर रहकर पूरी कार्यप्रणाली, बायोमीट्रिक सत्यापन प्रक्रिया और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी जुटाते रहे। इसके बाद परीक्षा के दौरान इसी नेटवर्क का इस्तेमाल कर डमी अभ्यर्थियों (सॉल्वर) को परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दिलाया गया।

सूत्रों के मुताबिक, वर्ष 2026 के नीट पेपर लीक मामले के बाद केंद्र और राज्य सरकारों ने प्रश्नपत्र की सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी थी। पेपर लीक की संभावनाएं लगभग समाप्त होने के बाद परीक्षा माफिया ने रणनीति बदलते हुए बायोमीट्रिक सत्यापन प्रणाली को ही कमजोर कड़ी बनाने की योजना तैयार की।

डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
Regd. No. 382/2018
We have millions of Satisfied Patients
ऑक्सीजन ट्रामा एवं मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पीटल
ISO 9001: 2008 CERTIFIED
Dr. Pravin Kumar
M.S. (Ortho), M.Ch. (Ortho)
Trauma & Joint Replacement Surgeon
Associate Professor (Ortho)
Dr. Rajni Kumari
MBAS (M.U.) FCGP
Consultant in Obs & Gyne
सभी इंश्योरेंश कम्पनियों के मरीजों का कैशलेश ईलाज
ESIC; Ayushman Bharat: CGHS, Etc
गांधी सेतु से पश्चिम कुम्हरार ब्रीज से उत्तर बिस्कोमान गोलम्बर पटना - 800 007
MOB: 0612 - 2311046, 9334868825, 9835084267

डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
BAYC Institute स्थापित 1972
बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज
गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7
नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स
भारत का पहला कॉलेज
डॉक्टर बनें
एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन
Proposed Green Campus in 60,000 Sq.Ft.
DIPLOMA COURSE
DAT Acupressure Therapy | DY Yoga | DEMS Electrohomeopathy Medicine
DAYS Acupressure Yoga | DHMS Herbal Medicine | DNYS Naturopathy Yoga
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th
BACHELOR DEGREE COURSE
MBBA Acupressure & Magnet | BTMS Traditional Medicine | BEMS Electrohomeopathy Medicine
BAYS Acupressure Yoga | BAcu. Acupuncture | MBAS Medicine in ALT Science
अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2 | अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2
MASTER DEGREE COURSE
MD (Acu Yoga) MD (TM) | MD (EH)
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजएट | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS
PROFESSIONAL COURSE
BLIS | MLIS | BBA | MBA
TRADITIONAL COURSE
MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA
100% रिजल्ट एवं रोजगार
Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised
DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES
एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।
कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।
डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त अध्यक्ष
डा. अजय प्रकाश सचिव
9572607696, 9304942855, 9334278279 Apply Online: www.bayc.in
Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

राजस्व कर्मचारी के गायब रहने से प्रमाण पत्र बनाने में हो रही भारी परेशानी

कौआकोल। कौआकोल अंचल कार्यालय में कार्यरत राजस्व कर्मचारियों की मनमानी और मुख्यालय से लगातार अनुपस्थित रहने के कारण इन दिनों विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र बनवाने सहित अन्य कार्यों में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार तत्काल प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया में अब राजस्व अधिकारी द्वारा राजस्व कर्मचारी से सत्यापन करवाने को अनिवार्य कर दिया गया है। लेकिन संबंधित राजस्व कर्मचारी के मुख्यालय में उपस्थित नहीं रहने से यह प्रक्रिया बाधित हो रही है। इसका सीधा असर आम लोगों,खासकर छात्र-छात्राओं पर पड़ रहा है,जिन्हें स्कूल, कॉलेज, छात्रवृत्ति एवं अन्य जरूरी कार्यों के लिए समय पर प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कर्मचारियों की लापरवाही के कारण दिनों-दिन परेशानी बढ़ती जा रही है। इसको लेकर लोगों में काफी नाराजगी देखी जा रही है। लोगों ने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्था में सुधार लाने और नियमित रूप से कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने की मांग की है।

पंचायतों में स्वच्छता अभियान को मुंह चिढ़ा रही बदहाल व्यवस्था, कई जगह महीनों से बंद पड़ा कचड़ा उठाव

कौआकोल। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा गांवों को स्वच्छ और साफ-सुथरा बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान की स्थिति कौआकोल प्रखंड क्षेत्र में पूरी तरह बदहाल नजर आ रही है। प्रखंड के कई पंचायतों में कचरा उठाव की व्यवस्था लंबे समय से ठप पड़ी हुई है, जिसके कारण गांवों और सार्वजनिक स्थलों पर जगह-जगह कचरे का अंबार लगा हुआ है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ताजा मामला प्रखंड के खड़सारी एवं पाली पंचायत की सीमा से सामने आया है,जहां पाली पंचायत के मुख्य पइन (नाला) में बड़े पैमाने पर कचरा फेंक दिया गया है। नाले में कचरा जमा होने के कारण गंदगी फैल रही है और आसपास के इलाकों में तेज दुर्गंध से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में यह स्थिति और गंभीर हो सकती है, क्योंकि नाला जाम होने से जलनिकासी बाधित होगी और जलजमाव की समस्या पैदा हो सकती है। जानकारी के अनुसार कौआकोल प्रखंड के लगभग सभी पंचायतों में कचड़ा डंपिंग की व्यवस्था ठप है। घर-घर से कचड़ा उठाव के लिए लगाए गए संसाधन या तो बंद पड़े हैं या उनका संचालन नियमित रूप से नहीं हो रहा है।इसके कारण लोग मजबूरी में सड़कों के किनारे,खाली जगहों और नालों में कचरा फेंकने को विवश हैं। इससे गांवों की साफ-सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्वच्छता अभियान के नाम पर पंचायतों में योजनाएं तो संचालित की जा रही हैं,लेकिन जमीनी स्तर पर इसकी निगरानी और क्रियान्वयन नहीं हो रहा है। करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद गांवों में गंदगी का आलम बना हुआ है, जिससे सरकार की महत्वाकांक्षी स्वच्छता योजना पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, प्रखंड प्रशासन एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से अविलंब कचरा उठाव व्यवस्था बहाल करने,पंचायतों में नियमित सफाई सुनिश्चित करने तथा स्वच्छता अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो स्थिति और भयावह हो सकती है।

पूर्व मुखिया कन्हैया लाल उपाध्याय के पौत्र जतिन कुमार उपाध्याय ने बीपीएससी परीक्षा में मारी बाजी

कटिहार। जिले के प्राणपुर प्रखंड अंतर्गत रोशना ग्राम निवासी पूर्व मुखिया कन्हैया लाल उपाध्याय के पौत्र जतिन कुमार उपाध्याय ने बीपीएससी परीक्षा में उत्तीर्ण कर ग्रामीण विकास पदाधिकारी बनकर अपने दादा सहित संपूर्ण परिवार को गौरवान्वित करने का कार्य किया है। इनके दादा कन्हैया लाल उपाध्याय 1963 से 1979 तक लगातार दो टर्म मुखिया रहे। उस समय ग्राम पंचायत रोशना इंग्लिश के नाम से जाना जाता था। इनके दादा पंचायत के एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में लोग इन्हें जानते थे और आज उनके प्रतिष्ठा को उनके पौत्र जतिन कुमार उपाध्याय ने ग्रामीण विकास पदाधिकारी बनकर अपने परिवार को गौरवान्वित करने का कार्य किया है। जतिन कुमार उपाध्याय का जब ग्राम विकास पदाधिकारी की नोटिफिकेशन की सूचना मिलने पर उनके परिवार में खुशी का माहौल बन गया। माता सुभद्रा उपाध्याय, पिता सूरज कुमार उपाध्याय, बड़े भाई निपम उपाध्याय, छोटे भाई मृणाल भारद्वाज, बहन अन्नी उपाध्याय, बहनोई सौरभ दुबे, नानी मीरा देवी, मामा अजय शंकर पांडे, लक्ष्मण पांडे,चाचा संतोष उपाध्याय, बड़े भाई संजीव उपाध्याय, अभय उपाध्याय, बहन नीतू ओझा, प्राणपुर प्रखंड के प्रमुख अमित साह,उप प्रमुख मो.रफीक आलम,प्राणपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक निशा सिंह सहित सैकड़ो लोगों ने जतिन कुमार उपाध्याय को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया है।

जतिन कुमार उपाध्याय के पिता सूरज उपाध्याय किसान है। माता सुभद्रा उपाध्याय कुशल गृहिणी है। बड़े भाई निपम उपाध्याय किसान होने के साथ-साथ अरुण मेमोरियल पब्लिक स्कूल रोशना के डायरेक्टर हैं। छोटे भाई मृणाल भारद्वाज स्नातक प्रतिष्ठा की डिग्री प्राप्त कर बीपीएससी की तैयारी कर रहे हैं।बहन अन्नी उपाध्याय कोलकाता में रहकर शेयर मार्केटिंग में इन्वेस्टर की कार्य कर रही है। जीजाजी सौरभ दुबे कोलकाता में कस्टम विभाग में वरीय अधीक्षक है। मामा अजय शंकर पांडे भारतीय थल सेना से सेवानिवृत होकर नया सवेरा ग्रुप बलिया,उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष हैं। मामा लक्ष्मण पांडे प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी हैं। माता सुभद्रा उपाध्याय, पिता सूरज उपाध्याय, बड़े भाई निपम उपाध्याय, छोटे भाई मृणाल भारद्वाज,बहन अन्नी उपाध्याय, मामा अजय शंकर पांडे ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि जैसे ही बीपीएससी परीक्षा का रिजल्ट आया हम लोग बहुत खुश हुये।खुशी से आंखें भर आयीं।हम सभी को उम्मीद था कि जतिन कुमार उपाध्याय बीपीएससी की परीक्षा में सफलता हासिल करेंगे। क्योंकि ये बचपन से पठन-पाठन में काफी मेधावी रहा है।उस समय ही विश्वास हो गया जब जतिन कुमार उपाध्याय पढ़ने के लिए काशी हिंदू विश्वविद्यालय चला गया था। पारिवारिक सदस्यों में काफी खुशी है। जतिन कुमार उपाध्याय का जन्म 19 अगस्त 1999 को हुआ है। इनका प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा उत्क्रमित कन्या मध्य विद्यालय रोशना से नर्सरी से वर्ग 2 तक किया है। वर्ग 3 से 5 तक पढ़ाई प्राथमिक विद्यालय महेश बथना ,किशनगंज से किया है।वर्ग 6 से मैट्रिक तक की पढ़ाई जवाहर नवोदय विद्यालय किशनगंज से किया है। इन्होंने 2016 में जवाहर नवोदय विद्यालय किशनगंज से मैट्रिक परीक्षा पास किया है। मैट्रिक में इन्हें 95% अंक प्राप्त हुए हैं। 2018 में आई.एस.सी की पढ़ाई अधीन अजब लाल मांझी स्कूल,कटिहार से किया है। इन्हें आई.एस.सी. में 82.4 प्रतिशत अंक प्राप्त हुआ है।स्नातक प्रतिष्ठा इतिहास विषय से 2018 से 2021 तक काशी हिंदू विश्वविद्यालय से पढ़ाई किया है। स्नातक में इन्हें 74% अंक मिला है। 2021 से 2023 तक काशी हिंदू विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर इतिहास विषय में डिग्री प्राप्त किया है।

बाल श्रम की पहचान करके उसे छुड़ाना और बचाना दूसरा महत्वपूर्ण हस्तक्षेप है

कटिहार। बाल श्रम की पहचान करके उसे छुड़ाना और बचाना दूसरा महत्वपूर्ण हस्तक्षेप है। जिसमें श्रम, कारखाना और पुलिस विभागों को अहम भूमिका निभानी है। गुजरात में टास्क फोर्स के माध्यम से बाल श्रम छुड़ाने और छुड़ाने के अभियान शुरू किए गए हैं। टास्क फोर्स ने बाल श्रम का इस्तेमाल करने वाले कारखानों और प्रतिष्ठानों पर छापे मारे हैं और किशोर सहायता पुलिस इकाई के माध्यम से हजारों बच्चों को छुड़ाकर उनके परिवारों तक पहुंचाया गया है। बाल श्रम छुड़ाने और छुड़ाने के अभियानों का उद्देश्य जहां भी संभव हो, बच्चों का पारिवारिक पुनर्वास और सभी बच्चों का शैक्षिक पुनर्वास सुनिश्चित करना है। सरकार द्वारा जारी जीआर संख्या ईसीए-2006/2455(4-एम.3)26 के तहत सभी जिलों में ऐसी टास्क फोर्स का गठन किया जा चुका है।

रजौली में जनगणना के द्वितीय चरण का ट्रायल शुरू, मोबाइल ऐप से होगी निगरानी

96 प्रगणक घर-घर जुटाएंगे डाटा, 20 जुलाई तक चलेगा जनगणना का पूर्व परीक्षण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। भारत की जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के तहत रजौली प्रखंड में बुधवार से जनसंख्या परिगणना का पूर्व परीक्षण शुरू हो रहा है। यह अभियान 1 जुलाई से 20 जुलाई तक चलेगा। पूर्व परीक्षण से पहले मंगलवार को चार्ज अधिकारी सह बीडीओ संजीव झा ने मध्य विद्यालय रजौली में बनाए गए प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान जनगणना के सहायक निदेशक अंगद सिंह, एसआई-1 संदीप कुमार, एसआई-2 प्रताप सिन्हा, प्रधानाध्यापिका ममता रानी एवं सहायक शिक्षिका कविता झा मौजूद रहीं।

तीन बैच में 96 प्रगणकों का प्रशिक्षण :- बीडीओ संजीव झा ने बताया कि रजौली प्रखंड में जनसंख्या परिगणना हेतु 96 प्रगणक एवं 17 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। सभी का प्रशिक्षण मध्य विद्यालय रजौली में जनगणना सहायक निदेशक के द्वारा तीन बैच में 1 जुलाई से 3 जुलाई तक कराया जाएगा।

प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण करते बीडीओ,जनगणना अधिकारी एवं प्रधानाध्यापिका

मोबाइल ऐप से होगी रियल टाइम मॉनिटरिंग :- बीडीओ ने कहा कि पूर्व परीक्षण के दौरान प्रगणक घर-घर जाकर डाटा संग्रह करेंगे। डाटा संग्रहण के बाद अंतिम दो दिनों में रिवीजनल राउंड होगा। इस बार की खास बात यह है कि पहली बार मोबाइल ऐप के माध्यम से सीएमएमएस पोर्टल पर रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी, जिससे काम में पारदर्शिता आएगी।

बिहार के दो जगह हो रहा पायलट प्रोजेक्ट :- जनगणना निदेशालय के अनुसार बिहार में नवादा जिले के रजौली प्रखंड एवं सारण जिले के सोनपुर नगर परिषद को जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के पूर्व परीक्षण के लिए चुना गया है। इसका मकसद मुख्य जनगणना से पहले फील्ड की दिक्कतों को समझना और सिस्टम को दुरुस्त करना है।

रजौली पुलिस की बड़ी कार्रवाई: तीन जगह छापेमारी में 168 लीटर शराब बरामद, दो बाइक जब्त

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

♦ धंधेबाज जंगली रास्ते से भागे, पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी

रजौली। रजौली पुलिस ने शराब कारोबारियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के तीन अलग-अलग ठिकानों से कुल 168 लीटर अवैध शराब बरामद की है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो बाइक और एक मोबाइल भी जब्त किया है। हालांकि, पुलिस को आता देख शराब धंधेबाज जंगल के रास्ते भागने में सफल रहे। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर थाना क्षेत्र में शराब निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री एवं सेवन के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि अंधरवारी, फगुनी व परतौनिया गांव में बड़े पैमाने पर शराब परिवहन की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस बल ने तीनों जगह एक साथ छापेमारी की। अंधरवारी और परतौनिया में की गई कार्रवाई में पुलिस ने भारी मात्रा में देसी महुआ शराब बरामद की, जबकि फगुनी से अंग्रेजी शराब की खेप मिली। कुल मिलाकर पुलिस ने 162 लीटर देसी महुआ शराब एवं 6 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की है। मौके से शराब तस्करी में प्रयुक्त दो बाइक और एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि छापेमारी की भनक लगते ही शराब धंधेबाज जंगली व पगडंडी रास्तों का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने जब्त शराब, बाइक, मोबाइल एवं फरार तस्करों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। फरार आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि अवैध शराब के निर्माण, भंडारण या बिक्री की सूचना तुरंत पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई से शराब माफियाओं में हड़कंप मचा है और आगे भी यह अभियान पूरी सख्ती से जारी रहेगा ताकि क्षेत्र को नशामुक्त बनाया जा सके।

पीएमश्री योजना के तहत मध्य विद्यालय फुलडीह का बापू इंटर विद्यालय में हुआ संविलियन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कौआकोल। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएमश्री योजना के तहत जिले में चयनित 21 विद्यालयों के साथ आसपास के चयनित मध्य विद्यालयों का संविलयन किया जाना है। इसी कड़ी में कौआकोल प्रखंड के बापू इंटर विद्यालय पांडेयगंगौट एवं इंटर विद्यालय ओखरिया का चयन पीएमश्री विद्यालय के रूप में किया गया है। प्राप्त आदेश के अनुसार मध्य विद्यालय फुलडीह के वर्ग 6 से 8 तक के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का संविलयन बापू इंटर विद्यालय पाण्डेयगंगौट में जबकि मध्य विद्यालय बड़राजी के वेग 6 से 8 तक के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का संविलयन इंटर विद्यालय ओखरिया में किया जाना है। इसके तहत मंगलवार को विधिवत प्रक्रिया पूरी करते हुए मध्य विद्यालय फुलडीह के छठी,सातवीं एवं आठवीं कक्षा के सभी विद्यार्थियों के साथ दो शिक्षकों रौनक नाज एवं श्वेता कुमार का संविलियन किया गया। इस अवसर पर बापू इंटर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अजय कुमार ने बताया कि यह प्रक्रिया मध्य विद्यालय फुलडीह के प्रधानाध्यापक अम्बेद कुमार की मौजूदगी में विधिवत संपन्न कराई गई। उन्होंने कहा कि पीएमश्री योजना का उद्देश्य सरकारी विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर उन्हें मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, साइंस लैब, आधुनिक पुस्तकालय, खेल सामग्री एवं बेहतर शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे,ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और तकनीक आधारित शिक्षा मिल सके। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी आधुनिक शिक्षा व्यवस्था का लाभ मिलेगा और सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार आएगा।

शिक्षकों एवं अभिभावकों ने इस पहल को शिक्षा व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों को बेहतर माहौल और आधुनिक संसाधनों के बीच पढ़ाई करने का अवसर प्राप्त होगा।

जमीन बंटवारे को लेकर चाचा ने भाई-भतीजे के साथ की मारपीट

♦ अस्पताल में इलाजरत, थाने से लगाई न्याय की गुहार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अस्पताल परिसर में घायल बेटे के साथ पीड़िता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के चितरकोली गांव में जमीन विवाद को लेकर मंगलवार को एक भाई ने अपने बड़े भाई और भतीजे के साथ मारपीट की है। मारपीट के बाद भतीजे को इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में ड्यूटी में रहे चिकित्सक ने घायल बच्चे का इलाज किया। घायल बच्चे की पहचान चितरकोली गांव निवासी चंदेश्वर प्रसाद यादव के 14 वर्षीय पुत्र विकास कुमार के रूप में हुई है। घायल बच्चे और उसकी मां का इलाज कर जरूरी सुई एवं दवाई दी गई है। अस्पताल परिसर में इलाज करवाने पहुंची विकास की मां उर्मिला देवी ने बताई कि उनके सास-ससुर जीवित हैं और वे चार गोतनी में सबसे बड़ी हैं। उनके गोतिनियों द्वारा जमीन बंटवारे को लेकर अक्सर झगड़ा और मारपीट किया जाता है। बीते आठ दिनों पूर्व भी उनकी छोटी गोतनी ने मारपीट की थी। मंगलवार को मामा ससुर ने घर आकर जमीन बंटवारे की बात की,जिसपर हमने सहमति जताई। जमीन बंटवारे के दौरान उपजे विवाद में दिल्ली में रहने वाले छोटा देवर राजेश यादव झगड़ा करने लगा। इस दौरान बेटा विकास के पेट में जोर से लात मार दी। विकास दर्द के मारे रोने बिलखने लगा। घटना की शिकायत डायल 112 की टीम को दी गई थी,पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और झगड़ा शांत करवाकर वापस लौट गई। पीड़िता ने कहा कि वे मारपीट की शिकायत को लेकर थाना गई थी,जहां उन्हें इलाज करवाने की सलाह दी गई है। पीड़िता उर्मिला देवी ने बताई कि वे थाने को लिखित आवेदन देकर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करेंगी। इस संबंध में थानाध्यक्ष रणजीत कुमार ने बताया कि पीड़िता द्वारा लिखित आवेदन मिलने पर अग्रतर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत द्वितीय अपील की सुनवाई

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

03 मामलों का ऑन-द-स्पॉट निवारण

नवादा। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत द्वितीय अपील की सुनवाई की। आज द्वितीय अपील के तहत कुल 04 परिवादी उपस्थित हुए, जिनमें से 03 मामलों का ऑन-द-स्पॉट निवारण कर दिया गया। प्रस्तुत द्वितीय अपील वादों में सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह द्वारा सेवांत लाभ (सामान्य भविष्य निधि) के भुगतान के उपरांत विलंब अवधि के ब्याज का भुगतान करने के संबंध में, शीतल प्रसाद द्वारा बिहार सरकार की भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने के संबंध में तथा विक्की कुमार द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध रूप से होटल खोलने से संबंधित मामलों में ऑनलाइन द्वितीय अपील दायर की गई थी। संबंधित पदाधिकारियों द्वारा जांच प्रतिवेदन भेजे जाने के उपरांत आज शिकायतों की सुनवाई की गई। बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत किसी भी मामले की सुनवाई कर दो माह के भीतर उसका निवारण किया जाता है। प्रखंड स्तर पर पंचायतों से संबंधित विवादों एवं समस्याओं के समाधान हेतु अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण कार्यालय, नवादा सदर एवं रजौली में कोई भी व्यक्ति अपील कर सकता है। वहीं, जिला स्तरीय समस्याओं एवं परिवादों के निवारण के लिए जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, नवादा का कार्यालय समाहरणालय के मुख्य प्रवेश द्वार के दाहिनी ओर स्थित लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम भवन में संचालित है।

विवादों की सुनवाई एवं निवारण दोनों पक्षों को बुलाकर किया जाता है तथा इसके लिए किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। शिकायत दर्ज कराने एवं उसके निवारण की निःशुल्क व्यवस्था उपलब्ध है तथा आदेश से असंतुष्ट होने पर निःशुल्क अपील भी दायर की जा सकती है। अब शिकायतों का निवारण और भी आसान हो गया है तथा नागरिक ऑनलाइन भी शिकायत एवं अपील दर्ज कर सकते हैं। आप भी बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के अंतर्गत अपनी शिकायत दर्ज कराएं और निश्चित समय-सीमा के भीतर समाधान प्राप्त करें।

'तुम मेरे लिए बच्चा लेकर आओ, मैं तुम्हारी शादी कराऊंगी', चाची के कहने पर दिव्यांग भतीजे ने चुराया 8 महीने का मासूम

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालंदा। नालंदा में घर से गायब हुए 8 महीने के मासूम जनसुराज मांझी को पुलिस ने 72 घंटे के अंदर सकुशल बरामद कर लिया है। मामले में संलिप्त दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। जिसमें एक महिला शामिल है। दोनों रिश्ते में चाची-भतीजा है। घटना छबीलापुर थाना क्षेत्र की है। 26 जून की रात कंचनपुर गांव में करीब 1:00 बजे महेश मांझी का बेटा अपने माता-पिता के साथ सोते समय अचानक गायब हो गया था। नींद खुलने पर जब परिजन ने बच्चे को अपने पास नहीं पाया, तो हड़कंप मच गया। काफी खोजबीन के बावजूद जब मासूम का कोई सुराग नहीं मिला, तो उसके पिता ने थाने में अपहरण का मामला दर्ज कराया।

राजगीर डीएसपी संजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निर्देश पर विशेष जांच टीम का गठन किया। टीम ने तकनीकी और मानवीय पहलुओं को आधार बनाकर गहन छानबीन शुरू की। इस अपहरण की साजिश किसी अपराधी गिरोह ने नहीं, बल्कि शादी की लालच में रची गई थी। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी धर्मेंद्र कुमार और उसकी चाची मिंटू देवी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी धर्मेंद्र कुमार, जो शारीरिक रूप से दिव्यांग (पोलियो ग्रस्त) है। अपनी शादी को लेकर परेशान था। इसी बात का फायदा उठाते हुए उसकी चाची मिंटू देवी ने उसे शादी का झांसा दिया। मिंटू देवी ने धर्मेंद्र से कहा कि अगर वह कहीं से किसी छोटे बच्चे का इंतजाम कर देगा, तो वह उसकी शादी करवा देगी। पुलिस के अनुसार, मिंटू देवी की योजना इस बच्चे को अपनी एक रिश्तेदार (फुफेरी गोतनी) को सौंपने की थी, जिनकी कोई संतान नहीं थी। इसी योजना

72 घंटे में बरामद

के तहत धर्मेंद्र ने 26 जून की रात महेश मांझी के 8 महीने के बेटे जनसुराज का अपहरण कर लिया। आरोपी और पीड़ित परिवार की घर की दूसरी 200 मीटर के करीब है। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। आरोपी धर्मेंद्र कुमार की निशानदेही पर ही बच्चे को सकुशल बरामद किया। इस पूरे ऑपरेशन में राजगीर अंचल के इंस्पेक्टर संजय कुमार, राजगीर थानाध्यक्ष रमन कुमार, डीआईयू के इंस्पेक्टर आलोक कुमार, छबीलापुर थानाध्यक्ष अनोज कुमार पाठक, उत्तम कुमार झा, राजेश कुमार एवं छबीलापुर थाना के सशस्त्र बल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डीएसपी संजीत कुमार गुप्ता ने स्पष्ट किया कि गिरफ्तार आरोपियों का पहले कोई आपराधिक इतिहास नहीं रहा है। इस पूरी कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम की कार्यक्षमता की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि एसपी से बात हुई है और इस सफल ऑपरेशन के लिए टीम के सदस्यों को पुरस्कृत करने हेतु अनुशंसा पत्र भेजा जाएगा।

रजौली में अवैध अभ्रक खनन केस का आरोपी डेढ़ साल बाद गिरफ्तार, जेल भेजा गया

♦ ब्लास्ट में गई थी एक युवक की जान, अब भी जारी है वन्य जीव आश्रयणी में अवैध खनन

अस्पताल परिसर में मेडिकल जांच के दौरान गिरफ्तार आरोपी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। सवैयाटांड़ सुरक्षित वन क्षेत्र में विस्फोटक से पहाड़ उड़ाकर अवैध अभ्रक खनन के दौरान एक युवक की मौत के मामले में डेढ़ साल से फरार चल रहे आरोपी को रजौली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सिमरातरी गांव निवासी स्व. कार्तिक तुरिया के पुत्र महेंद्र तुरिया के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर आरोपी को पकड़ा गया। मेडिकल जांच के बाद उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया।दिसंबर 2024 में वन विभाग को सूचना मिली थी कि सवैयाटांड़ सुरक्षित वन में वन माफिया विस्फोटक लगाकर अवैध अभ्रक निकाल रहे हैं। वनपाल राजू कुमार शर्मा के नेतृत्व में वनरक्षी विकास कुमार के साथ टीम मौके पर पहुंची तो तेज विस्फोट की आवाज सुनाई दी। कड़रूआ के पास 60-70 लोगों की भीड़ थी, जो वन टीम को देखते ही जंगल में भाग गई।

घटनास्थल पर ब्लास्ट के स्पष्ट साक्ष्य मिले थे। जांच में पता चला कि विस्फोट के दौरान गिरगी गांव निवासी वासुदेव भुइयां की मौत हो गई थी। वन विभाग ने महेंद्र तुरिया समेत 13 नामजद व अज्ञात माफियाओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। तभी से महेंद्र फरार चल रहा था।

वन्य जीव आश्रयणी क्षेत्र में दिनदहाड़े ब्लास्ट :- सवैयाटांड़ अधिसूचित वन क्षेत्र होने के साथ-साथ वन्य जीव आश्रयणी क्षेत्र भी घोषित है। यहां ज्वलनशील पदार्थ ले जाना दंडनीय अपराध है। विस्फोट से पशु-पक्षियों पर बुरा असर पड़ रहा है और वे पलायन को मजबूर हैं। आरोप है कि माफिया दिन के उजाले में ही वन सीमा के अंदर विस्फोटक लगाकर पहाड़ उड़ाते हैं, गड्ढा बनाकर अवैध रूप से अभ्रक निकालते हैं और चोरी-छिपे तिलैया-कोडरमा में भंडारण कर निजी लाभ के लिए बेचते हैं।

ग्रामीणों का आरोप: कार्रवाई सिर्फ खानापूर्ति :- स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि सरकार की कथित सख्ती के बावजूद अवैध खनन धड़ल्ले से जारी है। वन विभाग संसाधन की कमी का रोना रोकर कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति करता है। इसका भरपूर फायदा खनन माफिया उठा रहे हैं और सरकार को करोड़ों के राजस्व का चूना लगा रहे हैं। एक मौत के बाद भी विस्फोट कर खनन रुकने का नाम नहीं ले रहा। पुलिस का कहना है कि फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। अवैध खनन पर पूरी तरह लगाम लगाने के लिए वन विभाग व पुलिस संयुक्त अभियान चलाएगी।

30 जुलाई से हड़ताल पर जाएंगे नगर निकाय के कर्मचारी, कहा- 783 रुपये रोजाना मिले

पीएफ में हुई कटौती का मिले हिसाब

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गया। बिहार के नगर निकाय कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर 30 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का ऐलान किया है। कर्मचारी संघ, नगर परिषद बोधगया (एआईटीयूसी) ने इस राज्यव्यापी आंदोलन का समर्थन करते हुए मंगलवार को नगर परिषद प्रशासन को इसकी आधिकारिक सूचना सौंप दी है। कर्मचारियों ने कार्यपालक पदाधिकारी से अपनी सालों से लंबित मांगों को तुरंत पूरा करने की मांग की है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार और संबंधित विभाग 29 जुलाई तक उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लेते हैं, तो पूरे बिहार के नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायतों के कर्मचारी हड़ताल में शामिल हो जाएंगे। कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजीत सिंह ने बताया कि बोधगया नगर परिषद में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी, संविदा और अन्य अस्थायी कर्मचारी लंबे समय से सेवा सुरक्षा, नियमितीकरण और अन्य सुविधाओं से वंचित हैं। इन कर्मचारियों की मांगें कई बार प्रशासन और सरकार के समक्ष उठाई गई हैं, लेकिन अब तक कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई है। इस उपेक्षा के कारण कर्मचारियों में गहरा असंतोष व्याप्त है।

कर्मचारियों की सेवा स्थायी करने की मांगः संघ ने अपने आठ सूत्री मांग पत्र में प्रमुख रूप से नियमित काम करने वाले कर्मचारियों की सेवा स्थायी करने, पूर्व में हुए समझौतों और विभागीय पत्रों का अनुपालन सुनिश्चित करने, केंद्र सरकार की ओर से घोषित 783 रुपये रोजाना की दैनिक मजदूरी लागू करने, पूर्व समझौते के अनुसार ठंडा और गर्म वर्दी की राशि का भुगतान करने, पीएफ में की गई कटौती का पूरा हिसाब देने, सभी कर्मचारियों को ईएसआई का लाभ उपलब्ध कराने, स्थायी कर्मचारियों की तरह आकस्मिक और उपार्जित अवकाश की सुविधा देने व एनजीओ कर्मियों को नगर परिषद कर्मी का दर्जा प्रदान करने की मांग की है। इस बीच, बिहार लोकल बॉडीज इम्प्लाइज फेडरेशन और बिहार राज्य स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ (एक्टू) के संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने भी राज्य सरकार को पत्र भेजकर तीन प्रमुख मांगों को लेकर आंदोलन की घोषणा की है।

30 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू होगाः आंदोलन की रूपरेखा के अनुसार हड़ताल से पहले विभिन्न चरणों में प्रदर्शन, आमसभा, मशाल जुलूस और जनसंपर्क अभियान चलाए जाएंगे। इसके बाद 30 जुलाई से पूरे राज्य में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू होगी। हड़ताल के दौरान कर्मचारी अपने-अपने निकाय मुख्यालयों, जिला एवं प्रमंडलीय स्तर पर धरना-प्रदर्शन और जनजागरण कार्यक्रम आयोजित करेंगे। कर्मचारी नेताओं ने स्पष्ट किया है कि वे सरकार के साथ सकारात्मक वार्ता के पक्षधर हैं, लेकिन यदि निर्धारित समय सीमा तक उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हड़ताल की स्थिति में नगर निकायों की सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, जल निकासी, राजस्व वसूली सहित कई आवश्यक नागरिक सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं, जिसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार और संबंधित विभाग की होगी।

टेंट हाउस में काम करने गए किशोर की सड़क हादसे में मौत, बेटे का शव देख मां हुई बेसुध

देर रात मिली हादसे की सूचना, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

इमामगंज। थाना क्षेत्र के कोचिया मोड़ के पास सोमवार की देर शाम हुए सड़क हादसे में एक किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान लोकनाचक गांव निवासी 16 वर्षीय विक्रम कुमार पिता दिलीप चंद्रवंशी के रूप में की गई है। हादसे की खबर मिलने के बाद मंगलवार को जब किशोर का शव गांव पहुंचा तो पूरे इलाके में मातम छा गया।

अपने जवान बेटे का शव देखते ही मां रंजू देवी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। वह बेटे के शव से लिपटकर बार-बार बेहोश हो जा रही थीं। वहीं पिता दिलीप चंद्रवंशी की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे। परिवार के इस दर्दनाक मंजर को देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं।

सड़क हादसे में किशोर की मौत के बाद विलाप करते परिजन।

परिजनों के अनुसार विक्रम कुमार बीते 17 जून से रानीगंज स्थित विशाल टेंट हाउस में काम कर रहा था। परिजनों ने बताया कि सोमवार की रात करीब 11 बजे अचानक सूचना मिली कि विक्रम का एक्सीडेंट हो गया है और उसकी हालत गंभीर है। इसके बाद परिवार के लोग गाड़ी लेकर गया जाने के लिए निकले, लेकिन रास्ते में ही सूचना मिली कि विक्रम की मौत हो चुकी है। मृतक की मां रंजू देवी ने आरोप लगाया कि अगर घटना देर शाम की थी तो इसकी जानकारी परिवार को तुरंत क्यों नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि सूचना समय पर मिलती तो शायद इलाज का कोई मौका मिल सकता था। उन्होंने टेंट हाउस संचालक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामले की जांच की मांग की है। इधर घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मगध मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। इस संबंध में इमामगंज थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। परिजनों की ओर से अभी तक कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

ग्राम रक्षा दल ने गयाजी में निकाली तिरंगा यात्रा, मानदेय की मांग पर सरकार को चेतावनी

कहा- मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन करेंगे

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गया। बिहार ग्राम रक्षा दल के सैकड़ों जवानों ने मंगलवार को गयाजी में स्थायीकरण और मानदेय की मांग को लेकर विशाल तिरंगा यात्रा निकाली। मोहनपुर से शुरू हुई यह यात्रा बाराचट्टी, डोभी और बोधगया होते हुए जिला कलेक्ट्रेट पहुंची, जहां से गांधी मैदान में एक सभा के साथ संपन्न हुई। प्रदर्शनकारियों ने देशभक्ति के नारों के साथ सरकार से अपनी लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की। इस तिरंगा यात्रा का नेतृत्व बिहार ग्राम रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष राम प्रसाद राउत और गया जिला अध्यक्ष शिव शंकर प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया। इसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में ग्राम रक्षा दल के सदस्य शामिल हुए। पूरे रास्ते, प्रदर्शनकारियों ने तिरंगा लहराते हुए अपनी एकजुटता

प्रदर्शित की और स्थायीकरण और मानदेय की मांग के समर्थन में नारे लगाए।

मांगों पर तत्काल सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह कियाः सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष राम प्रसाद रावत ने कहा कि ग्राम रक्षा दल के सदस्य सालों से गांवों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, आपदा प्रबंधन, चुनाव और विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें आज तक न तो स्थायी कर्मचारी का दर्जा मिला है और न ही सम्मानजनक मानदेय। उन्होंने सरकार से ग्राम रक्षा दल के सदस्यों की सेवाओं का सम्मान करते हुए उनकी मांगों पर तत्काल सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया। जिला अध्यक्ष शिव शंकर प्रसाद ने कहा कि ग्राम रक्षा दल के सदस्य लगातार समाज और प्रशासन के साथ मिलकर काम करते रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार जल्द उनकी मांगों पर विचार नहीं करती है, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। यात्रा में शामिल सदस्यों ने बताया कि उनका आंदोलन पूरी तरह लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण है। इसका उद्देश्य सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाना और सालों से लंबित मांगों का समाधान कराना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र उचित कदम उठाएगी।

आनंद मोहन बोले- मैं नीतीश का चमचा नहीं, भाई हूं

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

◆ **भरत एनकाउंटर पर कहा- बुलडोजर-एनकाउंटर का समर्थक नहीं**

नालंदा। पूर्व सांसद और बाहुबली आनंद मोहन ने कहा है, 'नीतीश कुमार मेरे बड़े भाई हैं। हम दोनों का जन्म जेपी आंदोलन (1974 की क्रांति) से हुआ है। मैं उनका चमचा नहीं हूं। मैं उनका भाई हूं और भाई को भाई से ज्यादा मोहब्बत होती है। मैं किसी 'पुत्र या पत्नी मोह' में नहीं हूं, बल्कि लोकतंत्र को बचाने और वाजिब सवालों को उठाने के लिए निकला हूं।' आनंद मोहन ने ये बातें नालंदा के मोरा तलाब में सोमवार रात एक कार्यक्रम में कही।

कार्यकर्ताओं की जिंदगी झंडा ढोने और लाठी खाने में बीत जाती हैः पूर्व सांसद ने कहा कि जिन कार्यकर्ताओं की जिंदगी पार्टी का झंडा ढोने और लाठियां खाने में बीत जाती है, उन्हें कुछ नहीं मिलता। वहीं, पर्दे के पीछे खेल करने वालों ने सत्ता का दुरुपयोग कर बिहार, दिल्ली, मुंबई से लेकर सिंगापुर और दुबई तक हजारों करोड़ का आर्थिक साम्राज्य खड़ा कर लिया है। मगध के इतिहास का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यहां 'राजा बृहद्रथ और पुष्यमित्र शुंग' वाली कहानी फिर से दोहराई गई है।

आनंद मोहन ने कहा कि राजपूत गद्दार नहीं, बागी होता हैः खुद पर लग रहे 'पुत्र और पत्नी मोह' के आरोपों को सिरे से खारिज किया। आनंद मोहन ने कहा कि अगर उन्हें मोह होता तो वे आराम करते, क्योंकि घर में सांसद (पत्नी) और विधायक (बेटा) दोनों मौजूद हैं। हमारे लिए सिर्फ चापाकल गाड़ने-उखाड़ने (PHED), खेल-कला, आपूर्ति और सहकारिता जैसे विभाग ही क्यों रिजर्व हैं?' सवर्णों की राजनीतिक हिस्सेदारी पर आनंद मोहन ने कहा कि राजपूत गद्दार नहीं होता, लेकिन बागी जरूर होता है। हम समाज के हर वर्ग को सुरक्षा देते हैं और जुल्म को जातियों में नहीं बांटते।

भरत तिवारी एनकाउंटर पर कहा- फैसला कोर्ट करेगा, पुलिस नहीं': भरत तिवारी एनकाउंटर पर आनंद मोहन ने मीडिया और सिस्टम दोनों को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि मीडिया पहले किसी को पुलिस को विवश करने वाला अपराधी बताता है और एनकाउंटर के बाद उसे भगत सिंह बना देती है।

लोकतंत्र में किसी भी पुलिस अधिकारी को यह हक नहीं है कि किसी के आत्मसमर्पण करने के बाद उसका एनकाउंटर करे। अगर कोई न्यायिक हिरासत में आता है, तो उसकी सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पुलिस का काम अपराधी को पकड़कर कोर्ट में पेश करना है। सजा तय करने का काम कोर्ट का है। अगर पुलिस ही एनकाउंटर करने लगेगी, तो फिर कोर्ट की क्या जरूरत है?

बोले मंत्री दिलीप जायसवाल- घूस मांगने वाले अधिकारियों को कराएं गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालंदा। नालन्दा के राजगीर स्तिथ संस्कार सेवा सदन में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व्याख्यान कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल ने डॉ. मुखर्जी के जीवन संघर्षों को याद करते हुए राज्य में जमीन विवादों और भ्रष्ट अधिकारियों पर कड़ा प्रहार किया। वहीं, भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की।

'महज 30 की उम्र में कुलपति बने थे डॉ. मुखर्जी': मंत्री दिलीप जायसवाल ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को एक महान और विलक्षण शिक्षाविद बताया। उन्होंने कहा कि जब हम जनसंघ काल को याद करते हैं, तो डॉ. मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय का नाम सबसे ऊपर आता है। आज के समय में 30 साल की उम्र में लोग सिर्फ असिस्टेंट प्रोफेसर बन पाते हैं। उसके बाद एसोसिएट, फिर रीडर और तब जाकर प्रोफेसर या कुलपति (वाइस चांसलर) बनते हैं। लेकिन डॉ. मुखर्जी की प्रतिभा इतनी महान थी कि वे महज 30 साल की उम्र में ही कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बन गए थे। सरकार आज जो भी काम कर रही है, वह उनके सपनों को पूरा करने के लिए ही कर रही है।

'सर्वे पूरा होते ही थमेंगे 90% जमीन विवाद': राज्य के भूमि विवादों पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि बिहार में होने वाले

अधिकांश अपराधों की जड़ जमीन विवाद हैं। इन विवादों के कारण लोग थाना और कोर्ट के चक्कर काटने को मजबूर हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने जमीन सर्वे का काम जल्द खत्म करने का फैसला लिया है। सर्वे पूरा होते ही राज्य के करीब 90 प्रतिशत भूमि विवाद स्वतः खत्म हो जाएंगे।

'रिश्वत मांगने वालों को विजिलेंस से पकड़वाएं': सीओ और राजस्व कर्मचारियों की ओर से काम के बदले 1-1 लाख रुपये घूस मांगे जाने की शिकायतों पर मंत्री ने सख्त लहजे में चेतावनी दी। नवादा में एक कर्मचारी की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए उन्होंने आम जनता से अपील की कि यदि कोई अधिकारी पैसे मांगता है, तो तुरंत विजिलेंस को फोन करें। पकड़े जाने पर ऐसे अधिकारियों को केवल सस्पेंड नहीं, बल्कि सेवा से बर्खास्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब मंत्रालय ईमानदार होगा, तो नीचे भी ईमानदारी आएगी। जहां से गंगा निकलती है, अगर वहीं सफाई होगी, तो नीचे तक पानी साफ रहेगा। मंत्री ने नालंदा की धरती से पूरे देश में 'भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त समाज' का संदेश देने का आह्वान किया।

'अनुच्छेद 370 हटना डॉ. मुखर्जी के सपनों की जीत': कार्यक्रम में भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने कहा कि अगर डॉ. मुखर्जी ने कांग्रेस की गलत नीतियों का विरोध नहीं किया होता, तो आज पश्चिम बंगाल और पंजाब भारत का हिस्सा नहीं होते। उन्होंने कहा कि 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान' के खिलाफ डॉ. मुखर्जी की लड़ाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर पूरा किया है। आज कश्मीर के लाल चौक पर तिरंगा फहराया जा रहा है और पत्थरबाज गायब हो चुके हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर, कहा- तेजी से बन रहीं सड़केंः जितेंद्र सिंह ने केंद्र के विकास काम की चर्चा करते हुए कहा कि कांग्रेस के समय देश में मात्र 11 किलोमीटर प्रतिदिन सड़क बनती थी, जो आज बढ़कर 34 किलोमीटर प्रतिदिन हो गई है। इसी का परिणाम है कि पटना से राजगीर का सफर जो पहले 3 से 4 घंटे का होता था, अब मात्र डेढ़ घंटे में पूरा हो रहा है। देश में तेजी से नए एम्स और आईआईटी बनाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

चेन्नई से लौटे युवक की संदिग्ध मौतःबहन ने दोस्तों पर लगाया हत्या का आरोप, कहा- कैश-मोबाइल गायब है

नालन्दा। नालंदा के लहेरी थाना क्षेत्र के कमरुद्दीन गंज मोहल्ले में मंगलवार को एक 20 साल युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। मृतक की पहचान सोहसराय थाना क्षेत्र के बबुरबन्ना निवासी मनोज चौधरी के बेटे हर्ष कुमार के रूप में हुई है, जो वर्तमान में लहेरी थाना क्षेत्र के भरावपर मोहल्ले में किराए पर रह रहा था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए दोस्तों पर लूटपाट और हत्या का आरोप लगाया है। घटनास्थल पर नशीले पदार्थों की रैपर की भरमार मिली है। मृतक की बहन गुड़िया कुमारी ने बताया कि हर्ष चेन्नई में काम करता था और 2 दिन पहले ही वापस घर लौटा था। उसके पास चेन्नई से लाए गए करीब 50 हजार रुपये थे। परिजनों का आरोप है कि कल शाम करीब 4 बजे उसके दोस्त उसे घर से बुलाकर ले गए थे, जिसके बाद से ही वह लापता था। रात भर उसकी खोजबीन की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। मंगलवार को उसी के एक दोस्त ने फोन कर बताया कि हर्ष पुरानी खंडहरनुमा इमारत के पास पड़ा है। वहां पहुंचने पर देखा कि हर्ष मृत अवस्था में पड़ा था। परिजनों का दावा है कि उसके पास मौजूद 50 हजार रुपये की नगदी और मोबाइल गायब है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। मोहल्ले वालों का कहना है कि जिस स्थान पर शव मिला, वह एक खंडहरनुमा मकान है, वहां दिनभर नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि इस बारे में कई बार पुलिस को सूचना दी गई, लेकिन पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। विरोध करने पर ये असामाजिक तत्व मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए लहेरी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को आनन-फानन में बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष ने कहा कि पुलिस मामले की गहन जाँच कर रही है। मौत के कारणों का सही खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। परिजनों से आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अब युवक के उन दोस्तों की तलाश कर रही है, जो उसे बुलाकर ले गए थे।

रोशना पुलिस के द्वारा महानंदा चेक पोस्ट पर नियमित रूप से होता है सधन चेकिंग अभियान

कटिहार। जिले के रोशना थाना अंतर्गत महानंदा चेक पोस्ट पर तलाशी के क्रम में एक व्यक्ति के पास 17.10 ग्राम स्मैक पाया गया है। यह व्यक्ति पश्चिम बंगाल से कटिहार जिला की ओर प्रवेश कर रहा था। रोशना थाना अध्यक्ष मासूम कुमारी में बताया कि महानंदा चेक पोस्ट के पास चेकिंग चल रहा था। इसी क्रम में अमित कुमार भगत,पिता सुनील कुमार भगत का चेकिंग किया गया तो उनके पास 17. 10 ग्राम स्मेक मिलते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उनके पास से मिले 17. 10 ग्राम स्मेक को जप्त कर कानूनी कार्रवाई की गई है।इस मामले में प्राथमिक की दर्ज किया गया। प्राथमिकी अभियुक्त अमित कुमार भगत को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। रोशना थाना अध्यक्ष मासूम कुमारी ने बताया कि महानंदा चेक पोस्ट पर नियमित रूप से पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल के द्वारा नियमित रूप से सघन रूप से जांच किया जाता है। जांच के क्रम में किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री मिलते ही उस व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिक की दर्ज करते हुए कानूनी कार्रवाई शक्ति से किया जाता है। रोशना थाना अध्यक्ष मासूम कुमारी ने बताया कि इसके पूर्व 600 लीटर विदेशी शराब जांच के क्रम में जप्त किया गया था। बिहार-बंगाल बॉर्डर पर महानंदा चेक पोस्ट पर नियमित रूप से शक्ति से सभी वाहनों की जांच की जाती है। साथ ही रोशना थाना क्षेत्र की विधि व्यवस्था को चुस्त बनाने बनाए रखने के लिए नियमित रूप से पुलिस गस्त होती रहती है। रोशना थाना अध्यक्ष मासूम कुमारी के द्वारा थाना क्षेत्र में चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखती है। अपराधियों के विरुद्ध नकेल कसने के लिए शक्ति से पेश आती है। जिसके कारण इस क्षेत्र के अपराधियों में इनके कार्य कौशल का खौफ बना रहता है। रोशना थाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं निवासी निवासी थाना अध्यक्ष मासूम कुमारी की कार्यों की प्रशंसा करते हैं। यहां के लोगों का कहना है कि जब से मासूम कुमारी थाना अध्यक्ष बनकर रोशना आयी है, तब से आम लोग अमन चैन के साथ रहते हैं।

जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित

कटिहार। समाहरणालय के सभागार में डीएम आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। जिले को एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत कुल 62 लाख रुपये मुआवजा राशि प्राप्त हुई थी। जिसमें से 61 लाख 61 हजार 134 रुपये पीड़ितों को भुगतान किए जा चुके हैं। जबकि 38 हजार 866 रुपये शेष हैं। 2026 में अब तक कुल 68 मामले दर्ज हुए हैं। इनमें 27 मामलों में मुआवजा भुगतान किया जा चुका है तथा 25 मामलों में भुगतान की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों ने बताया कि एक मामले में वादी एवं अभियुक्त दोनों के अनुसूचित जाति से संबंधित होने के कारण विभागीय स्वीकृति की प्रक्रिया चल रही है, जबकि 15 मामले स्वीकृति हेतु प्रक्रियाधीन हैं। हत्या से जुड़े मामलों में 21 आश्रितों को अप्रैल 2026 तक पेंशन राशि का भुगतान किया गया है। बैठक में अधिनियम के तहत न्यायालय में आरोप पत्र समर्पण हेतु कुल 129 मामले लंबित हैं। आरोप गठन के बाद दो आश्रितों को नियुक्ति दी जा चुकी है तथा एक मामले में नियुक्ति प्रक्रिया जारी है। जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को लंबित मामलों में तेजी लाने, समय पर आरोप पत्र उपलब्ध कराने तथा गवाहों को यात्रा भत्ता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। डीएम आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में मैनुअल स्कैवेंजर्स रोजगार निषेध एवं पुनर्वास अधिनियम, 2013 के तहत जिला स्तरीय सतर्कता एवं सर्वेक्षण समिति की बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में नगर परिषद एवं नगर पंचायतों द्वारा सफाई कार्य आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से कराए जाने की जानकारी दी गई।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

चार पहिया वाहन की चपेट में आने से दो की दर्दनाक मौत,चालक वाहन समेत फरार

बिक्रमगंज /रोहतास : थाना क्षेत्र के घुसियां कला गांव जाने वाले मार्ग पर सोमवार की देर शाम चारपहिया वाहन की चपेट में आने से दो की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई । हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया । मृतकों की पहचान गुलजारबाग निवासी मंजूर खान की 56 वर्षीय पत्नी शबीना खातून तथा तस्लीम खान की ढाई वर्षीय पुत्री अरीबा खातून के रूप में हुई है । घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया,जबकि गांव में शोक की लहर दौड़ गई । घटना की सूचना मिलते ही बिक्रमगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेते हुए दोनों शवों को अपने कब्जे में लिया । आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेजा गया । थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम के उपरांत दोनों शवों को परिजनों को सौंप दिया गया है । उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया । पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है तथा फरार वाहन और चालक की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है ।

भीषण गर्मी में बिजली के लिए त्राहिमाम, घोर अंधेरे में डूबा बौलिया रोड नूरनगंज का एक घनी आबादी वाला इलाका

सासाराम। जिले में सासाराम के बौलिया रोड, नूरनगंज में भीषण गर्मी के साथ ही चरमराई बिजली आपूर्ति से लोग त्राहिमाम हैं। बीते कई दिनों खासकर शहरी इलाके में बिजली ट्रिप की समस्या खूब हो रही है। जिससे बिजली संकट लगातार गहराती जा रही है। बड़ी बात है कि बीते रविवार की रात से ही घनी आबादी वाला बौलिया रोड, नूरनगंज के लगभग 5 हजार उपभोक्ता गर्मी की मार झेल रहे हैं। क्या दिन क्या रात बिजली लोगों को रुला रही है। इन इलाकों में लगातार एक घंटे भी बिजली नहीं रह रही है। आलम यह है कि पिछले दो-तीन दिनों से बिजली के लिए हाहाकार मचा हुआ है। एक तो 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास तापमान और ऊपर से बिजली की अनियमित आपूर्ति की समस्या ने लोगों को परेशान कर रखा है। हैरानी की बात है कि कई अधिकारियों ने फोन बंद कर रखा हैं और कई तो फोन भी नहीं उठाते। जिससे उपभोक्ताओं में आक्रोश भी है। रविवार के रात से ही बिजली आने व जाने की समस्या बनी है। शहर के अन्य इलाके की ही बात करें तो दिनभर में कई बार बिजली आने व जाने की समस्या देखी जा रही है।

सड़क हादसे मे दो महिला घायल

कोचस (रोहतास)। स्टेट हाइवे 17 पर हुए सड़क हादसे में दो महिला गंभीर रूप से घायल हो गयी है। घायलों की पहचान बक्सर जिले के राजपुर थाना के कुशही गांव के 40 वर्षीय राधिका कुमारी एवं उसी गांव के 32 वर्षीय निशु कुमारी पति छठु सिंह बतायी जाती हैं। घायल दोनो महिलाओं को स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वस्थ केंद्र कोचस लाया गया। जहां मौके पर मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विकास कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद शरीर मे गंभीर चोट आने की बात कह बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया।

काराकाट में अवैध बालू कारोबार पर एसडीएम की बड़ी कार्रवाई, धर्मकांटा संचालक पर प्राथमिकी

काराकाट /रोहतास। रोहतास जिले के काराकाट थाना क्षेत्र के बसडीहा स्थित श्रीराम धर्मकांटा पर अवैध बालू कारोबार के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार की संध्या एसडीएम प्रभात कुमार के नेतृत्व में खनन विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर अवैध रूप से बालू की बिक्री का खुलासा किया। कार्रवाई के दौरान एक टोटो वाहन को जब्त कर सीज कर दिया गया। मंगलवार को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद धर्मकांटा संचालक एवं जब्त टोटो के विरुद्ध खनन विभाग की ओर से काराकाट थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। एसडीएम प्रभात कुमार ने बताया कि प्रशासन को लगातार गुप्त सूचना मिल रही थी कि श्रीराम धर्मकांटा परिसर में अवैध रूप से बालू का भंडारण कर उसे छोटे-छोटे हिस्सों में काटकर बैटरी चालित टोटो के माध्यम से बेचा जा रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद सोमवार शाम छापेमारी की गई, जिसमें आरोप सही पाए गए। मौके से अवैध बालू की बिक्री से जुड़े साक्ष्य मिलने पर टोटो वाहन को जब्त कर लिया गया। काराकाट थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने भी कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि एसडीएम के नेतृत्व में की गई छापेमारी के बाद खनन विभाग के इंस्पेक्टर द्वारा धर्मकांटा संचालक एवं जब्त टोटो के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। उन्होंने कहा कि अवैध खनन और बालू के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से अवैध बालू कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

मूर्ति चोरी मामले का जल्द होगा उद्वेदन, पुलिस ने दिया आश्वासन, मूर्ति चोरी के मामले का जल्द होगा उद्वेदन

अकोढ़ी गोला (रोहतास)। जिले के दरिहट थाना क्षेत्र से है जहाँ बीते 21 जून को थाना क्षेत्र अंतर्गत बेरकप गाँव के ठाकुरबाड़ी से अष्टधातु से बने भगवान कृष्ण,राम,सीता जी और ठाकुर जी की मूर्ति चोरी हो गई थी जिसमें बांक गाँव के समीप रास्ते पर माता सीता की मूर्ति मिली थी परंतु भगवान कृष्ण, राम और ठाकुर जी की मूर्ति अभी तक बरामद नहीं हुई है। मूर्ति बरामदगी को लेकर गांव के लोगों ने आज मंगलवार के दिन शाम 5 बजे ठाकुरवाड़ी परिसर में बैठक की जिसमें चोरी के मामले साथ, ठाकुरवाड़ी का सुरक्षा, विकास, पर चर्चा हुई। मौके पर पहुंचे दरिहट थाना अध्यक्ष रविरंजन प्रियदर्शी ने बताया कि चोरी के मामले का उद्वेदन को लेकर के साक्ष्य के आधार पर सभी पहलुओं पर कार्य हो रही है जल्दी मामले का उद्वेदन किया जाएगा।मौके पर नंदू यादव,रोशन कुमार, अंजुम,मुना कुमार,मनोज कुमार, सूर्यनाथ सिंह सहित सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे।

टीवी मरीजो को पीएचसी प्रभारी ने लिया गोद, फूड पैकेट का किया वितरण

कोचस (रोहतास)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोचस में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर तुषार कुमार के अध्यक्षता में कुल नौ टीबी मरीजों को निश्चय मित्र पोषण योजना के तहत निश्चय मित्र बनकर गोद लिया गया। इस दौरान शअजय कुमार बीसीएम, कुमारी सलोनी गुप्ता ,सुधा पटेल, डिंपल कुमारी ,ज्योति कुमारी, अनिता कुमारी ,मोनिका चंद्रा,आरोही कुमारी , सीएचओ नमिता सिंह, के द्वारा टीवी मरीजों को गोद लेकर फूड पैकेट का वितरण किया गया। मौके पर मोहम्मद मतुइर रहमान ताज, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक, ज्ञानेंद्र कुमार, सीनियर टीवी लैब सुपरवाइजर सोनू कुमार शर्मा,सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर प्रभु कुमार, लैब टेक्नीशियन, सहित सभी एएनएम जीएनएम सहित अन्य स्वास्थ कर्मी मौजूद रहे ।

हाईस्कूल प्रधानाध्यापकों के साथ विधायक ने किया समीक्षा बैठक

● शौणडिक हाई स्कूल राजपुर के छात्र कोष में मौजूद चालीस लाख रूपया से बैंक आठ वर्षों से कमा रहा है सूद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

राजपुर। प्रखंड के सभी आठ पंचायतों में संचालित हाईस्कूल एवं प्लस टू स्कूलों की अद्यतन स्थिति जानकारी के लिए मंगलवार को बीआरसी कार्यालय सभागार में क्षेत्र के विधायक नागेंद्र चन्द्रवंशी ने प्रधानाध्यापकों के साथ समीक्षा बैठक किया. बैठक के प्रारम्भिक चरण में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्राण रंजन प्रसाद सहित सभी प्रधानाध्यापकों द्वारा विधायक को अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ प्रदान करके सम्मानित किया गया.

इस दौरान सभी प्रधानाध्यापकों से उनके स्कूल खाते में मौजूद विकास राशि एवं स्कूल के ज्वलंत समस्याओं की जानकारी ली गई. शौणडिक हाई स्कूल प्लस टू के प्रधानाध्यापक रजनीश तिवारी ने बताया कि कुल 1600 छात्र नमांकित हैं.उनके विकास निधि खाते में पांच लाख राशि मौजूद है. छात्रों को प्रदान किये जाने वाले छात्रवृत्ति,पोषाक आदी मदों के चालीस लाख रूपया विगत आठ वर्ष से छात्र कोष के बैंक खाता में जमा पडा है.इतने दिनों से सरकार का इतना पैसा अनुपयोग की स्थिति में रखे जाने की बात सुन विधायक जी भडक गये.उन्होंने कहा कि आप इतने दिनों से पैसा क्यों रखे हुए हैं ? उक्त पैसा से ना सरकार, ना छात्र ना खुद आपको फायदा है ? स्कूल प्रशासन की लापरवाही से बैंक सूद कमा रहा है.बचाव करते हुए प्रधानाध्यापक ने कहा कि जिस हेड से पैसा प्राप्त है,उसी मद में लौटाना है.

राजनडिह हाईस्कूल प्लस टू के प्रधानाध्यापक ने बताया कि उनके हाईस्कूल एवं प्लस टू विकास निधि खाते में कुल एक लाख चौबीस हजार की राशि मौजूद है.पुराना बाउंड्रीवाल की हाईट काफी नीचे है.बेंच डेस्क की कमी के कारण जमीन पर दरी बिछाकर छात्रों की पढाई व परीक्षा ली जाती है.शुद्ध पेयजल की समस्या है.

बरांव पचायत के जगजीवन राम मॉडल हाईस्कूल प्लस टू स्कूल के प्रधानाध्यापक ने बताया कि कुल नमांकित 800 छात्रों के लिए भवन व शौचालय की समस्या भयावह है.जो भवन निर्माणाधीन है उसकी गति कछुआ चाल का बना रखा गया है.डेढ वर्ष पहले से तैयार भवन को संवेदक द्वारा अभी तक शिक्षा विभाग को हैंड ओवर नहीं किया गया है.खेल मैदान की बाउंड्रीवाल,रात्रि प्रहरी एवं स्टाफ रूम की आवशयकता है.हाईस्कूल एवं प्लस टू के विकास निधि खाते में कुल छः लाख बयासी हजार राशि मौजूद है.

सियांवक हाईस्कूल प्लस टू के प्रधानाध्यापक ने बताया कि उनके विकास निधि खाते में एक लाख चौउतिस हजार राशि मौजूद है.प्लस टू का अति आधुनिक भवन तैयार है.खिडकी के शिशे टूटे हुए हैं. संवेदक द्वारा विभाग को हैंड ओवर नहीं किया गया है. मंगलवलिया हाई स्कूल एवं प्लस टू के प्रधानाध्यापक ने बताया कि कुल 500 छात्र नमांकित हैं. निर्माणाधीन लैब भवन की बाउंड्रीवाल की जरूरत है.विकास निधि खाते में 193000 हजार राशि मौजूद है.

पडरिया पंचायत के घोडिही हाईस्कूल प्लस टू प्रधानाध्यापक ने बताया कि छात्रों के लिए साईकिल स्टैंड की जरूरत है.विकास निधि में कुल एक लाख छः हजार राशि मौजूद है. रोतवां प्रधानाध्यापक ने बताया कि स्कूल के पास मात्र चार कट्ट भूमि मौजूद है.अंचल कार्यालय अभी तक जमीन नहीं उपलब्ध करा पाया है.जिस कारण मात्र दो कमरे में हाईस्कूल एवं प्लस टू के लिए नमांकित 250 छात्र पढाई करने के लिए मजबूर हैं. मौके पर बीस सूत्री अध्यक्ष नवनीत राय उर्फ मंगरू राय, बडन सिंह, झुना सिंह, रजनी तिवारी,अमीत कुमार सिंह, जितेन्द्र तिवारी, आलोक कुमार, पिंटू तिवारी बडन दुबे, मलू तिवारी समेत अन्य मौजूद रहे.

आद्रा नक्षत्र में हुआ बारिश, बजार कीचड व पानी से झील में तब्दील

दुकान के सामने सड़क पर रहता है जल जमाव, दुकानदार कोढिया बनकर देखते हैं तमाशा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

राजपुर- आद्रा नक्षत्र में सोमवार को तेज गरज व हवा के साथ हुई बारिश से जहा एक तरफ लोगों को गर्मी व उमस से राहत मिल गया है,वहीं दूसरी तरफ स्थानिय बजार कीचड युक्त पानी से झील में तब्दील हो गया है.जिस कारण लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो गया है.

कीचड व पानी से लथपथ सड़क को देखकर क्षेत्र के समाजसेवी भाई जयराम सिंह अकेला,राजेश कुशवाहा, मदनमोहन तिवारी अंजनी ब्रम्हचारी, भगवान जगन्नाथ मठ के महंत सुदर्शनाचार्य जी समेत अन्य ने कहा कि आज के समय में आदमी कितना मतलबी हो गया है,इसका जिता जागता उदाहरण राजपुर बजार बना हुआ है.दुकानदारों के दुकान के सामने सड़क पर जल जमाव रहता है और दुकानदार अपने हीं दुकान में कोढिया बनकर बैठे रहते हैं. तमाशा देखते रहते हैं, लेकिन बगल के नाली में पानी निकासी हो जाये इसके लिए एक कुदाल मिट्टी तक नहीं हटाते हैं.

उन्होंने कहा कि बिहार में हमलोग सभ्य नागरिक का समाज बनने के बजाय ,कोढिया बनकर गंदगी में जिना पसंद करने लगे हैं.यह धारणा दुर्भाग्यपूर्ण है. उधर बारिश का पानी खेतों में देख किसानों के आखों में खुशी झलकने लगी है.राजपुर,मिश्रवलिया, प्रतापगंज, छनहा, कुशधर, पकड़ी, रामुडीह, कपसिया, कुशधर, नीमा कुसुमहरा सहित अन्य गांव के किसानों ने कहा कि आद्रा नक्षत्र में शुरू हुआ बारिश किसानों के लिए बहुत शुभदायक है.अगले आठ दिनों में धान का बिचडा तैयार हो जायेगा.अगर बारिश बढ़िया होगा तो ट्रैक्टर से कदई जोतायेगा.अगर धूप निकलेगा तो भी खेत का सुखा जुताई हो जायेगा.

मामूली विवाद मे हुई खूनी संघर्ष, चार घायल, रेफर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कोचस (रोहतास)। स्थानीय थाना क्षेत्र के बहटुटिया गांव में सोमवार की देर शाम मोबाइल से वीडियो बनाने को लेकर दो पाटीदारों मे जम कर लाठी डंडे चले, इस घटना मे दोनो पक्ष के चार लोग बुरी तरह गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों में एक पक्ष के दुल्ली चौधरी 43, पिता जागबली चौधरी तथा उनकी पुत्री नीतू कुमारी 17 शामिल हैं। वहीं दूसरे पक्ष से गोल्डी कुमारी 20, पिता राजा चौहान तथा सावित्री देवी 40, पति राजा चौहान घायल हो गए।

सभी घायल बहटुटिया गांव के बताए गए हैं। प्राप्त जानकारी अनुसार मोबाइल से वीडियो बनाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो बाद में मारपीट में तब्दील हो गई। घटना के बाद गांव में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई, हालांकि स्थानीय लोगों के हस्तक्षेप से मामला शांत कराया गया।दूसरे पक्ष के लोगों का कहना है कि वे किसी प्रकार का विवाद नहीं कर रहे थे। उनका आरोप है कि मोबाइल से वीडियो बनाने को लेकर हुई कहासुनी के बाद उनके साथ मारपीट की गई। वही डॉक्टर तुषार कुमार ने बताया कि दोनों पक्ष के लोगो के सर में चोट लगी है सभी का स्थिति चिंताजनक देखते हुए बेहतर उपचार के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया गया है।इस संबंध में थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने बताया कि मारपीट की सूचना प्राप्त हुई है,अभी तक इस मामले की कोई लिखित सूचना थाना को प्राप्त नहीं हुई है। जैसे ही थाने को आवेदन प्राप्त होगी पुलिस आवेदन ले मामले की जांच कर कानूनी कार्रवाई करेगी।

राष्ट्र निर्माण में पर्यावरण की भूमिका विषय पर आयोजित किया गया संगोष्ठी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिक्रमगंज /रोहतास। प्रज्ञा प्रवाह बिक्रमगंज जिला के तत्वावधान में जून माह के आज अंतिम दिन पूर्व विधायक राजेश्वर राज (काराकाट) के आवास पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित और पुष्प अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात आगत अतिथियों को अंगवस्त्र और पौधा देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का बीज बोध डॉ कन्हैया सिंह (विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान) अनजबित सिंह महाविद्यालय बिक्रमगंज द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्र निर्माण में पर्यावरण संरक्षण अति आवश्यक है। जब किसी राष्ट्र का पर्यावरण स्वस्थ और सशक्त होता है तो राष्ट्र अपने आप सभी क्षेत्रों में अग्रिण होता है। मुख्य अतिथि प्रो अलाउद्दीन अजीजी (विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान, एस पी जैन महाविद्यालय सासाराम सह प्रभारी प्राचार्य राजकीय डिग्री महाविद्यालय सूर्यपुरा) ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन करना आवश्यक हो गया है क्योंकि जिस गति से इसका दोहन किया जा रहा है निःसंदेह हमारे देश के लिए खतरा है।

अगर समय रहते हम सभी सजग नहीं हुए तो हमारा जीवन इस धरती पर संकटग्रस्त हो जाएगा और हमारी अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजेश्वर राज (अध्यक्ष क्रीड़ा भारती दक्षिण बिहार) ने कहा कि पर्यावरण हमारे सनातन परंपरा के महत्वपूर्ण घटक है क्योंकि हम सभी के संज्ञान में है कि इस चरा-चर में मौजूद पेड़-पौधे, जीव-जंतु, नदी, पहाड़, वायु, सूर्य सभी का पूजा करते है तथा उससे ऊर्जा लेकर अपने दैनिक जीवन को गतिमान बनाते है। इसलिए हमें अपने राष्ट्र को विकसित राष्ट्र के श्रेणी में लाने के लिए अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने होंगे जिससे कि हम सभी विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ सके। मुख्य वक्ता डॉ. रंजीत कुमार पाण्डेय ने अपने प्यार भरा मुखरा बिंदु से उपस्थित सदन को बहुत ही मार्मिक तरीके से राष्ट्र निर्माण में पर्यावरण की भूमिका के विषय में अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र आगे बढ़ता है तो देश के प्रत्येक संसाधन का भी उसमें अहम योगदान रहता है। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने भी अपनी बातें बहुत ही गहनता से रखी। कार्यक्रम का संचालन विभाग संयोजक डॉ अरुण कुमार ने किया तथा उन्होंने बताया कि रोहतास विभाग पिछले कई महीनों से पर्यावरण से संबंधित संगोष्ठी, पौधारोपण, ऑनलाइन संगोष्ठी, प्रतियोगिता, पोस्टर, वाद-विवाद जैसे अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। तथा आने वाले समय में रोहतास विभाग के चारों जिला रोहतास, कैमूर, अरुणनगर (औरंगाबाद) तथा बिक्रमगंज पर्यावरण पर बड़ा कार्यक्रम आयोजित करेगा।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ दिलीप कुमार (जिला संयोजक बिक्रमगंज) ने इस कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य वक्ता डॉ. रंजित कुमार पाण्डेय, मुख्य अतिथि प्रो. अलाउद्दीन अजीजी, पूर्व विधायक राजेश्वर राज, डॉ . कन्हैया सिंह, विभाग संयोजक डॉ. अरुण कुमार, रविकांत पाण्डेय, सौरभ गिरी, नित्यानंद मिश्रा सहित संगोष्ठी में उपस्थित सभी सम्मानित विद्वानों, श्रोताओं तथा व्यवस्थापकों को कार्यक्रम में प्रत्यक्ष और परोक्ष सहयोग के लिए धन्यवाद दी।

विशेषकर रितेश राज (अध्यक्ष युवा मोर्चा रोहतास) को धन्यवाद दी जिन्होंने इस कार्यक्रम की सारी छोटी बड़ी सुविधाएं प्रदान की। अंत में कल्याण मंत्र करके कार्यक्रम को सम्पन्न किया गया।

सिस्टम रहा मौन, किसानों ने खुद बदल दी तस्वीर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

◆ पटवाडीह के किसानों ने श्रमदान और आपसी सहयोग से नहर में लगाया लोहे का फाल
◆ बिना सरकारी मदद बहाल की सिंचाई व्यवस्था
◆ जनप्रतिनिधियों और विभागीय उदासीनता के बीच ग्रामीणों ने पेश की आत्मनिर्भरता और एकजुटता की मिसाल

करगहर (रोहतास)। पटवाडीह गांव के किसानों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि जब व्यवस्था साथ छोड़ देती है, तब समाज की एकजुटता ही सबसे बड़ी ताकत बनती है। वर्षों से सिंचाई व्यवस्था को प्रभावित कर रही समस्या के समाधान के लिए गांव के किसानों ने किसी सरकारी सहायता या जनप्रतिनिधि का इंतजार नहीं किया, बल्कि स्वयं आगे बढ़कर नहर में सिंचाई के लिए लोहे का फाल (गेट) स्थापित कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार, नहर में फाल नहीं होने के कारण खेतों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा था। इससे खेती-किसानी प्रभावित हो रही थी और किसानों को हर मौसम में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कई बार उम्मीदें बंधीं कि संबंधित विभाग या जनप्रतिनिधि इस दिशा में पहल करेंगे, लेकिन जब कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो किसानों ने स्वयं समाधान निकालने का निर्णय लिया।

गांव के किसानों ने आपसी सहयोग से धन एकत्र किया, श्रमदान किया और सामूहिक प्रयास से लोहे का फाल तैयार कर नहर में स्थापित कर दिया। इस कार्य में गांव के कई किसानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। देखते ही देखते सामूहिक मेहनत रंग लाई और वर्षों से चली आ रही समस्या का समाधान किसानों ने अपने ही हाथों कर दिखाया।

किसानों का कहना है कि यह केवल एक लोहे का फाल नहीं, बल्कि उनकी मेहनत, आत्मविश्वास, संघर्ष और एकजुटता का प्रतीक है। इस पहल ने यह संदेश दिया है कि यदि समाज एकजुट हो जाए तो बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान भी संभव है।

इस पहल के बाद किसानों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि अब नहर के माध्यम से खेतों तक पानी आसानी से पहुंचेगा, जिससे धान समेत अन्य फसलों की सिंचाई समय पर हो सकेगी और कृषि उत्पादन को भी लाभ मिलेगा। गांव के लोगों ने इसे आत्मनिर्भर भारत की भावना का वास्तविक उदाहरण बताया।

कांग्रेस नेता सह समाजसेवी अरूण कुमार पांडेय ने किसानों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि पटवाडीह के किसानों ने बिना किसी सरकारी सहायता और बिना किसी जनप्रतिनिधि के सहयोग के जिस तरह सामूहिक प्रयास से यह कार्य पूरा किया है, वह पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि किसानों की यह एकता बताती है कि गांव की सबसे बड़ी ताकत उसका आपसी सहयोग और सामूहिक संकल्प है। साथ ही उन्होंने सरकार और संबंधित विभाग से मांग की कि ग्रामीण क्षेत्रों की सिंचाई व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए स्थायी और प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि किसानों को भविष्य में ऐसी परिस्थितियों का सामना न करना पड़े।

गौ, गंगा और गीता की रक्षा करना प्रत्येक सनातन धर्मावलंबी का धर्म: त्रिलोकी नाथ बागी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

काराकाट /रोहतास। काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत संसारडिहरी गांव में रामजी पांडेय उर्फ बड़क बाबा के अध्यक्षता में किसान गोष्ठी का किया गया आयोजन । गोष्ठी को संबोधित करते हुए केंद्रीय गौ रक्षा समिति सदस्य एवं पालक पटना क्षेत्र त्रिलोकी नाथ बागी ने कहा कि सनातन धर्मावलंबी का धर्म है। गौ रक्षा का उद्देश्य कर्ज मुक्त किसान का निर्माण करना है। गौ रक्षा से कम लागत में अधिक उत्पादन होगा। शुद्ध और कीटाणु मुक्त अनाज प्राप्त होगा। अपने छोटी गायों के गोबर कई गुणों से गाय के गोबर में ऑक्सीजन और तरह तरह के औषधि भी है। इनके दूध में स्वर्ण भस्म है। उन्होंने गौ रक्षा पर विशेष रूप में कार्य करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। बैठक में किसान, मजदूर ,गौसेवक ,ग्रामीण सहित अन्य लोगों ने भाग लिया।

विश्व हिंदू परिषद गौ रक्षा आयाम की गोष्ठी संसार डिहरी बड़क बाबा के द्वार पर सम्पन्य हुई। बैठक में केंद्रीय गौ रक्षा समिति सदस्य एवं पालक पटना क्षेत्र त्रिलोकी नाथ बागी मुख्य रूप से मौजूद थे। श्री बागी ने भारतीय गौ वंश रक्षण संवर्धन परिषद और उसके कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि विश्व हिंदू परिषद का काम अपने धर्म और संस्कृतियों के मान बिंदु हैं। गौ, गंगा और गीता की रक्षा करना प्रत्येक सनातनी धर्मावलंबी का धर्म है।

संगोष्ठी को संबोधन करते हुए किसानों को गौ माता से होने वाली फायदो के वारे मे विस्तार पूर्वक बताया। श्री बागी ने किसानों को गौ माता के गोबर से बनने वाली खाद, लकड़ी, दिया, अगरवती, मोबाइल चिप्स, साबुन के साथ साथ अनेक प्रकार के बस्तुये पर विस्तार पूर्वक बताकर किसानो से उपयोग करने का आग्रह किया, वहीं अपने संबोधन में

श्री बागी ने विश्व हिंदू परिषद की स्थापना काल से लेकर आज तक के उपलब्धियो के वारे मे विस्तार से बताया ! श्री बागी ने लोगो से आग्रह किया कि संगठन द्वारा दिये गए सभी कार्यो को सही समय पर करें, और संगठन का बिस्तार करें,

समिति के सभी सदस्य के साथ साथ सैंकड़ो किसान उपस्थित थे। गोष्ठी में ददन पाण्डेय ,पुष्पेंद्र पाण्डेय ,निखिल मिश्रा ,भोला तिवारी बबलू पाण्डेय,योगेश्वर पाण्डेय ,शंभू पाण्डेय, ओमप्रकाश पाण्डेय,सहित सैकड़ो लोगों इत्यादि की सहभागिता रही।

संक्षिप्त समाचार

एसएसबी ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर शुरू किया प्रशिक्षण

अररिया। एसएसबी 56 वीं बटालियन की ओर से मंगलवार से विभिन्न गांव में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर तीस दिवसीय ब्यूटीशियन, सिलाई कढ़ाई और मशरूम की खेती के ट्रेनिंग की शुरुआत की। एसएसबी 56 वीं बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी नितिन कुमार गुप्ता द्वितीय-कमान-अधिकारी के मार्गदर्शन में जीवंत गांव भवानीपूर, गौरपुछरी, डुमरकना एवं बेला में ब्यूटीशियन, सिलाई एवं मशरूम की खेती पर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। जानकारी एसएसबी की ओर से दी गई। जरूरतमंद सीमावर्ती बेरोजगार महिलाओं को 30 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ समारोह में कमांडिंग अधिकारी नितिन कुमार गुप्ता द्वारा सभी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी अपना अभ्यास जारी रखेंगे एवं प्रशिक्षण संबंधित जानकारी ली। कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी नितिन कुमार गुप्ता, उप कमांडेंट मदन मोहन भट्ट, सहायक कमांडेंट एवं एफ समवाय प्रभारी राणा कुमार, सहायक कमांडेंट एवं जी समवाय प्रभारी सौरभ सिंह, सहायक कमांडेंट एवं ई समवाय प्रभारी आशीष गुप्ता सहित बड़ी संख्या में एसएसबी के अधिकारी, कार्मिक और ग्रामीण मौजूद थे। सशस्त्र सीमा बल द्वारा इस कार्यक्रम की स्थानीय ग्रामीणों द्वारा काफी सराहना की गई।

जिले में बदला मौसम, सुल्तानगंज में झमाझम बारिश

भागलपुर। भागलपुर जिले में मंगलवार सुबह से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। आसमान घने बादलों से ढका रहा और धूप नहीं निकली। जिले के सुल्तानगंज में सुबह जोरदार बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान जिले के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। इस वर्ष भागलपुर में मानसून सामान्य समय से लगभग 10 दिन की देरी से पहुंचा है। मानसून के प्रवेश के बाद बीते शनिवार को करीब 40 मिनट तक झमाझम बारिश हुई थी, जिससे गर्मी से राहत मिली थी। हालांकि, उसके बाद बारिश रुक गई और उमस भरी गर्मी ने फिर से लोगों को परेशान किया।

मानसून की देरी और कमजोर सक्रियता का असरः मंगलवार सुबह एक बार फिर मौसम सुहावना हुआ है। पिछले वर्ष जून महीने में भागलपुर में लगभग 185 से 220 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई थी, जिसे सामान्य मानसूनी गतिविधि के अनुरूप माना गया था। इस बार जून में बारिश का आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में काफी कम रहने की संभावना है, क्योंकि मानसून की देरी और कमजोर सक्रियता का असर पूरे जिले में दिख रहा है। मौसम के इस बदले हुए रुख से लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही पूरे जिले में अच्छी बारिश होगी। इससे न केवल गर्मी से राहत मिलेगी, बल्कि धान की खेती और अन्य खरीफ फसलों को भी लाभ होगा।

पुलिस अधिकारी बन साइबर ठगी की कोशिश

बांका। बांका जिले के रजौन थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने पुलिस अधिकारी बनकर दो युवकों से ठगी का प्रयास किया। मंगलवार को सामने आए इन मामलों में युवकों की सतर्कता के कारण ठगी की कोशिश नाकाम रही और उनकी रकम बच गई। कठचातर गांव निवासी प्रीतम ने बताया कि उन्होंने 'स्किल इंडिया' के नाम से संचालित एक डिजिटल पोर्टल पर पंजीकरण कराया था। इसके बाद उन्हें आधार कार्ड और फोटो लेकर व्हाट्सएप पर एक कार्ड भेजा गया, साथ ही शाम में डिलीवरी की सूचना दी गई।

टैक्स के नाम पर 4,550 रुपये जमा करने को कहाः कुछ देर बाद खुद को डिलीवरी बॉय बताने वाले एक व्यक्ति ने फोन कर अमरपुर पहुंचने की बात कही और जीएसटी व रोड टैक्स के नाम पर 4,550 रुपये जमा करने को कहा। प्रीतम को संदेह हुआ और उन्होंने जांच की, जिसमें वेबसाइट और पूरा मामला फर्जी निकला। जब उन्होंने पैसे देने से इनकार किया, तो ठग ने खुद को पुलिस अधिकारी बताकर केस में फंसाने की धमकी दी। हालांकि, प्रीतम ने कोई राशि नहीं दी। इसी तरह, रजौन बाजार निवासी मनीष स्वर्णकार ने बताया कि उन्होंने फेसबुक पर पुराने नोटों के बदले अधिक राशि और उपहार देने का एक विज्ञापन देखा था। संबंधित वेबसाइट खोलने के तुरंत बाद उन्हें फोन आया और लगभग पांच हजार रुपये मांगे गए।

फर्जी लिंक से सावधान रहने की सलाहः मनीष के इनकार करने पर कॉल करने वाले ने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए गिरफ्तारी की धमकी दी। जांच में मामला फर्जी पाए जाने पर मनीष ने नंबर ब्लॉक कर दिया और कोई राशि नहीं भेजी। दोनों युवकों ने बताया कि समय रहते सतर्कता बरतने से वे साइबर ठगी का शिकार होने से बच गए। थाना अध्यक्ष राजेश ने सभी को ऐसे फर्जी कॉल और फर्जी लिंक से सावधान रहने की सलाह दी है।

10 करोड़ रुपये से बन रहा मोक्षधाम अबतक अधूरा, उठ रहे कई सवाल

भागलपुर। बरारी में निर्माणाधीन शवदाह गृह एवं मोक्षधाम का कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। करीब 10 करोड़ की लागत वाली इस परियोजना के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग जनवरी 2026 में ही पूरी स्वीकृत राशि जारी कर चुका है। इसके बावजूद निर्माण कार्य अधूरा है और परियोजना अब तक नगर निगम को हैंडओवर नहीं की गई है। जानकारी के अनुसार, विभाग ने पहले 3.29 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए थे। इसके बाद जनवरी 2026 में शेष 6.75 करोड़ भी एकमुश्त जारी कर दिए गए। इसके साथ ही विभाग की ओर से इस योजना के लिए वित्तीय देनदारी समाप्त हो गई। बावजूद इसके निर्माण एजेंसी अब तक परियोजना पूरी नहीं कर सकी है। निर्माण कार्य में हो रही देरी का असर अंतिम संस्कार व्यवस्था पर भी पड़ रहा है। यदि बरारी शवदाह गृह एवं मोक्षधाम का निर्माण पूरा कर नगर निगम को सौंप दिया गया होता तो विद्युत शवदाह गृह बंद रहने की स्थिति में लोगों को वैकल्पिक सुविधा मिल सकती थी। इससे अंतिम संस्कार के दौरान होने वाली परेशानियां भी काफी हद तक कम हो जातीं। विभाग की ओर से पूरी राशि जारी किए जाने के करीब छह माह बाद भी परियोजना का निर्माण पूरा नहीं होना और उसका संचालन शुरू नहीं हो पाना सवाल खड़े कर रहा है। परियोजना को जल्द पूरा कर नगर निगम को हैंडओवर कराने की दिशा में न तो निर्माण एजेंसी बुडको और न ही नगर निगम प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नजर आ रही है। बुडको के कार्यपालक अभियंता राजेश कुमार ने बताया कि काम जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

टीबी को हराने वाले 10 मरीज होंगे सम्मानित

भागलपुर। डॉक्टर्स डे की पूर्व संध्या पर टीबी से स्वस्थ हो चुके मरीजों को सम्मानित किया जाएगा। जेएलएनएमसीएच के टीबी विभाग के पूर्व मेडिकल ऑफिसर डॉ. बिनय कुमार झा ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी उन टीबी मरीजों को सम्मानित किया जाएगा, जिन्हें उन्होंने गोद लिया था। इनमें ऐसे 10 मरीजों का चयन किया गया है, जिन्होंने नियमित रूप से सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई टीबी की दवाओं का सेवन कर बीमारी पर सफलतापूर्वक विजय प्राप्त की। सम्मान समारोह तिलकामांझी के हनुमान नगर स्थित श्यामा सेंटर में आयोजित किया जाएगा।

ट्रिपल आईटी भागलपुर के छात्रों ने जीते तीन पदक

भागलपुर। ट्रिपल आईटी भागलपुर के एनसीसी कैडेटों ने बरौनी में लगे अखिल भारतीय थल सैनिक चयन कैंप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक अपने नाम किए। बिहार-झारखंड निदेशालय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए सीनियर डिवीजन के कैडेट कुमार आदर्श ने हेल्थ एंड हाइजीन की लिखित तथा वक्तृत्व प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक और कंबाइंड सर्विस सब्जेक्ट टेस्ट में रजत पदक जीता।कैडेट शीतल कुमारी ने मैप रीडिंग परीक्षा में रजत पदक हासिल किया। ट्रिपल आईटी के रजिस्ट्रार डॉ. धीरज सिन्हा ने बताया कि संस्थान ने नवंबर 2025 में अपना पहला एनसीसी विंग शुरू किया था। भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज की 3 बिहार सिग्नल कंपनी से जुड़ने के बाद 17 कैडेटों के पहले बैच ने प्रशिक्षण शुरू किया।

बीमारी से तंग ई-रिक्शा ड्राइवर ने ब्लेड से गला काटा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में मंगलवार को बीमारी से परेशान ई-रिक्शा चालक ने ब्लेड से अपना गला काटकर आत्महत्या करने की कोशिश की। मामला, लोदीपुर थाना क्षेत्र के बिशनपुर जीरो माइल चौक की है। गंभीर रूप से घायल युवक की पहचान मिथिलेश कुमार के तौर पर हुई है। परिजनों ने आनन-फानन में उसे इलाज के लिए पहले एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां से बेहतर इलाज के लिए भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया।

फेफड़ों और सीने से जुड़ी गंभीर बीमारी का है शिकारः मिथिलेश कुमार पहले 14 चक्का ट्रक चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिजनों के मुताबिक वह कुछ समय तक ई-रिक्शा भी चलाते थे। इसी दौरान वह ब्राउन शुगर समेत अन्य नशीले पदार्थों का आदी हो गए थे। लगातार नशे और खराब स्वास्थ्य के कारण उन्हें फेफड़ों और सीने से जुड़ी गंभीर बीमारी हो गई थी। पिछले

करीब दो महीने से उनका इलाज मायागंज अस्पताल में चल रहा था। बीमारी की वजह से उन्हें सांस लेने में काफी तकलीफ होती थी, जिससे वे लगातार मानसिक तनाव में रहते थे। मंगलवार को इसी तनाव के बीच उन्होंने ब्लेड से अपना गला काट लिया। हालांकि समय रहते परिजनों की नजर पड़ने के कारण उन्हें अस्पताल पहुंचा दिया गया, जिससे उनकी जान बच गई। फिलहाल डॉक्टर उनकी निगरानी में इलाज कर रहे हैं। लेकिन स्थिति गंभीर बनी हुई है।

पत्नी बोलीं- टीबी-सांस की तकलीफ से थे परेशानः घायल की पत्नी मोनिका कुमारी ने बताया कि उनके पति पिछले करीब छह महीने से टीबी और फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित थे, दो महीने से उनका इलाज मायागंज अस्पताल में चल रहा था। बीमारी के कारण उन्हें सांस लेने में काफी दिक्कत होती थी, जिससे वे मानसिक रूप से भी परेशान रहते थे। पत्नी ने आगे कहा कि घटना के समय घर में वह छोटे बच्चे को संभाल रही थीं, जबकि उनकी सास खाना बना रही थीं। इसी दौरान मिथिलेश ने ब्लेड से अपना गला काट लिया। शोर सुनकर परिजन पहुंचे और उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन वहां से मायागंज अस्पताल भेज दिया गया। मोनिका कुमारी ने बताया कि उनके पति पहले बीयर पीते थे, हालांकि पिछले करीब दो महीने से इलाज के दौरान उन्होंने शराब पीना छोड़ दिया था। उन्होंने यह भी कहा कि बीमारी और सांस लेने में लगातार हो रही परेशानी के कारण उनके पति काफी तनाव में रहते थे। मिथिलेश पेशे से 14 चक्का ट्रक चालक थे।

गाड़ी की टक्कर से बुजुर्ग महिला की मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में मंगलवार को गाड़ी ने एक बुजुर्ग महिला को रौंद दिया। वो रोजाना की तरह मॉर्निंग वॉक पर हवाई अड्डा जाने के लिए निकली थीं। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची डायल 112 की टीम ने उन्हें इलाज के लिए भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके सिर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें लगी थीं। मामला औद्योगिक प्रक्षेत्र थाना क्षेत्र के जीरो माइल स्थित हवाई अड्डा के पास का है। मृतका की पहचान गोपालपुर निवासी कथा देवी (47) के तौर पर हुई है। मृतका के बेटे गोलू ने बताया कि रोजाना की तरह मां आज भी मॉर्निंग वॉक पर निकली थीं। तभी तेज रफ्तार से लोदीपुर की तरफ से आ रहे गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी, जिसके बाद मां सड़क पर गिर गईं।

दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांगः लोगों की

सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची, फिर किसी तरह उन्हें इलाज के लिए मायागंज अस्पताल लेकर आई। हम लोगों को जानकारी मिली, तो हम लोग भी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि टक्कर किस गाड़ी ने मारी, इसकी हमें जानकारी नहीं है। वहीं अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। डॉक्टर ने मौत की पुष्टि की। गोलू ने बरारी पुलिस को लिखित आवेदन दिया है। इसमें गाड़ी की पहचान कर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है। बरारी थानेदार विकास कुमार ने बताया कि आवेदन के आधार FIR दर्ज कर ली गई है। मामला यातायात थाना को फॉरवर्ड कर दिया जाएगा।

4 मौतें, घायल बोला-गलत रास्ते पर ले गया गूगल मैप

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय। ड्राइवर ने मोबाइल पर गूगल मैप में गांव की लोकेशन लगा रखी थी। मैप अंग्रेजी ढाला से दाहिने मुड़ने का रास्ता बता रहा था, जबकि हमलोग सिंघौल से पहले ही मुड़ना चाहते थे। अगर ड्राइवर गूगल मैप के बताए रास्ते पर नहीं चलता तो हादसा टल सकता था। ये कहना है बारात वाली स्कॉर्पियो में सवार घायल ज्योतिष कुमार का। बेगूसराय में 2 स्कॉर्पियो की टक्कर में 3 दोस्तों समेत 4 की मौत हो गई। 8 लोग घायल हो गए। घायलों का कहना है कि गूगल मैप ने गलत मोड़ बताया। इस वजह से दोनों गाड़ियां की टक्कर हुई। दरअसल, रविवार रात NH-31 फोरलेन पर सिंघौल थाना क्षेत्र के अंग्रेजी ढाला के पास दो स्कॉर्पियो की टक्कर हो गई। मृतकों में पोखरिया मोहल्ले के तीन दोस्त शामिल हैं, जो जन्मदिन मनाने के बाद सिमरिया गंगा स्नान के लिए निकले थे। चौथा मृतक दूसरी स्कॉर्पियो का ड्राइवर था, जो बारात लेकर जा रहा था।

जन्मदिन की पार्टी से गंगा स्नान के लिए निकल पड़ेः रविवार को करण कुमार का जन्मदिन था। मोहल्ले में दोस्तों के साथ मिलकर केक काटा, डीजे पर डांस और पार्टी की। रात करीब साढ़े 12 बजे पूर्णिमा से पहले सिमरिया गंगा घाट पर भी केक काटने की बात कही। छह दोस्त एक स्कॉर्पियो से सिमरिया के लिए निकल पड़े। गाड़ी 100 की स्पीड में थी। घर से निकलने के कुछ ही मिनट बाद अंग्रेजी ढाला के पास उनकी स्कॉर्पियो कट लेती दूसरी स्कॉर्पियो से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीन दोस्त ऋषभ, सन्नी और हिमांशु की मौके पर ही जान चली गई।

राहुल की जिद ने बचाई जानः पोखरिया निवासी राहुल भी जन्मदिन पार्टी में शामिल था। उसने बताया कि वह भी सिमरिया जाने को तैयार था। लेकिन उसने शर्त रखी कि सन्नी नहीं स्कार्पियो मैं चलाउंगा। दोस्तों ने कहा कि नहीं सन्नी एक्सपर्ट है, वही चलायेगा। जिसके बाद वो वापस अपने घर आ गया। उनलोगों के वहां से निकलने के 15 मिनट बाद ही हादसे की सूचना मिली। तो वह सीधे घटनास्थल पहुंचा।

**धक्का देकर गाड़ी स्टार्ट करनी

पड़ी थीः** पोखरिया मोहल्ले में एक मंदिर है, जहां रात में कुछ लोग बैठे हुए थे। वहां बैठे लोगों ने बताया कि स्कॉर्पियो महज 50 मीटर आगे बढ़ी होगी कि तभी मंदिर के सामने अचानक बंद हो गई। सन्नी ने काफी प्रयास किया, लेकिन गाड़ी स्टार्ट नहीं हुई। पांच युवकों ने उतरकर धक्का दिया। करीब 10 मिनट तक वह लोग गाड़ी को धक्का देते रहे, लेकिन गाड़ी स्टार्ट नहीं हुई, उसके बाद काफी कोशिश कर गाड़ी को स्टार्ट किया गया था। वहां से निकले अभी एक घंटा भी नहीं हुआ था कि अचानक मोहल्ले में कोहराम मच गया कि स्कॉर्पियो का भीषण एक्सीडेंट हो गया।

करण का बर्थडे था, सिर में 28 टांके लगे

बर्थ डे करण कुमार का था। करण के सिर में 28 टांके लगे हैं और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पोखरिया मोहल्ले के तीन युवकों की एक साथ मौत की खबर मिलते ही पूरे इलाके में शोक फैल गया। ऋषभ तीन भाइयों में सबसे छोटा था। सन्नी चार भाइयों में दूसरे नंबर पर था। हिमांशु दो भाइयों में बड़ा था और एसबीएसएस कॉलेज में बीए पार्ट-वन का छात्र था। मोहल्ले में 200 मीटर की दूरी पर तीनों मृतक का घर था। एक ही मोहल्ले से सोमवार को जब तीनों युवक की अर्थी उठी तो न सिर्फ पोखरिया के लोग, बल्कि पूरा बेगूसराय रो उठा। घटना के बाद न तो परिजन और न ही मोहल्ले के लोग कुछ बोलने की स्थिति में हैं। प्रत्यक्षदर्शियों से जो बात सामने आई है, वह न केवल चौंकाने वाली है बल्कि दोनों स्कॉर्पियो के लिए संयोग की बात है।

प्राथमिक विद्यालय में मनाई गई हूल दिवस

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। फारबिसगंज के तिरसकुण्ड स्थित प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला मधुरा में हूल क्रांति दिवस मनाई गई।वहीं बाबा नागार्जुन की जयंती पर स्कूल के शिक्षक समेत बच्चों ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षक कुमार राजीव रंजन ने कहा कि हर वर्ष 30 जून हुल क्रांति दिवस मनाया जाता है। यह दिवस 1855 में संथाल आदिवासियों द्वारा ब्रिटिश हुकूमत, ज़मींदारों और महाजनों के शोषण के खिलाफ किए गए ऐतिहासिक विद्रोह की याद में मनाया जाता है । 30 जून 1855 को झारखंड के साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव में लगभग 50 हजार संथाल एकत्र हुए थे।क्रांति के नायक इस सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व सिद्धू मुर्मू, कान्हू मुर्मू भाई चांद और भैरव और बहनें फूलों और झानों ने किया था । उन्होंने बताया कि हूल का अर्थ क्रांति या विद्रोह होता है।इस संघर्ष में लगभग 20 हजार से अधिक आदिवासियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। आदिवासी समाज ने लगान देने से साफ मना कर दिया था। यह दिन आदिवासी समाज के अदम्य साहस, संघर्ष और बलिदान को नमन करने और उनके सांस्कृतिक गौरव को याद करने के लिए समर्पित है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कवि सह शिक्षक संजीत कुमार निगम ने कहा कि आज ही के दिन कवि नागार्जुन जी का जन्म 30 जून 1911 को बिहार के मधुबनी जिला में हुआ था। वह प्रतिवादी विचारधारा के लेखक और कवि थे।नागार्जुन ने 1945 के आसपास साहित्य सेवा के क्षेत्र में कदम रखा। धन्यवाद के प्रणेता के रूप में नागार्जुन का नाम विशेष उल्लेखनीय है। नागार्जुन का असली नाम बैजनाथ मिश्र था। हिंदी साहित्य में उन्होंने नागार्जुन तथा मैथिली में यात्री उपनाम से रचनाओं का सृजन किया।

हावड़ा-नटेसर-हावड़ा श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन

श्रावणी मेला के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए, **03001/03002 हावड़ा-नटेसर-हावड़ा श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन** नीचे दी गयी संक्षिप्त समय-सारिणी, ठहराव, यात्रा की तारीखों और गठन के अनुसार चलाई जाएगी :

हावड़ा-नटेसर स्पेशल			(03001) (03002)	नटेसर-हावड़ा स्पेशल		
दिन	आ.	प्र.	स्टेशन	आ.	प्र.	दिन
रवि, मंगल, शुक्र	–	23.50	↓ हावड़ा	04.30	–	रवि, बृहस्पति, मंगल
सोम, बुध, शनि	01.50	01.52	बर्द्धमान	02.12	02.14	
	03.33	03.38	आसनसोल	00.05	00.10	
	05.10	05.20	जसीडीह	20.25	20.35	शनि, बुध, सोम
	08.10	08.15	किऊल	17.10	17.15	
	12.00	–	नटेसर ↑	–	13.00	

उपर्युक्त स्पेशल ट्रेनें दोनों दिशाओं में मार्ग के बैंडेल, दुर्गापुर, चित्तरंजन, मधुपुर, झाझा, जमुई, शेखपुरा, अस्थवां, बिहार शरीफ, नालंदा और राजगीर स्टेशनों पर भी रुकेंगी। **यात्रा की तारीखें : हावड़ा से: 03001** दिनांक 05/07, 07/07, 10/07, 12/07, 14/07, 17/07, 19/07, 21/07, 24/07, 26/07, 28/07, 31/07, 02/08, 04/08, 07/08, 09/08, 11/08, 14/08, 16/08, 18/08, 21/08, 23/08, 25/08, 28/08, 30/08, 01/09, 04/09, 06/09, 08/09, 11/09, 13/09, 15/09, 18/09, 20/09, 22/09, 25/09, 27/09 और 29/09/2026 (रविवार, मंगलवार और शुक्रवार) को = 38 ट्रिप और **नटेसर से: 03002** दिनांक 06/07, 08/07, 11/07, 13/07, 15/07, 18/07, 20/07, 22/07, 25/07, 27/07, 29/07, 01/08, 03/08, 05/08, 08/08, 10/08, 12/08, 15/08, 17/08, 19/08, 22/08, 24/08, 26/08, 29/08, 31/08, 02/09, 05/09, 07/09, 09/09, 12/09, 14/09, 16/09, 19/09, 21/09, 23/09, 26/09, 28/09 और 30/09/2026 (सोमवार, बुधवार और शनिवार) को = 38 ट्रिप। **गठन:** वातानुकूलित 3-टियर-01, शयनयान श्रेणी-07, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस)-08 और एसएलआरडी-2 = 18 कोच। **श्रेणी:** मेल/एक्सप्रेस।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना सं.: एस.जी.–डी.एस.ई.–टी.–ओ.टी.–05–26 वरीय मंडल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता, पूर्व मध्य रेल, राष्ट्रपति के तरफ से ई–निविदा, अनुभवी ठेकेदारों से निर्मित फार्म में नीचे दिए गए कार्यों के लिए आमन्त्रित करती है। **1. कार्य का नाम एवं स्थान :** प्रोविजन ऑफ सीसीटीवी कैमरा फॉर मॉनीटरिंग ऑफ यार्ड्स एट 07 स्टेशंस (आई.ई. गया, पहलेजा, सासाराम, भभुआ, सोन नगर, कुदरा, एण्ड जपला) ओवर डीडीयू डिविजन। **2. कार्य का अनुमानित मूल्य :** रू. 23615733.00/– (दो करोड़ छत्तीस लाख पन्द्रह हजार सात सौ तैंतीस रूपये मात्र)। **3. धरोहर राशि :** रू. 472300/– (चार लाख बहत्तर हजार तीन सौ रूपये मात्र)। **4. ई–निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** दिनांक 22.07.2026 को 12.30 बजे तक। **5. वेबसाईट का पता जहाँ से ई–निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है :** www.ireps.gov.in

मं.सं. एवं दू.सं.अभि.,
पूर्व मध्य रेल, पं॰दी॰द॰उपा॰

पीआर/0474/डीडीयू/एस एण्ड टी/टी/26–27/28

पूर्व रेलवे

ई–निविदा सूचना सं.: डब्ल्यू_एलएलएच_04_2026–27, दिनांक 24.06.2026, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/बिजली, सी एंड डब्ल्यू वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा–711204 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए तकनीकी संपन्न निविदाकारों से ई–निविदा (खुली निविदा) ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम :** सी एंड डब्ल्यू वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, लिलुआ में ईआर. (पीएच–21) के लिए 2025–26 के आरबी पीबी आइटम नं.380 (पीबी आइटम नं. 767/2024–25)=658 कोचों के तहत 3–टीयर एलएचबी के 4000 कोचों में इलेक्ट्रिकल सिस्टम में कोच अल्टरेशन। **कार्य का अनुमानित मूल्य:** रु. 8,23,45,238.92, **बयाना राशि:** रु. 16,46,900/–, **निविदा के बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 16.07.2026 को 14.00 बजे। वेबसाइट जहाँ निविदा का संपूर्ण विवरण उपलब्ध है: **www.ireps.gov.in**

MISC-87/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: 222–एस/1/डब्ल्यू–II, दिनांक 26.06.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता–700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निम्नलिखित ई–निविदाएं (दो पैकेट प्रणाली) ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा सं.: टीएन–113–26–27, कार्य का नाम:** मंडल अभियंता (मुख्यालय)/सियालदह के अधिकार क्षेत्र में ठेकेदारों के मोबाइल फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट के साथ साइट पर 60 केजी/52 केजी (90 यूटीएस/72यूटीएस, आर–260) (नया/एसएच/एसआर/एसडब्ल्यूआर/एलडब्ल्यूआर) रेल की फ्लैश बट वेल्डिंग। **निविदा मूल्य:** रु. 2,73,58,503.71, **बयाना राशि:** रु. 5,47,200/–, **कार्य की समापन अवधि:** 12 (बारह) माह। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 24.07.2026 को 15.00 बजे। **निविदा के खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 24.07.2026 को 15.30 बजे। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www.ireps. gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई–निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। भारतीय रेलवे मानक अनुबंध 2022 की सामान्य शर्तों के अनुसार ई–निविदा प्रपत्र की लागत शून्य है।

SDAH-101/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई–निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा। क्रम सं.1, ई–निविदा सं.: 152_2026–27, कार्य का विवरण :** वरिष्ठ डीईएन/3/हावड़ा के अधीन बैण्डेल–कटवा बीबी लूप (किमी–2/00–46/00) के बीच एईएन/ नबद्वीपधाम के तहत एसएसई/पी.वे/त्रिबेणी के अधीन पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,96,99,859.02, **बयाना राशि :** रु.3,94,000/–, **क्रम सं.2, ई–निविदा सं. : 153_2026–27, कार्य का विवरण:** एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन एसएसई(पी.वे)/नबद्वीपधाम के खंड किमी. 46/00 से 89/455 पर पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य:** रु. 2,00,26,322.90, **बयाना राशि :** रु.4,00,500/–, **क्रम सं.3, ई–निविदा सं.: 154_2026–27, कार्य का विवरण :** एईएन/कटवा के अधीन एसएसई(पी.वे)/कटवा (एमएल) के खंड किमी. 89/455 से 131/00 पर पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,70,56,590.78, **बयाना राशि :** रु.3,41,100/–, **क्रम सं.4, ई–निविदा सं. : 155_2026–27, कार्य का विवरण :** एईएन/कटवा के अधीन एसएसई/पी.वे/कटवा (बीएल) के अंतर्गत बलगोना–कटवा (किमी:26/0–52/0) के खंड में पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य:** रु. 1,07,12,059.19, **बयाना राशि:** रु.2,14,300/–, **क्रम सं.5, ई–निविदा सं.: 156_2026–27, कार्य का विवरण:** एईएन/कटवा के अधीन एसएसई/पी.वे/कटवा (बीएल) के अंतर्गत अहमदपुर–कटवा (किमी:0/0–49/670) के खंड में पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य:** रु. 1,00,35,477.01, **बयाना राशि:** रु.2,00,700/–, **क्रम सं.6, ई–निविदा सं.: 157_2026–27, कार्य का विवरण:** एईएन/आजिमगंज के अधीन एसएसई/पी.वे/बाजारसौ के खंड में किमी. 131/000 से 175/000 पर पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य :** रु. 1,85,63,010.21, **बयाना राशि:** रु.3,71,300/–, **क्रम सं.7, ई–निविदा सं.: 158_2026–27, कार्य का विवरण:** एईएन/आजिमगंज के अधीन एसएसई (पी.वे)/आजिमगंज के खंड में किमी.175/000 से 181/000 (कटवा–आजिमगंज–न्यू फरक्का), 02/230 से 43/740 (आजिमगंज–नलहाटी) में पी.वे रखरखाव कार्य। **अनुमानित मूल्य:** रु. 1,58,59,782.63, **बयाना राशि:** रु.3,17,200/–, **समापन अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह (क्रम सं. 1 से 7 प्रत्येक के लिए)। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 17.07.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट: **www.ireps. gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान–बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान ई–निविदा प्रणाली के मामले में, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई–निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-178/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

गाँधीधाम-भागलपुर-गाँधीधाम स्पेशल ट्रेन और पांच ट्रिप यात्रा करेगी

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए, **09451/09452 गाँधीधाम-भागलपुर-गाँधीधाम स्पेशल** ट्रेन की यात्रा नीचे उल्लेखित तिथियों को **और 05 ट्रिप** के लिए जारी रहेगी: **यात्रा की विस्तारित तिथियां: 09451 गाँधीधाम-भागलपुर स्पेशल - दिनांक 03/07, 10/07, 17/07, 24/07 एवं 31.07.2026 = 05 ट्रिप** एवं **09452 भागलपुर-गाँधीधाम स्पेशल - दिनांक 06/07, 13/07, 20/07, 27/07 एवं 03.08.2026 = 05 ट्रिप।**

परिवर्तित मार्ग होकर अतिरिक्त ट्रिप

उत्तर रेलवे के लखनऊ स्टेशन में **ब्लॉक** के कारण, यात्रा की ऊपर उल्लेखित विस्तारित तिथियों को **09451/09452 गाँधीधाम-भागलपुर-गाँधीधाम स्पेशल** ट्रेन कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-गोंडा-गोरखपुर-नरकटियागंज-बापूधाम मोतिहारी-मुजफ्फरपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग **कानपुर सेंट्रल-फतेहपुर-प्रयागराज-ज्ञानपुर रोड-वाराणसी-औंड़िहार-गाजीपुर सिटी-छपरा-हाजीपुर** होकर चलेगी एवं लखनऊ, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, चकिया स्टेशनों पर नहीं ठहरेगी तथा दोनों दिशाओं में परिवर्तित मार्ग पर फतेहपुर, प्रयागराज, ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, औंड़िहार, गाजीपुर सिटी, छपरा एवं हाजीपुर स्टेशनों पर ठहरेगी।

इन ट्रेनों की परिवर्तित मार्ग में ठहरने वाले स्टेशनों पर समय-सूची निम्नानुसार होगी:

09451 गाँधीधाम-भागलपुर स्पेशल		स्टेशन	09452 भागलपुर-गाँधीधाम स्पेशल	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
00.15	00.17	↓ फतेहपुर	22.00	22.05
03.00	03.10	प्रयागराज	20.30	20.40
04.40	04.45	ज्ञानपुर रोड	18.35	18.40
06.15	06.25	वाराणसी	17.25	17.35
07.25	07.30	औंड़िहार	16.10	16.15
08.15	08.20	गाजीपुर सिटी	15.15	15.20
12.00	12.10	छपरा	13.00	13.10
13.00	13.02	हाजीपुर ↑	12.05	12.07

अन्य सभी निर्देशावलियाँ अपरिवर्तित रहेंगी।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

दि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी का वार्षिक ऑडिट

आरा। "दि ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड" के शाखा कार्यालय, आरा में वित्तीय वर्ष 2026-27 का वार्षिक अंकेक्षण (ऑडिट) सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। इस ऑडिट को लेकर क्षेत्रीय कार्यालय, पटना से आए बिहार-झारखंड के वरिष्ठ पदाधिकारी ऋषिकेश कुमार सिंह (प्रबंधक) एवं प्रवीण कुमार (उप प्रबंधक) ने शाखा के सभी महत्वपूर्ण वित्तीय व प्रशासनिक दस्तावेजों की गहराई से जांच और परख की। इस दौरान टीम वर्क की अनूठी मिसाल देखने को मिली। शाखा प्रबंधक सुमन सौरभ ने इस शाखा में महज दो महीने पहले कार्यभार संभालने के बावजूद विभाग के हर बारीकी और पहलू पर अंकेक्षण पदाधिकारियों को त्वरित कागजी मदद पहुंचाई। जांच की प्रक्रिया को पारदर्शी और सुदृढ़ बनाने में कार्यालय के प्रशासनिक पदाधिकारी अजय कुमार त्रिवेदी ने सभी जरूरी फाइलों को प्रस्तुत किया। वहीं, कार्यालय के सबसे पुराने और वरिष्ठ सहायक अशोक कुमार तिवारी द्वारा हर एक दस्तावेज को बेहद गहराई और स्पष्टता के साथ ऑडिट टीम के सामने रखा गया, जिसकी अधिकारियों ने सराहना की।

बाढ़ के समय नावों से जाएगी मेडिकल टीम

आरा। संभावित बाढ़ और सूखे की स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने भोजपुर जिले में विशेष तैयारी शुरू कर दी है। राज्य स्वास्थ्य समिति ने सभी स्वास्थ्य संस्थानों को आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने और जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों के अनुसार बाढ़ के दौरान तीव्र दस्त, आंत्र ज्वर, मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, त्वचा रोग, सांप व कुत्ते के काटने जैसी समस्याओं के उपचार के लिए पर्याप्त दवाएं उपलब्ध रखी जाएंगी। सूखा प्रभावित क्षेत्रों में सांस संबंधी बीमारियों, कुपोषण तथा विटामिन-खनिज की कमी से होने वाले रोगों पर विशेष नजर रखने को कहा गया है। हर वर्ष बाढ़ से प्रभावित होने वाले स्वास्थ्य केंद्रों की पहचान कर उनके लिए वैकल्पिक सुरक्षित स्थान पहले से चिन्हित करने का निर्देश दिया गया है, ताकि बाढ़ के दौरान स्वास्थ्य सेवाएं बाधित न हों। आशा और एएनएम गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं, दिव्यांगों और गंभीर रूप से बीमार मरीजों का सर्वे कर उनकी लाइन लिस्टिंग तैयार करेंगी, जिससे जरूरत पड़ने पर उन्हें समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके। बाढ़ प्रभावित इलाकों में चलंत चिकित्सा दल तैनात किए जाएंगे, जिनमें चिकित्सक, नर्स, एएनएम और पारा मेडिकल कर्मी शामिल रहेंगे। ये दल आपदा प्रबंधन विभाग तथा एनडीआरएफ/एसडीआरएफ के समन्वय से नावों के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएंगे। इसके अलावा राहत शिविरों में अस्थायी मातृत्व केंद्र, स्तनपान कक्ष और स्वास्थ्य परामर्श केंद्र स्थापित किए जाएंगे। बाढ़ का पानी उतरने के बाद मलेरिया, डेंगू और अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए कीटनाशकों, ब्लीचिंग पाउडर और चूने का छिड़काव कराया जाएगा, ताकि महामारी फैलने की आशंका को समय रहते रोका जा सके।

रघुनाथपुर की पंचायतों में नशामुक्ति रैली

रघुनाथपुर। प्रखंड की सभी पंचायतों में पंचायत विकास एवं मद्यनिषेध दिवस पर जीविका दीदियों ने नशामुक्त समाज के लिए जागरूकता रैली निकाली। प्रभात फेरी के जरिए गांव-गांव जाकर शराबबंदी और नशे के दुष्प्रभावों पर लोगों को जानकारी दी गई। पंचायत भवनों पर ग्रामीणों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। प्रखंड मुख्यालय स्थित जीविका कार्यालय में भी कार्यक्रम हुआ। यहां जीविका दीदियों ने सामूहिक रूप से मद्यनिषेध की शपथ ली। बीपीएम अशोक कुमार ने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज को नुकसान पहुंचाता है।

मानसून मेहरबान... खेतों में लौटी रौनक, धान की रोपनी ने पकड़ी रफ्तार

बक्सर। सोमवार को मानसून किसानों पर मेहरबान रहा। अच्छी बारिश होने से किसानों के चेहरे खुशी से खिल उठे। जिन खेतों में धूल उड़ रहे थे, उसमें पानी लबालब भर गया। खेतों में किसान रोपनहारों के साथ रोपनी में जुट गए हैं। कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ डॉ रामकेवल ने कहा कि जिनका बिचड़ा तैयार हो गया है, वो रोपनी शुरू कर दें। इस समय खेतों में खरपतवार भी कम है। समय से रोपनी हो जाने पर कल्ले अधिक निकलेंगे। इस अच्छी बारिश से न केवल धान के बिचड़े को संजीवनी मिली है, बल्कि किसानों के डीजल और सिंचाई के खर्च में भी भारी बचत होगी। उन्होंने कहा कि मौसम का मिजाज ऐसे ही अनुकूल रहा और समय पर रोपनी पूरी हो गई, तो इस साल बक्सर में धान की बंपर पैदावार होने की पूरी उम्मीद है। उन्होंने किसानों को संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी।

आरक्षण सूची का इंतजार, संभावितों का जनसंपर्क शुरू

बक्सर। जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की संभावित घोषणा से पहले ही गांवों की राजनीति गर्माने लगी है। चुनाव की आहट के साथ संभावित उम्मीदवार सक्रिय हो गए हैं और पंचायतों में जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। वहीं सबसे अधिक उत्सुकता आरक्षण रोस्टर सूची को लेकर है। जिला प्रशासन की ओर से आधिकारिक आरक्षण सूची जारी होने के बाद हीं यह स्पष्ट हो सकेगा कि किस पंचायत और किस वार्ड में कौन-सा पद किस वर्ग के लिए आरक्षित होगा। इसी कारण वर्तमान जनप्रतिनिधियों से लेकर नए दावेदारों तक सभी की निगाहें चुनाव आयोग और जिला प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं। इधर सोशल मिडिया पर फर्जी आरक्षण सूची को शेयर किया जा रहा है। जिले की 136 पंचायतों में चुनावी माहौल धीरे-धीरे पूरी तरह बनने लगा है। कई पंचायतों में वर्षों से एक ही परिवार या कुछ चुनिंदा नेताओं का प्रभाव रहा है। इस बार आरक्षण रोस्टर में बदलाव की संभावना ने कई पुराने चेहरों की चिंता बढ़ा दी है। यदि किसी पंचायत का पद महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित हो जाता है तो कई मौजूदा प्रतिनिधियों को चुनावी रणनीति बदलनी पड़ सकती है। ऐसी स्थिति में कई नेता अपने परिवार की महिला सदस्य अथवा करीबी समर्थक को उम्मीदवार बनाने की तैयारी कर रहे हैं।

ज्ञानपुर को काट रही गांगी नदी, जल संसाधन विभाग को कोई फिक्र नहीं

कोईलवर। जल संसाधन विभाग की घोर उदासीनता और जनप्रतिनिधियों के खोखले आश्वासनों का नतीजा अब कोईलवर प्रखंड की कायमनगर पंचायत के ज्ञानपुर पश्चिम टोला के वजूद पर भारी पड़ने लगा है। गांगी नदी का लगातार बढ़ता कटाव अब सिर्फ किसानों के खेतों को ही नहीं निगल रहा, बल्कि गांव की आबादी, करोड़ों की सरकारी परिसंपत्तियों और गरीबों के आशियानों की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। हर साल 10 से 15 फीट जमीन नदी में विलीन हो रही है। लेकिन प्रशासन कुंभकर्णी नींद सोया हुआ है। ग्रामीणों का गुस्सा अब बढ़ रहा है। वे सिस्टम के खिलाफ आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। ज्ञानपुर में स्थिति भयावह हो चुकी है। वार्ड संख्या-1 स्थित सामुदायिक भवन और मुख्यमंत्री नल-जल योजना के तहत लाखों-करोड़ों की रंगत से बनी पानी टंकी के बिल्कुल करीब तक गांगी नदी का पानी पहुंच चुका है। यदि समय रहते बोल्डर पिचिंग या पक्का तटबंध नहीं बनाया गया, तो जान-माल और सरकारी संपत्ति जमींदोज होकर नदी में विलीन हो जाएगी। पानी टंकी ध्वस्त होने से पूरे गांव की पेयजल व्यवस्था ठप हो जाएगी, जिससे हजारों की आबादी बूंद-बूंद पानी को तरस जाएगी। ज्ञानपुर में गांगी नदी कई मकानों के बिल्कुल करीब पहुंच चुकी है। बरसात शुरू होते ही ग्रामीणों की रातों की नींद उड़ गयी है। लोग रात-रात भर जागकर इस खौफ में गुजारते हैं कि कहीं उनका आशियाना नदी की लहरों के साथ बह न जाए। क्योंकि कटाव का दायरा हर वर्ष बढ़ रहा है हर वर्ष सिर्फ मिलता है आश्वासन, जमीनी कार्रवाई शून्य स्थानीय लोगों का आरोप है कि हर साल बरसात में जब तबाही दस्तक देती है, तो अधिकारी और नेता आते हैं। फोटो खिंचवाते हैं और आश्वासन की घुट्टी पिलाकर चले जाते हैं। लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया।

भरत तिवारी एनकाउंटर, 17 जुलाई को जंतर-मंतर पर जुटेंगे समर्थक

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भोजपुर। भरत तिवारी पुलिस एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट से सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका खारिज हो गई है। इसके बाद आंदोलनकारी संगठनों ने अपनी रणनीति बदलते हुए आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का ऐलान किया है। बिलौटी गांव में आज आयोजित प्रेसवार्ता में वीर शहीद भरत तिवारी न्याय संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष और सुप्रीम कोर्ट के वकील अनिल मिश्रा ने कहा कि जब तक भरत तिवारी को न्याय नहीं मिलता, तब तक आंदोलन किसी भी कीमत पर नहीं रुकेगा।

देशभर के समर्थक होंगे इकट्ठाः उन्होंने घोषणा की कि भरत तिवारी के शहादत दिवस 17 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर देशभर से समर्थक एकत्र होंगे। वहां शांतिपूर्ण धरना, श्रद्धांजलि सभा और हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। अनिल मिश्रा ने कहा कि पूरे बिहार सहित अलग-अलग राज्यों में हस्ताक्षर अभियान शुरू कर दिया गया है। इस अभियान के जरिए लोगों का समर्थन जुटाकर उसकी प्रतियां राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को सौंपी जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन केवल एक व्यक्ति के न्याय का नहीं, बल्कि कानून के शासन और भ्रष्टाचार के खिलाफ भी है। उनका दावा था कि भरत तिवारी भ्रष्टाचार और पीड़ितों के अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे थे, इसलिए उनकी हत्या की गई।

न्यायिक जांच के आदेश पर भी सवाल उठाएः प्रेसवार्ता में उन्होंने न्यायिक जांच के आदेश पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि न्यायिक जांच या किसी प्रकार की इंक्वायरी केवल मामले को लंबा खींचने और जनता का ध्यान भटकाने का माध्यम बन जाती है। हत्या जैसे गंभीर मामले में अलग से जांच कराने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि सीधे हत्या का मुकदमा दर्ज कर विधिसम्मत विवेचना होनी चाहिए। उनके अनुसार यदि किसी व्यक्ति की हत्या का प्रथम दृष्टया मामला बनता है, तो कानून के अनुसार एफआईआर दर्ज कर आरोपितों की गिरफ्तारी की जानी चाहिए, न कि केवल जांच के नाम पर महीनों तक प्रक्रिया चलाई जाए।

अधिकारी को तुरंत करना चाहिए अरेस्टः उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में दर्ज प्राथमिकी में हत्या की उपयुक्त धाराएं नहीं लगाई गई हैं। उनका कहना था कि उपलब्ध वीडियो फुटेज और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से घटना की परिस्थितियां स्पष्ट दिखाई देती हैं। ऐसे में संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि घटना के समय मौजूद सभी पुलिस अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए। अनिल मिश्रा ने कहा कि यदि सरकार वास्तव में निष्पक्ष कार्रवाई करना चाहती है, तो घटना से जुड़े सभी अधिकारियों को तत्काल निलंबित कर उनका तबादला किया जाना चाहिए, ताकि जांच या विवेचना पर किसी प्रकार का प्रभाव न पड़े।

संतुलित उर्वरक और आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने का किया आह्वान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। सहकारिता के तहत कृषक भारती को-ऑपरेटिव लिमिटेड (कृभको) की ओर से स्टेशन के समीप एक क निजी सभागार में सोमवार को पीएम प्रणाम किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और कृषि विकास, सहकारिता एवं उन्नत खेती से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एवं जिला बीस सूत्री सदस्य पुनीत सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों को सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ उठाने तथा सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को समृद्ध बनाने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ प्रत्येक किसान तक पहुंचना चाहिए। किसानों को उन्नत कृषि एवं सहकारिता से जोड़ने पर जोर देने की आवश्यकता बताई। कृषक भारती को-ऑपरेटिव लिमिटेड के एरिया मैनेजर सुनील सिंह ने कंपनी के विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए किसानों से संवाद किया। उन्होंने संतुलित उर्वरक उपयोग, आधुनिक कृषि तकनीकों तथा कृषि उत्पादन बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की।

पड़रिया गांव के बधार में युवती का शव मिला , हत्या की आशंका, जांच

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गड़हनी। चरपोखरी थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव के बधार में नटकी पुल के पास से एक अज्ञात युवती का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। शव मिलने की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए, जिसके बाद चापोखरी थाना को इसकी जानकारी दी गई।चरपोखरी पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर शव को मिट्टी हटाकर शव को बाहर निकाला। शव काफी पुराना और बुरी तरह सड़-गल चुका है, जिसके कारण युवती की पहचान नहीं हो सकी है। शव की स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही कि युवती की हत्या कर मिट्टी में छुपा दिया गया है।युवती पढ़ी लिखी लग रही है। पर्स से एक स्टेट बैंक का पासबुक भी मिला है लेकिन पासबुक में खाता नम्बर और आईएफसी कोर्ड भी दूसरे जगह का है। युवती के पास से एक पर्स ,मोबाइल सिम व आधार बरामद हुआ हैः चरपोखरी पुलिस घटना स्थल से एक मोबाइल सिम, पर्स और पर्स से आधार कार्ड और स्कूल की आई डी मिली है।स्कूल आर डी इंटर की 19 वर्षीय छात्रा है।और आधार में झारखंड के गोड्डा जिला के विश्वास खानी गांव का पता लिखा हुआ है। बरामद आधार कार्ड और सिम से मृतका की पहचान और मामले की जांच में पुलिस जुट गई है। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है तथा सभी संभावित पहलुओं पर जांच जारी है।पुलिस ने शव को लेकर पोस्टमार्टम के लिए आरा सदर अस्पताल भेज दिया है।पुलिस का कहना है कि जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व जांच के बाद ही मौत के कारणों तथा घटना की वास्तविक स्थिति का पता चल सकेगा।

सड़क हादसे में रिटायर्ड टीचर समेत 2 की मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। भोजपुर में सोमवार को सिकरहटा गांव के पास इनोवा कार ने पैसा निकाल कर वापस लौट रहे साइकिल सवार रिटायर्ड टीचर समेत दो को रौंद दिया। हादसे में दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। भागने के दौरान कर अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसके बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। घटना बिहियां-बिहटा स्टेट हाईवे की है। मौत के बाद स्थानीय ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। स्पीड ब्रेकर बनाने और मुआवजे की मांग को लेकर शव को सड़क पर रखकर जाम कर दिया। दोनों लेने में वाहनों की लंबी कतारें लग गई। सूचना मिलने के बाद थानाध्यक्ष सनोज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। लोगों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। करीब 3 घंटे तक रोड जाम रहा।

पैसा निकालकर घर लौट रहे थेः मृतकों में सिकरहता खुर्द गांव निवासी रिटायर्ड टीचर रमजान अली(72) और जाबिर अंसारी उर्फ मुन्ना(30) के तौर पर हुई है। रमजान अली जनवरी 2016 में मोआप कला स्थित उर्दू प्राथमिक विद्यालय से रिटायर्ड हुए थे। जबकी मुन्ना पेशे से मजदूर था। मो. शमशाद आलम ने बताया कि रमजान अली बैंक से पैसा निकालकर साइकिल के वापस गांव लौट रहे थे। इस दौरान इनोवा ने टक्कर मार दी। उसके बाद कुछ दूर जाकर गांव के ही जाबिर अंसारी उर्फ मुन्ना जो अपना मकान बनवाने के दौरान सड़क किनारे बैठे हुए थे, उसे भी रौंद दिया। जिससे दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घर में मचा कोहरामः रमजान अली के परिवार में पत्नी जुलेखा खातून, छह पुत्र अरमान अली, अनवर अली, इरफान अली, सरफराज अली, इमरान अली, मो. फरहान और दो पुत्री संजीदा खातून, अफसरी खातून है। मुन्ना 9 भाई-बहन में दूसरे नंबर पर थे। परिवार में पत्नी सफीना खातून और एक पुत्री सनाया खातून है। सभी को रो-रोकर बुरा हाल है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर आइसा और इंकलाबी नौजवान सभा ने किया प्रदर्शन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। देश में लगातार हो रही परीक्षा गड़बड़ियों, पेपर लीक और शिक्षा के व्यापारीकरण के खिलाफ छात्र और युवा संगठनों का गुस्सा उबल पड़ा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सोमवार को छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) और इंकलाबी नौजवान सभा (आरवाईए) के संयुक्त आह्वान पर शहर के रमना मैदान स्थित जेपी स्मारक पर एक दिवसीय सामूहिक उपवास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र-युवाओं ने हिस्सा लिया और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर आवाज बुलंद की। सामूहिक उपवास कार्यक्रम का संचालन करते हुए आइसा के जिला सचिव जयशंकर प्रसाद ने वर्तमान सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान के कार्यकाल में देश के भीतर तमाम महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर लगातार लीक हो रहे हैं और कोई भी परीक्षा निष्पक्ष नहीं हो पा रही है। आइसा के जिला सहसचिव चंदन दास ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सरकार ने छात्रों की मांगों को अनसुना किया, तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। वहीं, आइसा जिला अध्यक्ष विकास कुमार ने कड़े शब्दों में कहा, "पिछले दिनों देश में नीट और नेट जैसी परीक्षाओं के पेपर लीक होने के चलते दर्जनों छात्रों ने मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या कर ली। यह आत्महत्या नहीं, बल्कि सरकार द्वारा की गई इन छात्रों की "संस्थागत हत्या" है।" उन्होंने कहा कि देश के युवा और नौजवान अब धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा मंत्रालय की कुर्सी पर देखना नहीं चाहते और जब तक वे इस्तीफा नहीं देते, सड़कों की यह लड़ाई जारी रहेगी। **शिक्षा व्यवस्था गंभीर संकट में, नैतिक जिम्मेदारी लें मंत्रीः शिवप्रकाश** इंकलाबी नौजवान सभा के राज्य सचिव व माले के पूर्व विधायक शिवप्रकाश ने उपवास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश की शिक्षा व्यवस्था गहरे संकट से गुजर रही है। विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक अराजकता है, भर्ती परीक्षाओं में धांधली हो रही है और इन सब पर केंद्र सरकार की चुप्पी यह साबित करती है कि वह पूरी तरह विफल हो चुकी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत अपने पद से हट जाना चाहिए। इंकलाबी नौजवान सभा के जिला अध्यक्ष विशाल कुमार ने अपनी मांगों को दोहराते हुए कहा कि नीट पेपर लीक और परीक्षा घोटालों की निष्पक्ष जांच हो, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और देश की परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी व छात्र हितैषी बनाया जाए। सामूहिक उपवास और विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से आरवाईए जिला सचिव निरंजन केशरी, रौशन कुशवाहा, साहिल अरोरा, आरवाईए जिला सहसचिव अखिलेश कुमार और हरिनारायण शामिल हुए।

विजेंद्र अनिल की कहानी संग्रह 'फर्ज' का लोकार्पण, 19 साल बाद प्रकाशन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। नागरी प्रचारिणी पुस्तकालय सभागार में जन संस्कृति मंच ने जनगीतकार और जनवादी कहानीकार विजेंद्र अनिल के तीसरे कहानी संग्रह 'फर्ज' का लोकार्पण किया। अध्यक्षता प्रलेस के राज्य अध्यक्ष प्रो. रवींद्रनाथ राय, जसम के राज्य अध्यक्ष जितेंद्र कुमार, जलेस के प्रो. निलांबुज सरोज और वरिष्ठ कवि जनार्दन मिश्र ने संयुक्त रूप से की। संचालन जसम के जिला सचिव कवि सुमन कुमार सिंह ने किया ।आयोजकों के अनुसार विजेंद्र अनिल के निधन के 19 वर्ष बाद यह संग्रह प्रकाशित हुआ है। कवि-आलोचक जितेंद्र कुमार ने कहा कि संग्रह की कहानियां सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से संपन्न हैं। इनमें सामंतवाद, साम्राज्यवाद, सांप्रदायिकता और जातिवाद-वर्णवाद के विरोध के साथ नए जनतांत्रिक समाज के निर्माण का संघर्ष दिखता है। उन्होंने 'सफर' कहानी का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल भोजपुर का यथार्थ नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक अनुभव को सामने रखती है। विजेंद्र अनिल के पुत्र सुनील श्रीवास्तव ने कहा कि 'फर्ज' का प्रकाशन उनके प्रयास से संभव हुआ। लेखक की कहानियों, कविताओं, आलोचनात्मक लेखों और डायरियों के कई प्रकाशन अभी बाकी हैं। ऐसे लगभग 10 प्रकाशन शेष हैं। लोकार्पण के बाद सुधीर सुमन ने कहा कि ग्रामीण पृष्ठभूमि की इन कहानियों में समाज के जनवादीकरण का संघर्ष है, जो आज लोकतंत्र बचाने की लड़ाई से जुड़ता दिखता है। कहानियों में भूस्वामियों का दंभ, प्रशासनिक दलाली, पुलिसिया दमन, सांप्रदायिक नफरत, शिक्षा-स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली और रोजगार संकट जैसे मुद्दे उभरते हैं। दशकों बाद भी ये कहानियां प्रासंगिक हैं। विजेंद्र की कहानियां भोजपुर के मजदूर- किसान आंदोलन की कहानी कार्यक्रम संचालक सुमन कुमार सिंह ने कहा कि विजेंद्र अनिल की कहानियाँ भोजपुर के मजदूर-किसान आंदोलन की प्रक्रिया को उजागर करने वाली कहानियाँ हैं। जो भी गरीबी-बेरोजगारी को झेल रहे हैं, जो भी लोकतंत्रपसंद लोग हैं, उन सबके पक्ष में ये कहानियाँ लिखी गयी हैं। कार्यक्रम में सूर्य प्रकाश, अमित मेहता और धनंजय ने विजेंद्र अनिल के जनगीत 'लिखने वालों को मेरा सलाम, पढने वालों को मेरा सलाम' और 'रउरा शासन के बड़ए ना जवाब भाई जी' का गायन किया। धन्यवाद ज्ञापन रंगकर्मी सूर्यप्रकाश ने किया। इस अवसर पर यतींद्रनाथ सिंह, कृष्ण यादव कृष्णेंदु, कवि सुनील कुमार चौधरी, धनंजय कटकैरा, किशोर कुमार, अखिलेश कुमार, शमशाद प्रेम, रामनिवास राम, विक्रांत, बबलू कुमार गुप्ता, शिवजी राम भी उपस्थित थे। **सत्ता अपने से असहमत आवाजों को अर्बन नक्सल कहती हैः प्रो. निलांबुज सरोज** प्रो. निलांबुज सरोज ने कहा कि 'फर्ज' संग्रह की कहानियों को पढ़ते हुए लगा कि वे नक्सलवादी आंदोलन के इतिहास की कोई किताब पढ रहे हैं। आज सत्ता अपने से असहमत आवाजों को अर्बन नक्सल कहती है। कवि जनार्दन मिश्र ने कहा कि विजेंद्र अनिल का संपूर्ण जीवन संघर्षमय रहा। उनकी कहानियों में एक स्वार्थी वर्ग है। जो बेहद क्रूर है, जिसके खिलाफ गरीब-मजदूर जनता वर्गीय संघर्ष करती है।

आरओबी बंद, ट्रकों का दबाव और स्कूल खुले, जाम में कराहते रहे मरीज

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। इटाढ़ी रेलवे क्रॉसिंग तथा रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) बंद होने के बाद सोमवार को बक्सर शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल खुलने के पहले ही दिन पांडेय पट्टी और नुआंव (नया बाजार) रेलवे क्रॉसिंग पर भीषण जाम लग गया। स्कूली वाहन, यात्री बसें, निजी वाहन और दोपहिया चालक घंटों सड़क पर फंसे रहे। शहर के एक छोर से दूसरे छोर तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं और लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस भीषण जाम का सबसे दर्दनाक दृश्य तब देखने को मिला जब कई एंबुलेंस भी वाहनों की लंबी कतार में फंस गईं। सायरन बजने के बावजूद एंबुलेंस आगे नहीं बढ़ सकीं और उनमें मौजूद मरीज दर्द से कराहते रहे। मरीजों के परिजन बेबस होकर रास्ता खुलने का इंतजार करते रहे, जबकि जाम में फंसे लोग भी एंबुलेंस को रास्ता देने की कोशिश करते नजर आए, लेकिन वाहनों की लंबी कतार के कारण कोई राहत नहीं मिल सकी। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर के भीतर सामान्य दिनों में हेलमेट और वाहन कागजात की जांच करती ट्रैफिक पुलिस सोमवार को सबसे अधिक जरूरत वाले जामग्रस्त इलाकों में नजर नहीं आई। लोगों का कहना था कि यदि रेलवे क्रॉसिंग और प्रमुख चौराहों पर यातायात पुलिस की मुस्तैद तैनाती रहती तो स्थिति काफी हद तक नियंत्रित की जा सकती थी। क्या कहते हैं एसडीएम "स्कूल खुलने के साथ ही दोनों सड़कों पर दबाव बढ़ गया है। ट्रैफिक प्लान को किस तरह से बेहतर बनाया जाए, इसके लिए ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक कर उनके सुझाव लिए जाएंगे तथा उसके हिसाब से आगे की रणनीति बनाई जाएगी।" अविनाश कुमार, एसडीएम वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था से मिल सकती है राहत संतोष ओझा ने सुझाव दिया कि तत्काल राहत के लिए शहर में वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू की जाए। इसके तहत पांडेय पट्टी की ओर से प्रवेश करने वाले वाहनों को नुआंव (नया बाजार) रेलवे क्रॉसिंग की ओर से निकाला जाए। इससे आमने-सामने वाहनों का दबाव कम होगा और सीमित सड़कों पर यातायात अपेक्षाकृत सुचारु रूप से संचालित हो सकेगा। स्कूल खुलने से बढ़ गया वाहनों का दबाव गर्मी की छुट्टियों के बाद सोमवार से विद्यालयों का संचालन शुरू होने के कारण स्कूल बसों, वैन और अभिभावकों के वाहनों की संख्या अचानक बढ़ गई।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

वैशाली के जवान सुधीर पासवान का निधन, झारखंड में ड्यूटी के दौरान तबीयत बिगड़ी

हाजीपुर। वैशाली के चांदपुरा थाना क्षेत्र के रसूलपुर हबीब पंचायत निवासी जवान सुधीर कुमार पासवान (34) का झारखंड के नामकुम बाजार में ड्यूटी के दौरान निधन हो गया। ड्यूटी के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। साथी जवान उन्हें अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही सुधीर कुमार ने दम तोड़ दिया। सुधीर कुमार पासवान ने 2005 में सेना में नौकरी शुरू की थी। उनका विवाह 2010 में हुआ था। वह पांच भाइयों में मंझले थे। सुधीर 2017 से झारखंड में ही जमीन खरीदकर घर बनाकर अपनी पत्नी और दो बच्चों (एक लड़का और एक लड़की) के साथ रह रहे थे। उनके पिता तिलधारी पासवान मजदूरी करते हैं। जवान की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बूढ़ी मां और वृद्ध पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के छोटे भाई की बहू पूजा देवी ने बताया कि सुधीर 6 जून को घर आए थे और 9 जून को वापस चले गए थे। उन्होंने कहा था कि उन्हें कम दिनों की छुट्टी मिली है। उनकी पत्नी से कल बात हुई तो उन्होंने बताया कि भैया जी ड्यूटी पर गए हैं। सुधीर की मां ने भी बताया कि वह 9 जून को मिलकर ड्यूटी पर गए थे। उन्होंने कहा था कि मम्मी, बहुत कम दिनों की ही छुट्टी मिली है, ड्यूटी पर जाना है। उनकी पत्नी और बच्चे उनके साथ ही रहते थे।

कच्ची दरगाह-बिदुपुर गंगा पुल पर आना-जाना बंद, सुरक्षित निर्माण के लिए अगले आदेश तक रोक

हाजीपुर। हाजीपुर में कच्ची दरगाह-बिदुपुर गंगा पुल पर सभी प्रकार के वाहनों और आम लोगों के आवागमन पर अगले आदेश तक पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह निर्णय पुल के निर्माण कार्य को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। वैशाली की जिलाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह के निर्देश पर, निर्माण स्थल की सुरक्षा और प्रतिबंध के प्रभावी अनुपालन के लिए 24 घंटे तीन पालियों में दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों को तैनात किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे प्रतिबंधित पुल का उपयोग न करें और आवागमन के लिए निर्धारित वैकल्पिक मार्गों का ही इस्तेमाल करें। प्रशासन ने कहा कि लोगों का सहयोग पुल निर्माण कार्य को सुरक्षित और निर्धारित समय सीमा में पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राघोपुर में जला हुआ शव मिला, झाड़ी में रखकर पेट्रोल से चेहरा जलाया, बॉडी की पहचान नहीं

हाजीपुर। वैशाली जिले के राघोपुर प्रखंड स्थित जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक अज्ञात युवक का जला हुआ शव बरामद हुआ है। चकसिंगार पंचायत के लंका टोला गांव में सड़क किनारे शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। जुड़ावनपुर थाने की पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचकर मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। अभी तक शव की पहचान नहीं हो पाई है। स्थानीय लोगों में चर्चा है कि युवक की हत्या कर शव को जलाया गया है। शव देखने से प्रतीत होता है कि युवक की उम्र 15 से 18 वर्ष के बीच है। आशंका जताई जा रही है कि हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को झाड़ी में रखकर पेट्रोल से उसका चेहरा जलाया गया था। जुड़ावनपुर थाना प्रभारी अभिषेक पांडे ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि युवक की गला दबाकर हत्या की गई और फिर शव को यहां लाकर जला दिया गया। शरीर का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा जला हुआ है। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है और ग्रामीण स्तर पर भी उसकी पहचान नहीं हो रही है। FSL (फोरेंसिक साइंस लैब) टीम को बुलाया गया है, जिसने घटनास्थल से नमूने एकत्र कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेजा जाएगा।

बारात की गाड़ी से लूटपाट, हथियारबंद बदमाशों ने ड्राइवरों को पीटा, ज्वेलरी-कार लेकर भागे

हाजीपुर। वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र में सोमवार रात एक बारात की गाड़ी से लूटपाट हुई। रामपुर श्यामचंद भट्ठी के पास एक दर्जन से अधिक हथियारबंद बदमाशों ने बारात जा रही कार और स्कॉर्पियो को रोका। बदमाशों ने ड्राइवरों से मारपीट कर उन्हें घायल कर दिया और डेढ़ लाख रुपये के गहने, सोने के लॉकेट व एक स्कॉर्पियो लूटकर फरार हो गए। यह घटना सोमवार रात करीब 11:30 बजे हुई। पटना के कंगनघाट से बुद्धू राय के लड़के की बारात सैदाबाद निवासी भोला राय के यहां जा रही थी। हेमतपुर के भरत चौक से उजला सफारी गाड़ी और बाइक सवार बदमाशों ने बारात की गाड़ियों का पीछा करना शुरू कर दिया था। रामपुर भट्ठी स्थित ईंट भट्ठे के पास बदमाशों ने दूल्हे को ले जा रही गाड़ी को रोक लिया। उन्होंने ड्राइवर रामकृष्ण कुमार और सूरज कुमार के साथ पिस्टल की बट व फाइटर से मारपीट की। इस दौरान दूल्हा मारपीट देख गाड़ी से उतरकर भाग निकला। बदमाशों ने कार में रखे बैग से करीब डेढ़ लाख रुपये के गहने, दोनों ड्राइवरों के गले में पहने सोने के बजरंगबली लॉकेट और सूरज कुमार की उजले रंग की स्कॉर्पियो (BR01PK 2437) लूट ली। घटना के बाद ड्राइवरों के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल ड्राइवरों को राघोपुर थाना ले गए। पुलिस ने घायल ड्राइवर रामकृष्ण कुमार को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में भर्ती कराया। रामकृष्ण कुमार ने बताया कि वह अपने चचेरे साले की शादी में शामिल होने बारात की गाड़ी लेकर जा रहा था। राघोपुर थानाध्यक्ष अवधेश कुमार ने बताया कि गाड़ी साइड को लेकर मारपीट हुई है और पीड़ित की शिकायत पर मामले की जांच की जा रही है। पुलिस उचित कानूनी कार्रवाई करेगी।

जमीन विवाद में भतीजे पर रॉड से हमला, वैशाली में चाचा-परिजनों ने किया लहूलुहान, 3 गिरफ्तार

हाजीपुर। हाजीपुर के सराय थाना क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर चाचा और उसके परिजनों ने अपने भतीजे पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इस हमले में भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पौरा मदन सिंह गांव निवासी नाथन सहनी और उनके परिजनों का अपने भतीजे दर्शन सहनी (पिता नरेश सहनी) के साथ जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। सोमवार को यह विवाद बढ़ गया और नाथन सहनी व उनके परिवार के अन्य सदस्यों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से दर्शन सहनी पर हमला कर दिया। रॉड के प्रहार से दर्शन सहनी का सिर फट गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही सराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने घायल दर्शन सहनी को तुरंत इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित के बयान के आधार पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने इस हमले में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। सराय थाना अध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि पौरा मदन सिंह गांव में आपसी जमीन विवाद को लेकर मारपीट की सूचना मिली थी। प्राप्त आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजकर जेल भेजने की प्रक्रिया चल रही है और मामले में आगे की छानबीन जारी है।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की पूर्व संध्या पर संगोष्ठी-सह-सम्मान समारोह सम्पन्न

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। जन-चेतना एवं जन-शिक्षा पर केन्द्रित स्वयंसेवी संस्था नई दिशा परिवार के तत्वावधान में कल मंगलवार को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की पूर्व संध्या पर बिहार इण्डस्ट्रीज एसोसिएसन के सभागार में संगोष्ठी-सह-सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। ख्यातिनाम चिकित्सक पद्मश्री डॉ० गोपाल प्रसाद सिन्हा ने समारोह की अध्यक्षता की जबकि कार्यक्रम का संचालन सचिव राजेश राज ने किया और आगत अतिथियों का स्वागत संस्था के मुख्य संरक्षक राजेश बल्लभ ने किया। समारोह का उद्घाटन बिहार सरकार के मंत्री डॉ.प्रमोद कुमार चन्द्रवंशी ने दीप प्रज्वलित कर किया और कहा कि चिकित्सक धरती के भगवान हैं,इनका सदा सम्मान किया जाना चाहिए ।

इस अवसर पर चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए हेल्थ एक्सलेंसी अवार्ड से पद्मा श्री डॉ.गोपाल प्रसाद सिन्हा ,डॉ. (प्रो.) एस.ए. कृष्णा ,डॉ. दिवाकर तेजस्वी,डॉ.अवधेश शर्मा, डॉ. तर्जनी शंकर,डॉ. ज्योति प्रकाश , डॉ. पूजा,डॉ. सीतेश कुमार कर्ण, डॉ. कुमार अभिनव ,डॉ राजीव कुमार, डॉ. त्रिलोकी गोलवारा ,डॉ. अनिल कुमार (नवादा), डॉ. आर. पी. सिंह (होमियोपैथ चिकित्सक),डॉ. आर. के. गुप्ता ,डॉ. कौशल कुमार ,डॉ. अभिनव सिंह ,डॉ. सुधीर शर्मा, डॉ. आनंद शंकर ,डॉ. मयंक अस्मित, डॉ विकाश कुमार साथ ही साथ स्वाथ्य जागरुकत में उल्लेखनीय योगदान के लिए हेल्थ अवेयरनेस अवार्ड अभिषेक कुमार , अमित कुमार ,अभिशेक श्रीवास्तव , कुमार पंकज सिन्हा, मनोज कुमार, मो. वासिम अंसारी ,मुकेश कुमार वर्मा , मोहित कुमार, शैल सिंह ,धीरेन्द्र गुप्ता ,प्रेम कुमार मंचस्थ अतिथियों ने अंगवस्त्र,प्रतिक चिन्ह व सम्मानपत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कमलनय श्रीवास्तव , महापौर सीता साहू, उप महापौर रेशमी चन्द्रवंशी सहित वक्ताओं ने 'राष्ट्र के -निर्माण में चिकित्सकों की भूमिका विषयक अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि चिकित्सक राष्ट्र और समान के सजग प्रहरी हैं।

अपने अध्यक्षीय भाषण मे ख्यातनाम चिकित्सक पद्म श्री गोपाल प्रसाद सिन्हा ने डॉ. विधान चंद्र रॉय को नमन किया और कहा की पूरा राष्ट्र उनकी स्मृति में रास्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाता है। बिहार हिंदी साहित्य सम्मलेन के अध्यक्ष, डॉ.अनिल सुलभ ने कहा की नई दिशा परिवार के रचनात्मक कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि संस्था निरंतर समाज सेवा के कार्यों में अग्रसर है।समारोह मे सांस्कृतिक कार्यक्रम में उजाला राज और प्रियांशी आर्य ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। समारोह को सफल करने मे उज्जवल राज, ऋतू राज, परितोष कुमार, नागेन्द्र पंडित,सुरज कुमार, युवराज, कौशल कुमार, सोनी प्रिया, पिंकी शर्मा एवं संजना आर्य आदि की सक्रिय भूमिका रही |

खगड़िया, समस्तीपुर में झमाझम बारिश, 27 जिलों में अलर्ट

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना में सुबह से बादल छाए, ठंडी हवा चल रही, बिजली से 4 लोगों की मौत

पटना। बिहार में मानसून एक्टिव है। मंगलवार की सुबह खगड़िया, जमुई में झमाझम बारिश हुई। समस्तीपुर और कटिहार में बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने आज 27 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 30-40Kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। मौसम विभाग की माने तो 30 जून यानी आज से बारिश की गतिविधियां तेज होंगी। पटना, नालंदा, अरवल और जहानाबाद समेत कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है। 1 जुलाई से राज्य में झमाझम बारिश होने की संभावना है। इधर, सोमवार को बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। सीतामढ़ी में 2 लोगों की जान गई है। 24 से ज्यादा झुलसे हैं। मुंगेर में 15 साल की नाबालिग की बिजली गिरने से मौत हो गई। पटना के बख्तियारपुर में भी एक महिला की मौत हुई है।

बीते 24 घंटे में कैसा रहा मौसमः बीते 24 घंटे में बांका, बेतिया, बगहा, कटिहार, खगड़िया, छपरा, रोहतास, कैमूर, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, आरा, सहरसा, मधुबनी, दरभंगा और बक्सर में सुबह बारिश हुई। पटना में कई दिनों के बाद मौसम बदला रहा।

राजधानी में सुबह तेज धूप के बाद अचानक काले बादल छा गए। दिन में अंधेरा छा गया है। तेज हवा के चलते गर्मी से राहत मिली। वहीं पटना के कुछ इलाकों में बारिश भी हुई। कई जिलों के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

पटना के पालीगंज में युवक की संदिग्ध मौत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

परिजन ने शराब पिलाकर हत्या का लगाया आरोप

पटना। पटना में सोमवार देर रात 22 साल के युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत हुई है। मृतक की पहचान सरसी गांव निवासी वीरेंद्र राम के बेटे दीपक कुमार के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच में लग गई।

पुलिस ने पटना एफएसएल की टीम को सूचना दी है। मृतक के पिता वीरेंद्र राम ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे दीपक कुमार की हत्या गांव के ही कुछ लोगों ने जबरदस्ती शराब पिलाकर की है। उन्होंने बताया कि दीपक शाम को गांव के दोस्तों के साथ बाहर गया था और अचानक उसकी मौत की खबर मिली। मामला पालीगंज थानाक्षेत्र के सरसी गांव का है।

जांच के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगाः वीरेंद्र राम के अनुसार, हत्या करने के बाद आरोपी शव को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। थानाप्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार की देर शाम को पुलिस को सूचना मिली की सरसी गांव में एक युवक की मौत हो गई है। फिलहाल पुलिस FSL टीम को सूचना दी है।

चलायी जा रही 05 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

हाजीपुर। हाजीपुर गाड़ी संख्या 05557/05558 रक्सौल-लोकमान्य तिलक-रक्सौल स्पेशल - सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-पाटलिपुत्र-डीडीयू के रास्ते रक्सौल और लोकमान्य तिलक के मध्य चलायी जा रही स्पेशल अब जुलाई के अंत तक चलायी जाएगी । गाड़ी सं. 05557 रक्सौल-लोकमान्य तिलक स्पेशल अब रक्सौल से 28.07.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को परिचालित की जायेगी । इसी तरह गाड़ी सं. 05558 लोकमान्य तिलक-रक्सौल स्पेशल अब लोकमान्य तिलक से 30.07.2026 तक सप्ताह के प्रत्येक गुरूवार को परिचालित की जायेगी । गाड़ी संख्या 03253/03254/03255 पटना-चर्लपल्ली-पटना स्पेशल - गया-कोडरमा- गोमो-रांची-बिलासपुर-रायपुर-नागपुर-काजीपेट के रास्ते पटना और चर्लपल्ली के मध्य चलायी जा रही स्पेशल अब जुलाई के अंत तक चलायी जाएगी । गाड़ी सं. 03253 पटना-चर्लपल्ली स्पेशल अब पटना से 29.07.26 तक सप्ताह के प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को परिचालित की जाएगी । इसी तरह गाड़ी सं. 03254 चर्लपल्ली-पटना स्पेशल अब चर्लपल्ली से 29.07.26 तक सप्ताह के प्रत्येक बुधवार को तथा गाड़ी सं. 03255 चर्लपल्ली-पटना स्पेशल अब चर्लपल्ली से 31.07.26 तक सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित की जाएगी । गाड़ी संख्या 03230/03229 पटना-खोरधा रोड जं.-पटना स्पेशल - बख्तियारपुर-मोकामा -झाझा-आसनसोल-खड़गपुर-कटक-भुवनेश्वर के रास्ते पटना और खोरधा रोड जं. के मध्य चलायी जा रही स्पेशल अब जुलाई के अंत तक चलायी जाएगी । गाड़ी सं. 03230 पटना-खोरधा रोड जं. स्पेशल अब पटना से 30.07.26 तक सप्ताह के प्रत्येक गुरूवार को परिचालित की जाएगी । इसी तरह गाड़ी सं. 03229 खोरधा रोड जं.-पटना स्पेशल अब खोरधा रोड जं. से 31.07.26 तक सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित की जाएगी गाड़ी संख्या 02024/02023 पटना-हावड़ा-पटना स्पेशल - बख्तियारपुर-मोकामा-झाझा के रास्ते पटना और हावड़ा के मध्य चलायी जा रही स्पेशल अब सितम्बर के अंत तक चलायी जाएगी । गाड़ी सं. 02024 पटना-हावड़ा स्पेशल अब पटना से 27.09.26 तक सप्ताह के प्रत्येक रविवार तथा गाड़ी सं. 02023 हावड़ा-पटना स्पेशल अब हावड़ा से 27.09.26 तक सप्ताह के प्रत्येक रविवार को परिचालित की जाएगी । गाड़ी संख्या 09821/09822 सोगरिया-धनबाद-सोगरिया स्पेशल - सागर-दमोह-कटनी- प्रयागराज छिवकी-डीडीयू -गया-कोडरमा-गोमो के रास्ते सोगरिया और धनबाद के मध्य गाड़ी सं. 09821/09822 सोगरिया-धनबाद-सोगरिया स्पेशल दिनांक 16.07.26 से 28.11.26 तक चलायी जाएगी । गाड़ी सं. 09821 सोगरिया-धनबाद स्पेशल सोगरिया से 16.07.26 से 26.11.26 तक सप्ताह के प्रत्येक गुरूवार को तथा गाड़ी सं. 09822 धनबाद-सोगरिया स्पेशल धनबाद से 18.07.26 से 28.11.26 तक सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को परिचालित की जाएगी ।

पटना में झारखंड के कारोबारी का अपहरण, 4 गिरफ्तार, घर से बुलाकर गाड़ी में बैठाकर ले गए

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रुपए के लेन-देन को लेकर विवाद

पटना। पटना में झारखंड के कारोबारी उपेंद्र सिंह का सोमवार को अपहरण हो गया था, पुलिस ने उनको बरामद कर लिया है। इस मामले में 4 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पत्नी ने शास्त्रीनगर थाने में शिकायत की थी। बताया गया कि आरोपी पति को कब्जे में रखकर रुपए की डिमांड कर रहे थे। जिसके बाद पुलिस एक्टिव हुई। SDPO-2 के निर्देश पर टीम बनी। जिसके बाद पुलिस ने पीड़ित को बरामद कर लिया। जिसके बाद पीड़ित ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने मिलने के लिए बुलाया था। जब मैं घर से बाहर आया तो गाड़ी में बैठाकर मेरा अपहरण कर लिया। कर्ज में कुछ रुपए लिए थे। जिसे मैंने चुका दिया था। इसके बाद भी मुझे धमकाया जा रहा था। मामला शास्त्रीनगर थाना क्षेत्र के AG कॉलोनी का है।

पुलिस कर रही पूछताछः SDPO 2 सचिवालय साकेत कुमार पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर रहे हैं। उन्होंने घटना की पूरी जानकारी ली है। पूछताछ के दौरान पूरी कॉन्सपिरेसी निकल कर सामने आई है। हालांकि मामला लेन देन से जुड़ा है। आरोपी पीड़ित को कमजोर और बाहरी समझकर प्रताड़ित कर रहे थे, ऐसी जानकारी अभी तक कि पूछताछ में आई है।

सचिवालय SDPO 2 साकेत कुमार ने बताया कि 29 जून को उपेंद्र सिंह, जो शिक्षक हैं, उनके अपहरण की शिकायत शास्त्रीनगर थाने में की गई थी। इन्वेस्टिगेशन के दौरान पता चला कि सासाराम कोचस के रहने वाले सोनू कुमार से उपेंद्र सिंह ने किसी काम के लिए 13 से 14 लाख रुपए लिए थे।

जिसे वापस नहीं कर रहे थे। आरा से सोनू ने अपने 3 साथियों के साथ मिलकर अपहरण कर लिया। वहां से सासाराम जीटी रोड से ले जा रहे थे। जिनकी रिकवरी कैमूर जिला अंतर्गत कुदरा से किया गया है। फिलहाल 4 आरोपियों को अरेस्ट किया गया है।

गुप्त सूचना पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध हथियार निर्माण का अड्डा ध्वस्त; देशी कट्टा, कारतूस व उपकरण बरामद

भदौरा गांव में छापेमारी कर एक आरोपी गिरफ्तार, हथियार सप्लाई नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिस

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मसौढ़ी। भगवानगंज थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए भदौरा गांव में संचालित अवैध हथियार निर्माण के एक अड्डे का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया, जबकि मौके से देशी कट्टा, जिंदा कारतूस, हथियार बनाने के उपकरण और अन्य सामग्री बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार विश्वसनीय सूचना मिली थी कि भदौरा गांव के एक घर में अवैध रूप से हथियार तैयार किए जा रहे हैं। सूचना का सत्यापन करने के बाद भगवानगंज थाना पुलिस ने विशेष टीम के साथ छापेमारी की। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन जवानों ने घेराबंदी कर उसे मौके पर ही दबोच लिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस, मोबाइल फोन तथा हथियार निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कई उपकरण बरामद किए। इनमें लोहे की प्लेट, ड्रिल मशीन, रेत, पेचकस सहित अन्य औजार शामिल हैं। बरामद सभी सामान को जब्त कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के दौरान पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह हथियार किसके लिए तैयार करता था और किन-किन लोगों तक उनकी आपूर्ति की जाती थी। पुलिस को आशंका है कि इस अवैध कारोबार से अन्य लोग भी जुड़े हो सकते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए पूरे नेटवर्क की जांच शुरू कर दी गई है। भगवानगंज थाना पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

महिला से बदसलूकी का विरोध करने पर घर के बाहर फायरिंग, दो आरोपी गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मसौढ़ी। पुनपुन थाना क्षेत्र के केवड़ा ओपी अंतर्गत सरैया गांव में महिला से कथित बदसलूकी का विरोध करना एक परिवार को भारी पड़ गया। आरोप है कि विरोध से नाराज आरोपियों ने देर रात पीड़ित परिवार के घर के बाहर पहुंचकर फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। इस संबंध में सरैया गांव निवासी आरती देवी के बयान पर केवड़ा ओपी में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपियों का खेत उनके घर के सामने है। खेत में काम करने के दौरान आरोपियों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। विरोध करने पर गाली-गलौज और धमकी दी गई।

पीड़िता के अनुसार, उसी विवाद से नाराज होकर देर रात जब परिवार के सभी सदस्य भोजन करने के बाद घर में सो रहे थे, तभी आरोपी घर के बाहर पहुंचे और फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से पूरे परिवार में अफरा-तफरी मच गई। भय के कारण परिवार के सदस्य पूरी रात घर के अंदर ही दुबके रहे। घटना की सूचना मिलते ही केवड़ा ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। ओपी प्रभारी सुबोध कुमार ने बताया कि त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी अविनाश और मनु को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों की तलाशी लेने पर उनके पास से दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस का कहना है कि फायरिंग की घटना के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। बरामद कारतूसों की भी जांच कराई जाएगी तथा मामले में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

'बाढ़ और सूखे से निपटने का पूरा रोडमैप तैयार'

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी ने राज्य सरकार के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर सरकार की उपलब्धियों, विकास कार्यों, बाढ़ और संभावित सूखे की तैयारियों सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने शुरुआती 100 दिनों में ही जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता साबित की है और बिहार की जनता ने 2025-30 के लिए एनडीए को जो जनादेश दिया है, सरकार उसी के अनुरूप काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों से एनडीए की सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास और सुशासन की दिशा में कार्य करती रही है। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद उनके अनुरोध पर भाजपा ने सरकार बनाई और सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बने।

केंद्र सरकार के साथ बेहतर समन्वय कर काम कर रहे सम्राटः विजय चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद सम्राट चौधरी ने हर मंच से स्पष्ट किया कि सरकार नीतीश कुमार के "न्याय के साथ विकास" और सुशासन की नीति को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी केंद्र सरकार के साथ बेहतर समन्वय बनाकर बिहार के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं और विकास की गति को लगातार तेज किया जा रहा है। राज्य की जनता सरकार के कार्यों से संतुष्ट है और विकास के सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहे हैं।

जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि विभाग ने इस वर्ष संभावित बाढ़ और अल्पवृष्टि दोनों परिस्थितियों से निपटने की व्यापक तैयारी कर ली है। बिहार में केवल स्थानीय बारिश से ही बाढ़ नहीं आती, बल्कि नेपाल और झारखंड में अधिक वर्षा होने पर भी राज्य में गंभीर बाढ़ की स्थिति बन जाती है। उन्होंने कहा कि उत्तर बिहार में नेपाल में होने वाली बारिश के कारण घाघरा, गंडक, कोसी और महानंदा जैसी नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ जाता है, जबकि दक्षिण बिहार में झारखंड में अधिक वर्षा होने पर नदियां उफान पर आ जाती हैं। पिछले वर्ष नालंदा, जहानाबाद सहित दक्षिण बिहार के कई जिले बाढ़ से अधिक प्रभावित हुए थे, लेकिन इस वर्ष फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और विभाग लगातार निगरानी कर रहा है। विजय चौधरी ने कहा कि सरकार ने नई योजना के तहत बाढ़ के दौरान अतिरिक्त पानी को नहरों और अन्य माध्यमों से जलाशयों में संग्रहित करने की व्यवस्था शुरू की है। इस संग्रहित पानी का उपयोग बाद में अल्पवृष्टि या सूखे की स्थिति में किसानों को सिंचाई के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। विभाग का उद्देश्य केवल बाढ़ नियंत्रण नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने कहा कि मौसम वैज्ञानिक एल नीनो के प्रभाव की आशंका जता रहे हैं, हालांकि मौसम संबंधी भविष्यवाणियां समय-समय पर बदलती रहती हैं। अपेक्षित बारिश नहीं होने के कारण सरकार किसी भी स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

मनरेगा मजदूरों की लंबित मजदूरी का शीघ्र भुगतान करे केंद्र सरकार : नायक

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने केंद्र सरकार से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत लंबित मजदूरी का अविलंब भुगतान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मजदूरों की मेहनत की कमाई को रोककर रखना गरीबों और ग्रामीण परिवारों के साथ अन्याय है। समय पर मजदूरी का भुगतान नहीं होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है और हजारों परिवार आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। मंगलवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में नायक ने कहा कि झारखंड का मनरेगा मद में बड़ा बकाया लंबित है, जिसमें मजदूरों की मजदूरी की भी उल्लेखनीय राशि शामिल है। उन्होंने कहा कि जिन श्रमिकों ने कठिन परिस्थितियों में काम किया है, उन्हें समय पर उनकी मजदूरी मिलना उनका अधिकार है और इसमें किसी प्रकार की देरी स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि झारखंड सहित कई राज्यों का लंबित भुगतान केंद्र सरकार को प्राथमिकता के आधार पर जारी करना चाहिए। नई योजनाओं और घोषणाओं से पहले पूर्व से लंबित भुगतान का निपटारा किया जाना आवश्यक है, ताकि मजदूरों को उनके परिश्रम का उचित प्रतिफल समय पर मिल सके। विजय शंकर नायक ने कहा कि यह खेती और बुआई का मौसम है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की उपलब्धता और समय पर मजदूरी का भुगतान किसानों एवं मजदूरों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि मजदूरी का भुगतान समय पर नहीं होगा तो इसका सीधा असर खेती-किसानी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान और मजदूर अब अपने अधिकारों तथा लंबित मजदूरी के भुगतान को लेकर जवाब मांग रहे हैं। केंद्र सरकार को इस दिशा में तत्काल पहल करते हुए बकाया राशि जारी करनी चाहिए, ताकि ग्रामीण परिवारों को आर्थिक राहत मिल सके और मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण रोजगार योजना पर लोगों का विश्वास बना रहे।

विधायक की पहल पर बीमार मासूम के इलाज के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से मिला एक लाख

पूर्वी सिंहभूम। घाटशिला प्रखंड के नयाग्राम निवासी संतोष कुमार मिश्रा, जो सब्जी बेचकर अपने परिवार का गुजारा करते हैं, अपनी चार माह की पुत्री विहा मिश्रा के इलाज के लिए लंबे समय से आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। गंभीर बीमारी से जूझ रही मासूम के उपचार में परिवार की पूरी जमा-पूंजी खर्च हो चुकी है, जिसके बाद उन्होंने जनप्रतिनिधियों से मदद की गुहार लगाई। मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू के प्रयासों से विहा मिश्रा के इलाज के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। बताया गया कि जन्म के कुछ ही दिनों बाद विहा मिश्रा को मेकोनियम एस्पिरेशन सिंड्रोम और राइट सबड्यूरल हेमाटोमा जैसी गंभीर चिकित्सकीय समस्याएं हो गई थीं। बच्ची की हालत गंभीर होने पर उसे मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कर ब्रेन सर्जरी करानी पड़ी। अब तक उसके इलाज पर लगभग 14 लाख रुपये खर्च हो चुके हैं, जबकि चिकित्सकों ने आगे एक और सर्जरी की आवश्यकता बताई है, जिसके लिए करीब पांच लाख रुपये अतिरिक्त चाहिए। आर्थिक तंगी से जूझ रहे संतोष कुमार मिश्रा ने अपनी पुत्री के इलाज के लिए विधायक पूर्णिमा साहू से सहायता की अपील की। मामले की गंभीरता को देखते हुए विधायक ने मुख्यमंत्री कार्यालय को पत्र भेजकर मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। बयान के अनुसार, विधायक की अनुशंसा पर मुख्यमंत्री कार्यालय ने विहा मिश्रा के उपचार के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से एक लाख रुपये की सहायता स्वीकृत करते हुए परिवार को चेक उपलब्ध कराया। विधायक पूर्णिमा साहू ने इसके लिए मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया तथा ईश्वर से मासूम विहा के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

सिलिकोसिस पर सेमिनार में योजना में संशोधन और एमजीएम की लंबित जांच पूरी कराने की उठी मांग

पूर्वी सिंहभूम। बिष्टुपुर स्थित बुद्धा मंदिर सभागार में मंगलवार को ऑक्यूपेशनल सेफ्टी एंड हेल्थ एसोसिएशन ऑफ झारखंड (ओशाज इंडिया) की ओर से सिलिकोसिस विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य में सिलिकोसिस पीड़ित श्रमिकों की स्थिति, सरकारी सहायता योजना की खामियों और चिकित्सा व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की गई। सेमिनार के दौरान संस्था के महासचिव समित कुमार कार ने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम के माध्यम से विस्तृत ज्ञापन भेजकर "कारखाना सिलिकोसिस लाभुक सहायता योजना, 2021" में व्यापक संशोधन की मांग की गई है। सेमिनार में विशेषज्ञ डॉ कुणाल कुमार दत्ता ने सिलिकोसिस की पहचान, वैज्ञानिक जांच पद्धति और समय पर उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने योजना का नाम बदलकर "झारखंड राज्य सिलिकोसिस चिन्हीकरण एवं लाभुक सहायता योजना" करने, सभी श्रमिकों को योजना में शामिल करने, मुआवजा राशि और मासिक पेंशन बढ़ाने, आवेदन की समय-सीमा समाप्त करने, सरकारी अस्पतालों की ओर से किए गए प्रारंभिक निदान को मान्यता देने एवं एमजीएम अस्पताल को 45 दिनों के भीतर सभी लंबित एक्स-रे की जांच पूरी करने का निर्देश देने की मांग दोहराई। सेमिनार में बताया गया कि ओशाज इंडिया ने वर्ष 2014 से 2025 के बीच पूर्वी सिंहभूम के चार प्रखंडों में 184 मृत और 652 सिलिकोसिस पीड़ित श्रमिकों की पहचान की है। संस्था ने मुख्यमंत्री से राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप त्वरित कार्रवाई कर पीड़ित श्रमिकों और उनके परिवारों को न्याय दिलाने की अपील की।

हूल क्रांति के शहीदों को कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि, उनके आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

खूंटी। हूल क्रांति के महानायकों सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो सहित सभी आदिवासी शहीदों को मंगलवार को जिला कांग्रेस कमिटी, खूंटी की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा की अध्यक्षता में सांसद कालीचरण मुंडा के आवासीय जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि हूल क्रांति केवल अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह नहीं थी, बल्कि जल, जंगल, जमीन और स्वाभिमान की रक्षा का ऐतिहासिक आंदोलन था। उन्होंने कहा कि सिद्धू-कान्हू का बलिदान आज भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जनसेवा के लिए प्रेरित करता है। सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि हूल के वीर शहीदों का त्याग झारखंड की पहचान है। उन्होंने कहा कि उनके आदर्शों पर चलते हुए कमजोर, आदिवासी और वंचित वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मौके पर प्रदेश सहकारिता प्रकोष्ठ के नईमुद्दीन खान, आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, जिला महासचिव गोपाल भगत, जिला प्रवक्ता सह उपाध्यक्ष रविकांत मिश्रा सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झारखंड में एक से चार जुलाई तक तेज बारिश और आंधी की चेतावनी, ऑरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी। रांची

झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। इसे देखते हुए रांची स्थित भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के अधिकांश हिस्सों में 01 जुलाई से 04 जुलाई तक तेज बारिश, तेज हवाओं और वज्रपात की आशंका जताई है। मौसम विभाग ने इस अवधि के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने और खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के विभिन्न जिलों में इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ ही कई इलाकों में गरज के साथ बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है। मौसम विभाग ने कहा है कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते हुए नागरिक विशेष सावधानी बरतें। विभाग के अनुसार, 02 जुलाई और 06 जुलाई को राज्य के उत्तर-पूर्वी, दक्षिणी तथा मध्यवर्ती जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान पूरे राज्य में गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए येलो अलर्ट भी जारी किया है। विभाग ने किसानों, खुले स्थानों पर काम करने वाले लोगों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। खराब मौसम के दौरान पेड़ों के नीचे खड़े होने, खुले मैदानों में रहने और बिजली के खंभों के पास जाने से बचने की सलाह दी गई है। पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो राज्य में सबसे अधिक 64.5 मिलीमीटर वर्षा पश्चिमी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में दर्ज की गई। वहीं अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज हुआ। दोपहर बाद हल्की बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। दिनभर आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही, जिससे तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। राज्य के प्रमुख शहरों के तापमान पर नजर डालें, तो रांची में अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 36.8 डिग्री और न्यूनतम 24.8 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 39.4 डिग्री और न्यूनतम 24.4 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 33.1 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री, जबकि चाईबासा में अधिकतम 36.4 डिग्री और न्यूनतम 24.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में मानसूनी गतिविधियां जारी रहने का अनुमान जताया है। विभाग ने लोगों से मौसम संबंधी ताजा अपडेट पर नजर रखने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

क्षत्रिय महासंघ ने की हिमांशु पर हमले की निंदा, दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

एजेंसी। रांची

झारखंड क्षत्रिय महासंघ ने जमशेदपुर में हिमांशु सिंह और प्रत्युष कुमार पर हुए चाकू से जानलेवा हमले की घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है। महासंघ ने इस घटना पर दुख जताते हुए राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सरकार और प्रशासन यदि दोषियों के विरुद्ध ठोस त्वरित कार्रवाई नहीं करती है तो महासंघ की ओर से राजपूत समाज उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की होगी। उन्होंने कहा कि इस हत्याकांड की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। लोकतंत्र में इस प्रकार की हिंसक घटनाओं का कोई स्थान नहीं है। ऐसी घटनाएं समाज में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा करती हैं। राजपूत समाज में असुरक्षा का भाव महसूस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन समय रहते सक्रियता दिखाता तो स्थिति को नियंत्रित किया जा सकता था। इस घटना ने कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। महासंघ ने कहा कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। जितेंद्र सिंह ने सरकार और प्रशासन से पीड़ित परिवार को न्याय और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि समाज में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतनी होगी।

उपायुक्त ने किया ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

एजेंसी। रांची

रांची के उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने मंगलवार को नगड़ी स्थित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, रखरखाव और भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुरूप की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने वेयरहाउस में ईवीएम और वीवीपैट मशीनों के सुरक्षित रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था तथा अभिलेखों के संधारण की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से वेयरहाउस में उपलब्ध सुरक्षा प्रबंधों और नियमित निगरानी व्यवस्था की भी जानकारी ली। उपायुक्त ने उप निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि ईवीएम वेयरहाउस के संचालन और रखरखाव से संबंधित भारत निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा और पारदर्शी रखरखाव निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए सुरक्षा, निगरानी और अभिलेखों के रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की समग्र व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि नियमित निरीक्षण की प्रक्रिया जारी रखी जाए तथा आयोग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

हत्या मामले में थाना प्रभारी आलोक दुबे निलंबित, निरंजन कुमार बने नए प्रभारी

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

शहर में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर सख्त रुख अपनाते हुए पूर्वी सिंहभूम के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पीयूष पांडेय ने मंगलवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। बिष्टुपुर थाना क्षेत्र स्थित डीडी बार के सामने हुए चर्चित हिमांशु सिंह हत्याकांड और उसी घटना में प्रत्युष कुमार पर हुए जानलेवा हमले के बाद बिष्टुपुर थाना प्रभारी आलोक दुबे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। विभागीय समीक्षा में थाना स्तर पर लापरवाही सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई। एसएसपी की ओर से जारी आदेश के अनुसार पुलिस निरीक्षक निरंजन कुमार को बिष्टुपुर थाना का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। वहीं गोलमुरी यातायात थाना प्रभारी कुमार सरयू आनंद को बर्मामाइंस थाना का नया प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा बिष्टुपुर साइबर थाना के प्रभारी मो. कुदूस को गोलमुरी यातायात थाना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार शहर में बढ़ते अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने और कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से यह प्रशासनिक बदलाव किया गया है। खास तौर पर बिष्टुपुर और बर्मामाइंस थाना क्षेत्रों में सोमवार को हुई गंभीर आपराधिक घटनाओं ने पुलिस प्रशासन की चिंता बढ़ा दी थी। बिष्टुपुर में हिमांशु सिंह की हत्या और प्रत्युष कुमार पर जानलेवा हमला, जबकि बर्मामाइंस थाना क्षेत्र में ट्रक चालक के साथ हथियार के बल पर लूटपाट की घटना के बाद दोनों थाना क्षेत्रों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हिमांशु सिंह हत्याकांड की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। मामले से जुड़े सभी पहलुओं की गहन पड़ताल की जा रही है और जांच में जो भी पुलिसकर्मी या अन्य व्यक्ति दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही शहर में अपराध नियंत्रण के लिए गश्त, वाहन जांच और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की निगरानी भी बढ़ाई जा रही है।

शराब के साथ एक गिरफ्तार

एजेंसी। खूंटी

खूंटी पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अड़की के हब्लू डब्लू नामक फास्ट फूड दुकान और उसके घर पर सोमवार को छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध देसी एवं विदेशी शराब बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) खूंटी को गुप्त सूचना मिली थी कि अड़की के हब्लू डब्लू नामक फास्ट फूड दुकान में अवैध शराब की बिक्री की जा रही है तथा दुकान संचालक ने अपने घर में भी बड़ी मात्रा में शराब का भंडारण कर रखा है। सूचना के आधार पर एसडीपीओ मंगल सिंह जामुदा के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया, जिसमें अड़की थाना के पुलिस पदाधिकारी अरुण कुमार एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दुकान से भारी मात्रा में बीयर एवं विदेशी शराब बरामद की। पूछताछ के बाद आरोपित की निशानदेही पर उसके घर में भी छापेमारी की गई, जहां से बड़ी मात्रा में देसी और विदेशी शराब बरामद हुई। छापेमारी के दौरान गॉड फादर, किंगफिशर, ओल्ड मोंक, आइकॉनिक व्हाइट, रॉयल चैलेंज, ब्लेंडर्स प्राइड, रॉयल झारखंड, 8 पीएम, बी-7, मैजिक मोमेंट और रॉयल स्टैग सहित विभिन्न ब्रांडों की कुल 463 छोटी-बड़ी शराब की बोतलें बरामद की गईं। पुलिस ने बताया कि अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है तथा क्षेत्र में इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

साहिबगंज पेयजल योजना पर हाई कोर्ट सख्त, अपर मुख्य सचिव को स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश

एजेंसी। रांची

साहिबगंज की लगभग 70 करोड़ रुपये की पाइपलाइन आधारित पेयजल योजना से संबंधित जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने स्पष्ट किया कि करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित इस महत्वाकांक्षी योजना में किसी भी प्रकार की प्रशासनिक लापरवाही या अक्षमता स्वीकार नहीं की जा सकती। मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अपर मुख्य सचिव को स्वयं साहिबगंज जाकर योजना का स्थलीय निरीक्षण करने और 24 जुलाई तक विस्तृत अनुपालन रिपोर्ट अदालत में दाखिल करने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि इस जिम्मेदारी को किसी अन्य अधिकारी को नहीं सौंपा जा सकता और निरीक्षण स्वयं अपर मुख्य सचिव को ही करना होगा। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि 10 मार्च 2026 को पारित आदेश के अनुपालन में पाइपलाइन जलापूर्ति योजना का कार्य पूरा कर लिया गया है। सरकार ने यह भी दावा किया कि पाइपलाइन में रिसाव की समस्या को अदालत द्वारा दिए गए अतिरिक्त 45 दिनों की अवधि के भीतर दूर कर लिया गया है और योजना अब संचालित होने की स्थिति में है। हालांकि, याचिकाकर्ता की ओर से सरकार के इन दावों का विरोध किया गया। अदालत के समक्ष साहिबगंज नगर परिषद के 28 में से 21 वार्ड पार्षदों के बयान प्रस्तुत किए गए, जिनमें कहा गया कि पाइपलाइन जलापूर्ति योजना अभी तक पूर्ण रूप से लागू नहीं हुई है। उनके अनुसार कई स्थानों पर अब भी पाइपलाइन से पानी का रिसाव हो रहा है और बड़ी संख्या में लोगों को अब तक घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। दोनों पक्षों के परस्पर विरोधी दावों को देखते हुए खंडपीठ ने मामले की वस्तुस्थिति का प्रत्यक्ष सत्यापन कराने का निर्णय लिया। अदालत ने निर्देश दिया कि अपर मुख्य सचिव, विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ, साहिबगंज नगर परिषद की अध्यक्ष तथा आवश्यकता पड़ने पर अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से योजना का निरीक्षण करें। साथ ही निरीक्षण के दौरान याचिकाकर्ता के प्रतिनिधि को भी उपस्थित रहने की अनुमति देने का निर्देश दिया गया। सुनवाई के दौरान अदालत ने टिप्पणी की कि सरकार इस योजना पर लगभग 70 करोड़ रुपये अथवा उससे अधिक की सार्वजनिक धनराशि खर्च कर चुकी है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना राज्य की जिम्मेदारी है कि योजना का वास्तविक लाभ आम लोगों तक पहुंचे। अदालत ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य साहिबगंज के प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है और यदि योजना धरातल पर अपेक्षित परिणाम नहीं दे रही है तो इसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई 2026 निर्धारित करते हुए निर्देश दिया कि उससे पहले निरीक्षण रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत की जाए, ताकि योजना की वास्तविक स्थिति के आधार पर आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जा सके।

हूल दिवस पर पूर्व मंत्री ने सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को भुईयांडीह स्थित वीर शहीद सिद्धू-कान्हू चौक में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां ने हूल विद्रोह के महानायक अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगना फूलो-झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पूजा-अर्चना कर देश और समाज के लिए उनके अतुलनीय बलिदान को स्मरण किया गया। इस अवसर पर दुलाल भुईयां ने कहा कि हूल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि अन्याय, शोषण और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष की अमर गाथा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जब देश में शोषित और वंचित समाज के सामने कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा था, तब आदिवासी समाज के वीर सपूतों ने अन्याय के खिलाफ बिगुल फूंका और अपने प्राणों की आहुति देकर स्वतंत्रता और स्वाभिमान की अलख जगाई। उन्होंने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और वीरांगना फूलो-झानो का बलिदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। पूर्व मंत्री ने कहा कि आज भी समाज में जहां कहीं भी कमजोर और वंचित वर्गों के अधिकारों का हनन होता है, वहां संघर्ष और परिवर्तन की शुरुआत प्रतिरोध से ही होती है। उन्होंने कहा कि क्रांति की आग कभी बुझती नहीं है और उसे कोई बुझा भी नहीं सकता। यह चिंगारी सदैव समाज को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देती रहती है।

उन्होंने कहा कि झारखंड वीरों की धरती है और यहां के महान स्वतंत्रता सेनानियों तथा जननायकों के कारण ही इस राज्य की पहचान पूरे देश में गौरव के साथ होती है। उन्होंने सभी लोगों से इन महापुरुषों के आदर्शों को आत्मसात कर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही, जमशेदपुर पूर्वी की विधायक श्रीमती पूर्णिमा दास साहू, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा, विधायक प्रतिनिधि गुंजन यादव, चंद्रशेखर मिश्रा सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि सभा में निमाई मंडल, मन्नू मंडल, कुंज बिभार, कमल राम यादव, सुनील दास, लुलु मंडल, नारायण श्यामल, धीरेन्द्र सिंह, महादेव सेन, अमित दास, अशोक कुमार, सदानन्द टोप्पो, सुबोल प्रमाणिक, विशाल नायक भुईयां, बादल भुईयां, लक्खी भुईयां,भूदुल भुईयां, सपन भुईयां, मथुरा भुईयां समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और हूल विद्रोह के अमर शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की।

पत्नी की हत्या करने के बाद पति ने की खुदकुशी

एजेंसी। खूंटी

खूंटी जिले के सायको थाना क्षेत्र अंतर्गत जिलिंगकल हितडीह गांव में घरेलू विवाद में शुक्रवार को एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी के डंडे से मारकर हत्या कर दी। घटना के कुछ समय बाद उसने भी गांव के बाहर एक पेड़ से फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। परिजनों के अनुसार लुंदा मुंडा (70) और उनकी पत्नी गुरमी मुंडा उर्फ मंगरी मुंडा (65) शुक्रवार को सायको साप्ताहिक हाट गए थे। घर लौटने के बाद रात में किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि आवेश में आकर लुंदा मुंडा ने कुल्हाड़ी के डंडे से पत्नी के सिर पर वार कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के कुछ देर बाद लुंदा मुंडा गांव के बाहर गया और एक पेड़ से फंदा लगाकर उसने खुदकुशी कर ली। मृतक का बेटा जो बाहर रहता है, सोमवार को जब गांव लौटा, तो उसे घटना की जानकारी मिली। उसने पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना मिलने पर सायको थाना पुलिस मंगलवार को मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच पड़ताल कर दोनों शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

नसरापुर कांड में दोषी को मौत की सजा

उपमुख्यमंत्री शिंदे बोले- महाराष्ट्र में कानून का राज

नसरापुर , एजेंसी। नसरापुर यौन शोषण मामले के दोषी पाए गए भीमराव कांबले (65) को पुणे जिला सत्र न्यायालय ने फांसी की सजा सुनाई है। इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अदालत के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने इसे एतिहासिक फैसला करार दिया है। इस फैसले का सभी पार्टियों के नेताओं ने सराहना की है। नसरापुर कांड का मामला सोमवार को विधानसभा में भी गूंजा। मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि अदालत ने 60 दिन में आरोपी को सजा सुनाई है। यह राज्य का पहला ऐसा मामला है जो सबसे तेजी से सुलझाया गया है।, मैं जस्टिस एसआर सालुंखे का खास तौर पर शुक्रगुजार हूं। पुलिस ने बहुत कम समय में केस की जांच की। सबूत इकट्ठा किए गए। कोर्ट ने भी लगातार सुनवाई के बाद फैसला सुनाया है। सिर्फ 14 दिनों में चार्जशीट फाइल की गई। केवल 16 दिनों में 55 गवाहों से पूछताछ और क्रॉस-एग्जामिनेशन किया गया।

न मिले हत्यारों को राहत : नीलम गोरहे

शिवसेना (शिंदे गुट) की नेता नीलम गोरहे ने कहा कि इस सरकार ने महिलाओं के लिए कई अहम फैसले लिए हैं। ऐसे अमानवीय अपराधों में समय पर न्याय मिलना बहुत जरूरी है। इससे न्यायपालिका पर लोगों का भरोसा मजबूत होता है। सरकार को हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी इस मामले की अच्छे से पैरवी करनी चाहिए, ताकि आरोपियों को ङ्क कोई राहत न मिले। कोई अपील वर्षों तक लंबित न रहे।

नराधमों को दो चौराहे पर फांसी : सुप्रिया सुले

राकांपा (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने कोर्ट पुलिस और मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।
उन्होंने कहा कि एसे नराधमों को चौराहे पर फांसी दी जानी चाहिए। जिस दिन यह कुरी घटना हुई सामने आई थी, हमने तय किया था कि इस मामले में राजनीति नहीं आएगी। हम मुख्यमंत्री से मिले थे और उन्होंने हमससे वादा किया था कि आरोपी को कड़ी सजा मिलेगी।

महाराष्ट्र में कानून का राज डीसीएम: शिंदे

एकनाथ शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र में कानून का राज है और यहां यहां अपराधियों को कोई छूट नहीं है। इस मामले में न्याय हुआ है। यह उन लोगों के लिए चेतावनी है जो महिलाओं और लड़कियों पर जुल्म करते हैं। भविष्य में कोई भी ऐसा घिनौना काम करने की हिम्मत नहीं करेगा। ऐसे कातिली के लिए समाज या कानून के राज में कोई जगह नहीं है।

---

30 साल पुराने विवाद का अंत!

हरियाणा-राजस्थान के बीच यमुना जल पर हुआ ऐतिहासिक समझौता

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा-राजस्थान के बीच लंबे समय से चले आ रहे यमुना जल परियोजना को लेकर समझौता हो गया है। सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह अमित शाह की मौजूदगी में दोनों राज्य सरकारों के बीच समझौते पर हस्ताक्षर हुआ। इस दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल मौजूद रहे।

30 साल पुराने विवाद का समाधान- समझौते पर अमित शाह ने बताया कि दोनों राज्यों के बीच करीब 30 साल से चली आ पानी की समस्या का समाधान हो गया है। शाह ने इस समझौते पीएम मोदी के संवाद से समाधान और सहकारी संघवाद के मंत्र का उदाहरण बताया। अमित शाह के अनुसार, अगर राज्य चाहें तो मिलकर काम करके पुरानी समस्याओं का भी समाधान निकाल सकते हैं। समझौते में दोनों प्रदेशों को लाभ होगा।

सरकार ने बताया ऐतिहासिक- समझौते की जानकारी हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सैनी ने अपने एक्स हैंडल के माध्यम से साझा किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आज नई दिल्ली में हरियाणा और राजस्थान के बीच ऐतिहासिक जल समझौता (MO) हुआ।

संक्षिप्त समाचार

आरएसएस पर टिप्पणी पड़ी भारी, प्रियांक खरगे और मोहम्मद नलपाड को कोर्ट का समन

21 जुलाई तक मांगा जवाब

बेंगलुरु , एजेंसी। यूथ कांग्रेस नेता मोहम्मद नलपाड और कर्नाटक सरकार में गृह मंत्री प्रियांक खरगे को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर टिप्पणी मामले में कोर्ट ने समन जारी किया है। 27 जून को बेंगलुरु की कोर्ट ने समन जारी करते हुए दोनों से 21 जुलाई को उनका जवाब मांगा है। आरएसएस के खिलाफ टिप्पणी

मामले में प्रियांक खरगे के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दर्ज कराई गई थी। इस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट द्वारा समन जारी किया गया है। मामले की सुनवाई करते हुए एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट संदीप पाटिल ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 356 के तहत माना कि प्रियांक खरगे और नलपाड के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला बनता है।

कोर्ट ने दिया आदेश

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि बीएनएस की धारा 356 के तहत प्रियांक खरगे और मोहम्मद नलपाड के खिलाफ दंडनीय अपराध का संज्ञान लिया गया है। कोर्ट ने कार्यालय को निर्देश दिया कि इस मामले को आपराधिक मामले के तहत दर्ज करें और दोनों आरोपियों को समन जारी करे। कोर्ट ने इसका जवाब 21 जुलाई, 2026 तक देने का निर्देश दिया है।

संगठन ने महात्मा गांधी को बनाया निशाना: खरगे

प्रियांक खरगे ने आरएसएस पर आरोप लगाते हुए कहा कि संगठन ने महात्मा गांधी को भी निशाना बनाया था। संघ पर तंज कसते हुए खहगे ने बताया कि जो लोग भी देश के संविधान में विश्वास रखता है, धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों का पालन करता है, तिरंगे का सम्मान करता है, वे उसे निशाना बनाते हैं। उन्होंने बताया कि संघ ने हमेशा उन लोगों को भी निशाने पर लिया जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई की, उनके खिलाफ खड़े थे, जबकि वे खुद ही अंग्रेजों के साथ थे।

देवेंद्र फडणवीस प्रधानमंत्री पद की दावेदारी करेंगे, तो मैं दूंगा समर्थन: उद्धव ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सोमवार को कहा कि वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हितैषी हैं और यदि वह प्रधानमंत्री बनने की आकांक्षा रखते हैं तो वह उनका समर्थन करेंगे। शिरडी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा, अगर वह (फडणवीस) सोचते हैं कि मैं उनका दुश्मन हूं, तो बता दूं कि मैं उनका हितैषी हूं। मैं उनके मन की बात कर रहा हूं। ठाकरे ने दावा किया कि ऐसी योजनाएं बनाई जा रही हैं, जिससे 2029 में फडणवीस प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल न हो सकें। उन्होंने कहा, अगर महाराष्ट्र का कोई व्यक्ति प्रधानमंत्री बनने जा रहा है, तो मेरी पार्टी उसका समर्थन क्यों नहीं करेगी।

तंज भी कस दिया- ठाकरे ने हालांकि कहा कि अगर फडणवीस प्रधानमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी की घोषणा करते हैं तो यह भाजपा में उनके लिए राजनीतिक आत्महत्या करने जैसा होगा। उन्होंने कहा, अगर फडणवीस यह घोषणा करते हैं कि वह प्रधानमंत्री पद की तैयारी कर रहे हैं, तो क्या वह अपनी पार्टी में बने भी रह पाएंगे?

दल बदलू सांसदों पर क्या बोले- शिरडी में आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि जिस पार्टी में लोकसभा सदस्य भाऊसाहेब वाकचौरे गए हैं।

अप्रैल 2027 से काम शुरू होगा; 5-8 घंटे का सफर 30 मिनट में पूरा होगा

2029 से अमरनाथ के लिए केबल कार चलाने की तैयारी

श्रीनगर, एजेंसी। अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालु 2029 से बालटाल रूट पर केबल कार से सफर कर सकेंगे। केंद्र सरकार अगले साल अप्रैल से 11.6 किमी लंबे रोपवे प्रोजेक्ट का निर्माण शुरू करने की तैयारी में है। परियोजना पूरी होने के बाद बालटाल से संगम टॉप तक पहुंचने में 5 से 8 घंटे की जगह 25 से 30 मिनट लगेंगे। नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड ने प्रोजेक्ट की डीपीआर तैयार कर ली है। इसे केंद्र सरकार की मंजूरी मिल चुकी है। सूत्रों के मुताबिक नवंबर-दिसंबर में टेंडर जारी किए जाएंगे। अप्रैल 2027 से निर्माण शुरू होगा। 2029 तक इसे चालू करने का लक्ष्य है।

केबल कार बालटाल के डोमेल गेट से चलकर संगम टॉप तक जाएगी। मुख्य गुफा और प्राकृतिक बर्फ के शिवलिंग की संवेदनशीलता को देखते हुए इसका आखिरी स्टेशन गुफा से करीब 2द्मद्व पहले बनाया जाएगा। अभी बालटाल से अमरनाथ गुफा तक 14द्मद्व पैदल चढ़ाई करनी पड़ती है। केबल कार शुरू होने के बाद श्रद्धालुओं को सिर्फ 2-3किमी पैदल या पालकी से जाना होगा।

पैदल ट्रैक के समानांतर रोपवे नहीं बनेगा

सूत्रों के मुताबिक रोपवे मौजूदा पैदल मार्ग के बिल्कुल समानांतर नहीं बनेगा। इसे पहाड़ियों और गहरी खाइयों के ऊपर से सीधी हवाई लाइन में बनाया जाएगा। हालांकि, इसके टर्मिनल पैदल मार्ग से जुड़े रहेंगे, ताकि किसी आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाला जा सके।

1. **इस प्रोजेक्ट को कौन तैयार कर रहा है-** यह केंद्र सरकार की पर्वतमाला योजना के तहत बनाया जा रहा है। निर्माण की जिम्मेदारी सड़क परिवहन मंत्रालय की नोडल एजेंसी नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड के पास है।
2. **प्रोजेक्ट का अनुमानित बजट कितना है-** डीपीआर के मुताबिक इस परियोजना पर करीब ?1,200 करोड़ खर्च होंगे। यह जम्मू-कश्मीर में पहले चरण में बनने वाले 16 हजार करोड़ के 8 बड़े रोपवे प्रोजेक्ट का हिस्सा है।
3. **क्या अमरनाथ गुफा सालभर जा सकेंगे-** केबल कार ऑल-वेदर तकनीक से लैस होगी और तेज हवा व बर्फबारी में भी चल सकेगी। लेकिन सर्दियों में संगम टॉप से गुफा तक का 2-3द्मद्व पैदल रास्ता भारी बर्फ से बंद रहता है। इसलिए यात्रा गर्मियों के सीजन में ही संभव होगी।
4. **फिर केबल कार का सबसे बड़ा फायदा क्या होगा-** बालटाल से गुफा तक पहुंचने का समय 5-8 घंटे से घटकर 25-30 मिनट रह जाएगा। डीपीआर के मुताबिक प्रति घंटे 1,500 से 2,000 श्रद्धालु सफर कर सकेंगे। यानी एक दिन में करीब 20 हजार श्रद्धालुओं के आने-जाने की क्षमता होगी। अभी बालटाल रूट से रोज 10 हजार श्रद्धालुओं को ही यात्रा की अनुमति मिलती है।
5. **हर केबिन में कितने लोग बैठ सकेंगे-** ब्लूप्रिंट के मुताबिक 30 से 50 बंद केबिन वाली केबल कारें चलाई जाएंगी।

---

20 हजार लीटर पानी से नहाते हुए इंदौर जाएगा हिप्पो, 700 किमी का होगा खास सफर

कानपुर , एजेंसी। कानपुर चिड़ियाघर का दरियाई घोड़ा सतीश जल्द ही एनिमल एक्सचेंज के तहत इंदौर चिड़ियाघर भेजा जाएगा। हालांकि ये सफर खास होगा। दरअसल, करीब 700 किलोमीटर लंबे सफर के दौरान उसके शरीर को नम बनाए रखने के लिए लगातार पानी की बौछार की जाएगी, जिसमें लगभग 20 हजार लीटर पानी खर्च होगा।

कानपुर चिड़ियाघर में शेरों के कुनबे में बीते आठ वर्षों से कोई नया सदस्य नहीं जन्मा है। कुनबा बढ़ाने के लिए चिड़ियाघर प्रशासन ने इंदौर से शेरनी लाने की तैयारी की है। इसी क्रम में चिड़ियाघर प्रशासन कानपुर से हिप्पो सतीश को इंदौर भेजा जाएगा। एनिमल एक्सचेंज की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इंदौर चिड़ियाघर प्रशासन हिप्पो के लिए विशेष पिंजड़ा बनवा रहा है, जो उसकी लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई के हिसाब से 8 बाई 5 बाई 5.5 फीट का है। पिंजड़े में उठने-बैठने की जगह होगी। ज्यादा बड़ा पिंजड़ा होने से जानवरों के घायल होने का खतर रहता है।

हिप्पो का शरीर नम रखने को पानी के विशेष इंतजाम- दरियाई घोड़ा (हिप्पोपोटेमस) उभयचर प्रजाति का प्राणि होता है। यह पानी और जमीन दोनों जगह रहता है। हालांकि, 80 प्रतिशत समय पानी में ही गुजारते हैं।

मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर बस-ट्रक की भीषण टक्कर

4 यात्रियों की मौत

मथुरा , एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे के तहत मथुरा जिले में सोमवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा देखने को मिला है। आगरा से नोएडा जा रही एक तेज रफ्तार प्राइवेट वोल्वो बस अनियंत्रित होकर गिट्टी से भरे ट्रेलर में पीछे से जा घुसी। इस दर्दनाक हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 19 से 25 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार गोला बस सर्विस की यह बस करीब 65 यात्रियों को लेकर लखनऊ से दिल्ली जा रही थी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस और प्रशासन ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इस दुर्घटना ने सुरक्षित ड्राइविंग की अहमियत को उजागर किया है।

कैसे हुआ यह भयानक हादसा

पुलिस के अनुसार यह दर्दनाक सड़क हादसा सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात करीब 3:30 से 4:00 बजे के बीच हुआ है। यह घटना राया थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक्सप्रेसवे के माइलस्टोन 111-113 के पास घटी है। आशंका जताई जा रही है कि बस चालक को नींद का झोंका आ गया था। इसी वजह से नियंत्रण खो गया और तेज रफ्तार बस सीधे ट्रेलर में जा टकराई।

प्रशासन ने बनाया ग्रीन कॉरिडोर

दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, सुरक्षाकर्मी और राहत दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए। मथुरा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अपनी टीम के साथ वहां मोर्चा संभाल लिया। प्रशासन ने घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए अस्पताल तक एक विशेष ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया। इससे सभी घायलों को बिना देरी के जल्द से जल्द बेहतर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया जा सका।

मृतकों की शिनाख्त की कोशिश जारी- एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में शिफ्ट किया गया जहां 19 से अधिक लोगों का इलाज चल रहा है। पुलिस ने चारों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी तक इन मृत लोगों की सही पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस उनके सामान और साथी यात्रियों की मदद से शिनाख्त करने का पूरा प्रयास कर रही है।

क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाया गया

जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी स्थिति को संभालने के लिए मौके पर लगातार डटे हुए हैं और राहत कार्य जारी है। पुलिस ने क्रेन की मदद से बस और ट्रेलर जैसे भारी क्षतिग्रस्त वाहनों को वहां से हटा दिया है। इन वाहनों को हटाने के बाद एक्सप्रेसवे पर यातायात को नियमित रूप से बहाल कर दिया गया है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए कानूनी जांच शुरू हो गई है।

बंगाल विधानसभा में नया सुरक्षा बिल पास

गुंडागर्दी करने वालों की संपत्ति होगी जब्त; 1 साल की होगी जेल

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा में सोमवार दोपहर पश्चिम बंगाल सार्वजनिक सुरक्षा और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण बिल, 2026 बहुमत से पास किया गया। इस बिल का मकसद राज्य में भ्रष्टाचार, असामाजिक और उपद्रवी गतिविधियों को रोकना है। सत्ताधारी भाजपा खेमे से 176 विधायकों ने बिल के पक्ष में वोट किया। 41 विधायकों ने बिल के खिलाफ वोट किया, जबकि बाकी 20 विधायकों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया।

जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और संगठित असामाजिक गतिविधियों पर कड़ा नियंत्रण रखने के मकसद से लाए गए इस बिल की खासियत यह है कि यह असामाजिक गतिविधियों से निपटने वाले भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 के अलग-अलग प्रावधानों से दो मुख्य बातों में अलग है।

'प्रिवेंटिव डिटेंशन' का प्रावधान

पहली बात यह है कि अगर किसी व्यक्ति को जनता की सुरक्षा के लिए खतरा माना जाता है, तो कानून बनने के बाद यह बिल उसे एक साल तक के लिए 'प्रिवेंटिव डिटेंशन' (एहतियाती हिरासत) में रखने की इजाजत देगा। दूसरी बात यह है कि यह राज्य सरकार को ऐसे अपराध में शामिल व्यक्ति की संपत्ति जब्त करने का अधिकार देता है, जिसके लिए बीएनएस के संबंधित प्रावधानों का इस्तेमाल किया जा सकता है।

पहले प्रावधान यानी 'प्रिवेंटिव डिटेंशन' को लागू करने के लिए एक एडवाइजरी बोर्ड बनाया जाएगा। यह बोर्ड तय करेगा कि किसी खास व्यक्ति को हिरासत में रखना सही है या नहीं। एडवाइजरी बोर्ड 'प्रिवेंटिव डिटेंशन' के औचित्य की जांच करेगा। हिरासत में लिए गए व्यक्ति को बोर्ड के सामने अपना पक्ष रखने के लिए एक प्रतिनिधि नियुक्त करने का अधिकार होगा। एडवाइजरी बोर्ड के प्रमुख कलकत्ता हाईकोर्ट के मौजूदा या पूर्व जज होंगे। इसमें दो अन्य सदस्य भी होंगे जो हाईकोर्ट के जज बनने की योग्यता रखते हों।

पुलिस को मिलेगा अधिकार

नया कानून पुलिस को यह अधिकार भी देगा कि अगर उन्हें शक हो कि कोई व्यक्ति अशांति फैला सकता है, तो वे उसे किसी खास इलाके से निकाल सकते हैं या वहां आने से रोक सकते हैं। यह कानून इसे लागू करने में शामिल पुलिसकर्मियों और सरकारी कर्मचारियों को भी सुरक्षा देगा।

आपराधिक लोगों के लिए लाया गया बिल: मुख्यमंत्री- इतना कड़ा बिल लाने की जरूरत पर बात करते हुए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सदन में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली और तृणमूल कांग्रेस की पिछली सरकार के दौरान हुई गुंडागर्दी और हिंसा की घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने 'प्रिवेंटिव डिटेंशन' को लेकर जताई जा रही चिंताओं को भी दूर किया और कहा कि यह प्रावधान 'सज्जन लोगों' के लिए नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए है जिनका आपराधिक इतिहास रहा है।

गड़चिरोली फर्जी मंजूरी घोटाला मामले का

मुख्य आरोपी गिरफ्तार

गड़चिरोली , एजेंसी। गड़चिरोली जिले में जिलाधिकारी के फर्जी लेटरहेड और हूबहू नकली हस्ताक्षर का उपयोग कर करीब 4 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लिए फर्जी प्रशासनिक स्वीकृति (प्रशासनिक मंजूरी) आदेश तैयार करने के बहुचर्चित मामले में पुलिस ने पहली बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी आशीष पिपरे को रविवार मध्यरात्रि छत्रपति संभाजीनगर से गिरफ्तार कर लिया है।

इस मामले में पुलिस को मंत्रालय के 2 कर्मचारियों सहित कुल सात लोगों की संलिप्तता का संदेह है। सूत्रों के अनुसार 2 भाजपा पदाधिकारियों के नाम भी चर्चा में हैं। जिससे प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है।

करीब एक सप्ताह से चल रही जांच के बाद की गई इस गिरफ्तारी को मामले में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। पुलिस अब इस पूरे फर्जीवाड़े की परत-दर-परत जांच कर रही है।

गिरफ्तार आशीष पिपरे चामोर्शी नगर पंचायत का मनोनीत पार्षद रह चुका है, जबकि उसकी पत्नी भाजपा की पार्षद है। हालांकि भाजपा जिला अध्यक्ष के अनुसार लगभग तीन महीने पहले ही पिपरे को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

और खुलासे होने की संभावना

जांच एजेंसियों को यह भी संदेह है कि इससे पहले भी इसी तरह के फर्जी प्रशासनिक स्वीकृति आदेशों के माध्यम से कई विकास कार्यों को मंजूरी दिलाने का प्रयास किया गया था। यदि यह आशंका सही साबित होती है तो मामला केवल एक फर्जी आदेश तक सीमित न रहकर एक बड़े संगठित रैकेट का रूप ले सकता है। जिलाधिकारी जैसे सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारी के नाम और हस्ताक्षर का दुरुपयोग कर सरकार को गुमराह करने के इस गंभीर मामले पर पूरे जिले की नजर बनी हुई है। पहली गिरफ्तारी के बाद अब यह जांच निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिखाई दे रही है। आने वाले दिनों में पुलिस जांच से इस बहुचर्चित फर्जीवाड़े से जुड़े कई और चौंकाने वाले खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

विचार-मंथन

संपादकीय

सीमा पार से सिर्फ घुसपैठ नहीं, भीतर तक फैलता सुरक्षा का खतरा

अब सीमा से पंद्रह किलोमीटर तक के क्षेत्र में हर अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी और शून्य सहनशीलता की नीति के तहत ऐसे निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा। गृहमंत्री अमित शाह ने साफ लहजे में पाकिस्तान सीमा के आसपास सुरक्षा के लिहाज से सख्त नीति अपनाने को कहा है। पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में घुसपैठ और इससे जुड़ी आतंकवाद की समस्या ने भारत को किस स्तर तक नुकसान पहुंचाया है, यह छिपा नहीं है। हालांकि सीमा पर तैनात सुरक्षा बल के जवान अपनी ओर से पूरी कोशिश करते हैं कि पाकिस्तानी ठिकानों से भारत में घुसपैठ करने वालों को रोकें, गिरफ्तार करें या फिर जरूरत पड़ने पर उन्हें निशाना बनाया जाए। विडंबना यह है कि आज भी सीमा पर भारत को अक्सर घुसपैठ और आतंकी हमलों का सामना करना पड़ता है।इसकी एक बड़ी वजह सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था के तार और निगरानी का तंत्र अपेक्षित स्तर पर मजबूत न होने को माना जाता रहा है। फिर सीमा पर स्थित रिहाइशी इलाकों में भी कई बार आतंकी सूत्रों से जुड़े लोगों की पहचान नहीं पाने के अपने जोखिम हैं। शायद यही वजह है कि गृहमंत्री अमित शाह ने साफ लहजे में पाकिस्तान सीमा के आसपास सुरक्षा के लिहाज से सख्त नीति अपनाने को कहा है।गौरतलब है कि राजस्थान के सीमावर्ती इलाके के आसपास के जिलों में सुरक्षा को लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने उच्चस्तरीय बैठक में भारत और पाकिस्तान सीमा के आसपास चौतरफा सुरक्षा योजना के तहत कई अहम निर्देश दिए हैं। इसके मुताबिक, अब सीमा से पंद्रह किलोमीटर तक के क्षेत्र में हर अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी और शून्य सहनशीलता की नीति के तहत ऐसे निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा। इस सख्ती की वजह मुख्य रूप से राजस्थान के सीमाई इलाके के जिलों में घुसपैठ, मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाना है। यह छिपा नहीं है कि सीमा से सटे क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से अलग-अलग रूप में होने वाली घुसपैठ अंतिम तौर पर भारत में आतंकवाद की जड़ों को मजबूत करती है।खासतौर पर सीमावर्ती इलाकों में अवैध रूप से रहने वाले कुछ लोग कई बार आतंकियों के लिए अप्रत्यक्ष सहायक के रूप में काम करते हैं। इनमें से कई लोग भ्रष्टाचार का सहारा लेकर न केवल स्थानीयता का फर्जी दस्तावेज बनवा लेते हैं, बल्कि संदिग्ध वित्तीय लेनदेन, अवैध गतिविधियों और सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी में भी लिप्त होते हैं।यह अकारण नहीं है कि आतंकवाद के खिलाफ चलने वाले अभियान के सामने अक्सर आंतरिक मोर्चों पर खड़ी जटिलताएं एक बड़ी चुनौती होती हैं। दरअसल, पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठनों ने सीमावर्ती इलाकों में अपना नेटवर्क खड़ा करने के लिए स्थानीय आबादी में घुसपैठ करके अपनी जगह बनाने को एक ढांचे के रूप में विकसित किया है। इसके अलावा, वे कारोबारी प्रतिष्ठानों से संपर्क साध कर भी आतंकी संगठनों के वित्तपोषण का एक संजाल खड़ा करते हैं।पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को शह देने का मुद्दा कई बार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भी उठ चुका है। भारत की ओर से लगातार चेतावनी और सख्ती के बावजूद सीमा पर घुसपैठ और आतंकवादी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगा पाना अब तक संभव नहीं हो सका है। पिछले वर्ष पहलगाम में पर्यटकों पर हमले से लेकर आतंकी वारदात की एक लंबी श्रृंखला रही है। इस लिहाज से देखें, तो सीमावर्ती इलाकों में आतंकी तत्वों या उनके लिए सहयोगी के रूप में काम करने वाले तंत्र के खिलाफ सख्ती एक जरूरी कार्रवाई है।

अल्पकाल में इससे ट्रंप की आक्रामक विदेश नीति की गति धीमी पड़ सकती है, लेकिन दीर्घकाल में यह अमेरिकी लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती का भी प्रमाण माना जाएगा। इसलिए विश्व राजनीति में इसका प्रभाव दोहरा होगा- एक ओर अमेरिकी निर्णयकता पर प्रश्न उठेंगे, दूसरी ओर अमेरिकी संवैधानिक व्यवस्था की विश्वसनीयता बढ़ेगी। वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है।

घरेलू मोर्चे पर झटके खा रहे ट्रंप पर पड़े असर के राजनीतिक व कूटनीतिक मायने

(कमलेश पांडे)

उल्लेखनीय है कि एक संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन के उस आदेश को असंवैधानिक बताते हुए रोक दिया, जिसमें मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण अनिवार्य करने की कोशिश की गई थी। अदालत ने कहा कि चुनावी नियम तय करना राष्ट्रपति का नहीं बल्कि राज्यों और कांग्रेस का अधिकार है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को हाल के दिनों में घरेलू मोर्चे पर दो बड़े झटके लगे हैं, जिनका असर उनकी राजनीतिक ताकत, चुनावी रणनीति और राष्ट्रपति पद की सीमाओं पर पड़ सकता है। लिहाजा विश्व राजनीति और कूटनीति पर भी इन घटनाओं का असर लाजिमी है। पहले हम बात करते हैं, उन दो बड़े झटके का-जहां पहला झटका- मतदान संबंधी आदेश पर अदालत की रोक का है, वहीं दूसरा झटका राष्ट्रपति की शक्तियों पर बढ़ता न्यायिक अंकुश है। उल्लेखनीय है कि एक संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन के उस आदेश को असंवैधानिक बताते हुए रोक दिया, जिसमें मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता का दस्तावेजी प्रमाण अनिवार्य करने की कोशिश की गई थी। अदालत ने कहा कि चुनावी नियम तय करना राष्ट्रपति का नहीं बल्कि राज्यों और कांग्रेस का अधिकार है। वहीं दूसरी ओर ट्रंप की कई नीतियां—जैसे व्यापक टैरिफ, दूसरी प्रशासनिक एजेंसियों पर नियंत्रण और कुछ आव्रजन कदम—अदालतों में चुनौती का सामना कर रही हैं। गौरतलब है कि इसी वर्ष अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने उनके व्यापक टैरिफ अधिकारों को खारिज करते हुए कहा कि कराधान और शुल्क निर्धारण का मूल अधिकार कांग्रेस के पास है। इसे ट्रंप के आर्थिक एजेंडे पर बड़ा आघात माना गया। यह स्थिति दुनिया के अघोषित थानेदार के लिए उचित नहीं है। इसके निम्नलिखित राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं पहला, मजबूत राष्ट्रपति की छवि को चुनौती- ट्रंप ने स्वयं को एक ऐसे नेता के रूप में प्रस्तुत किया है जो तेज़ी से निर्णय लेकर व्यवस्था बदल सकते हैं। अदालतों द्वारा बार-बार हस्तक्षेप होने से उनके समर्थकों के बीच यह धारणा बन सकती है कि संस्थागत ढांचा उनकी नीतियों को रोक रहा है। दूसरा, रिपब्लिकन आधार का और ध्रुवीकरण- ट्रंप इन फैसलों को न्यायिक सक्रियता या डीप स्टेट की बाधा बताकर अपने समर्थकों को और अधिक संगठित करने की कोशिश कर सकते हैं। इससे रिपब्लिकन मतदाता आधार में लामबंदी बढ़ सकती है। तीसरा, डेमोक्रेटिक पार्टी को राजनीतिक अवसर- डेमोक्रेट्स इन घटनाओं को संवैधानिक संस्थाओं की जीत और सत्ता के केंद्रीकरण पर अंकुश के रूप में पेश कर रहे हैं। इससे वे 2026 के मध्यावधि चुनावों में लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा का मुद्दा उठा सकते हैं। चौथा, कांग्रेस बनाम राष्ट्रपति की बहस तेज- टैरिफ और चुनावी नियमों पर आए फैसलों ने यह संदेश दिया है कि अमेरिकी व्यवस्था में राष्ट्रपति की शक्तियां असीमित नहीं हैं। इससे कार्यपालिका और कांग्रेस के बीच अधिकारों की खींचतान और बढ़ सकती है। पांचवां, 2026 मध्यावधि चुनावों पर प्रभाव- यदि ट्रंप अपनी प्रमुख नीतियों को लागू कराने में कठिनाई महसूस करते हैं, तो विपक्ष इसे प्रशासनिक विफलता बताएगा। वहीं ट्रंप समर्थक इसे व्यवस्था बनाम जनता की लड़ाई के रूप में प्रचारित कर सकते हैं। इसलिए ये झटके राजनीतिक रूप से नुकसान भी पहुंचा सकते हैं और ट्रंप के लिए सहानुभूति भी पैदा कर सकते हैं।

निष्कर्षत: यह कहा जा सकता है कि ये दोहरे झटके केवल कानूनी पराजय नहीं हैं। इनके केंद्र में अमेरिकी संविधान में राष्ट्रपति, कांग्रेस और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का संतुलन है। आने वाले महीनों में यह संघर्ष अमेरिकी राजनीति का प्रमुख विषय बन सकता है और 2026 के मध्यावधि चुनावों की दिशा भी प्रभावित कर सकता है। खास बात तो यह कि घरेलू मोर्चे पर ट्रंप की शक्तियों को मिले इन झटकों का प्रभाव केवल अमेरिकी राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि विश्व राजनीति और कूटनीति पर भी दूरगामी असर डाल सकता है।

पहला, अमेरिकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न : जब किसी राष्ट्रपति की प्रमुख नीतियां अदालतों या संस्थागत बाधाओं से रुकती हैं, तो सहयोगी और प्रतिद्वंद्वी दोनों देशों के मन में यह सवाल उठता है कि अमेरिका की घोषित नीतियां कितनी स्थायी हैं। इससे अमेरिकी वादों और समझौतों की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है।

दूसरा, टैरिफ कूटनीति की धार कमजोर : ट्रंप ने व्यापार शुल्क (टैरिफ) को विदेश नीति के एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया था। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उनके व्यापक टैरिफ अधिकारों को सीमित किए जाने से चीन, यूरोपीय संघ, भारत, कनाडा और मेक्सिको जैसे देशों पर दबाव बनाने की उनकी क्षमता कम हुई है।

तीसरा, चीन को रणनीतिक अवसर: यदि अमेरिकी राष्ट्रपति की आर्थिक और व्यापारिक शक्ति सीमित होती है, तो चीन स्वयं को अधिक स्थिर और दीर्घकालिक साझेदार के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश करेगा। इससे वैश्विक दक्षिण के देशों में चीन की कूटनीतिक सक्रियता बढ़ सकती है।

चौथा, यूरोप और भारत की सौदेबाजी क्षमता बढ़ेगी : यूरोपीय देशों और भारत जैसे उभरते देशों को यह संकेत मिला है कि अमेरिकी राष्ट्रपति अकेले बड़े व्यापारिक फैसले लागू नहीं कर सकते। इससे भविष्य की व्यापार वार्ताओं में इन देशों की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत हो सकती है।

पांचवां लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा मजबूत : विश्वभर के लोकतांत्रिक देशों के लिए यह संदेश गया है कि अमेरिका में अभी भी न्यायपालिका और संविधान राष्ट्रपति की शक्ति पर प्रभावी नियंत्रण रखते हैं। इससे रुल्स ऑफ लॉ और संस्थागत लोकतंत्र की अमेरिकी छवि को कुछ मजबूती मिली है।

छठा, प्रतिद्वंद्वी देशों का प्रचार तंत्र सक्रिय होगा: रूस, चीन और कुछ अन्य देश यह तर्क दे सकते हैं कि अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था आंतरिक संघर्षों और संस्थागत टकरावों से जूझ रही है। वे इसे अमेरिकी नेतृत्व की कमजोरी के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। हालांकि इसका वास्तविक प्रभाव सीमित रहेगा क्योंकि अमेरिकी संस्थागत व्यवस्था इसी प्रकार के संतुलन पर आधारित है।

सातवां, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को बल : यदि अमेरिका के भीतर निर्णय-प्रक्रिया धीमी और विवादास्पद होती है, तो अन्य शक्ति केंद्र—विशेषकर ब्रिक्स यूरोपियन यूनियन और सिंघई कारपोरेशन आग्रेजाइसन —अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अधिक सक्रिय भूमिका निभाने का प्रयास करेंगे। जहां तक इसके राजनीतिक निष्कर्ष की बात है, इन घटनाओं का सबसे बड़ा संदेश यह है कि अमेरिका में राष्ट्रपति की शक्ति असीमित नहीं है।

आत्मचिंतन का आईना, सफलता पर अहंकार न करें और असफलता में निराश न हों

(रश्मि वैभव गर्ग)

आत्मचिंतन का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह हमें परिस्थितियों का दास बनने के बजाय उनका स्वामी बनाता है। हम अपनी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करना सीखते हैं और जीवन को अधिक सकारात्मक दृष्टि से देखने लगते हैं। जिंदगी केवल सांस चलने भर का नाम नहीं है, बल्कि यह स्वयं को समझने और निरंतर बेहतर बनाने की यात्रा है। हम सभी जीवन में अनेक भूमिकाएं निभाते हैं, मसलन, माता-पिता, बेटा-बेटी, रिश्तेदार, मित्र, कर्मचारी या समाज का एक सदस्य। मगर सच यह भी है कि इन भूमिकाओं को निभाते-निभाते कई बार हम स्वयं से दूर हो जाते हैं। ऐसे में आत्मचिंतन हमें अपने भीतर लौटने का अवसर देता है। आत्मचिंतन का अर्थ अपनी दृष्टि से अपने पक्ष में तर्क जुटाना नहीं है, बल्कि यह अपने विचारों, भावनाओं, निर्णयों और व्यवहार का निष्पक्ष अवलोकन करना है। यह केवल स्वयं की कमियों को ढूंढ़ने का नहीं, बल्कि स्वयं को समझने का माध्यम है। जब हम दिनभर की घटनाओं पर शांत मन से विचार करते हैं, तब हमें पता चलता है कि कहां हमने सही निर्णय लिया और कहां हमारे भीतर किसी सुधार की आवश्यकता है। जिंदगी में सुख और दुख दोनों आते हैं। सुख हमें उत्साह देता है, दुख हमें अनुभव और परिपक्वता प्रदान करता है। आत्मचिंतन इन दोनों परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखना सिखाता है। यह सिखाता है कि सफलता पर अहंकार न करें और असफलता में निराश न हों। हर घटना जीवन का पाठ है, जिसे समझना और उससे सीखना ही आत्मचिंतन का उद्देश्य है। आज के भागदौड़ भरे जीवन में लोग बाहरी उपलब्धियों के पीछे भागते हैं, लेकिन आंतरिक शांति की उपेक्षा करते हैं। भौतिक सुख-सुविधाएं आवश्यक हैं, लेकिन मन की शांति के बिना उनका आनंद अधूरा है। आत्मचिंतन हमें अपने वास्तविक लक्ष्य, मूल्यों और प्राथमिकताओं को पहचानने में सहायता करता है। जब व्यक्ति स्वयं को जान लेता है, तब वह दूसरों को भी बेहतर ढंग से समझ पाता है। दरअसल, आत्मचिंतन का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह हमें परिस्थितियों का दास बनने के बजाय उनका स्वामी बनाता है। हम अपनी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करना सीखते हैं और जीवन को अधिक सकारात्मक दृष्टि से देखने लगते हैं। धीरे-धीरे हमारे भीतर धैर्य, सहनशीलता और आत्मविश्वास का विकास होता है। जिस तरह समुद्र मंथन से अमृत और विष दोनों की उत्पत्ति हुई थी, वैसे ही हमारे भीतर भी सकारात्मक और नकारात्मक, दोनों तरह के विचारों का संचार होता है। उन सकारात्मक और नकारात्मक विचारों से खुद को समृद्ध कर अपना विश्लेषण करते हुए सकारात्मक कार्य करना ही जीवन का श्रेष्ठ मार्ग है, श्रेष्ठता है। आत्मचिंतन स्वयं से मिलने की क्रिया है, जो मनुष्य जीवन को सफल बनाने में सहायक है। एक निरंतर बहने वाली नदी की तरह जिंदगी में कभी शांत जल होता है, तो कभी तेज धाराएं।

आज का राशिफल

मेष

आज आपमें काम करने का गजब का जोश होगा। आप जो भी काम हाथ में लेंगे, उसे पूरा करने की जिद आपमें रहेगी। बस एक छोटी सी सलाह है पैसे के मामले में सुबह-सुबह ज्यादा हाथ न खोलें। कोई भी बड़ा निवेश करना हो, तो शाम तक रुक जाएं। ऑफिस में आप किसी को भी अपनी बात से सहमत कर सकते हैं, बस अपनी भाषा को थोड़ा प्यार भरा रखिएगा।

वृष

आज काम के मामले में दिन एकदम सुलझा हुआ रहेगा। आसपास भले ही कितनी भी हलचल मची हो, आप एकदम शांत रहेंगे। पैसों की बात करें तो आज बजट को एक बार दोबारा देख लें। फालतू के खर्चे काटकर बचत पर ध्यान देना ही आज की समझदारी है। अपने काम करने के पुराने तरीके पर ही टिके रहें, क्योंकि वही आपको आगे ले जाएगा।

मिथुन

आज का दिन अच्छा और शांतिपूर्वक ही रहेगा। पिछले काफी समय से काम का जो भारी बोझ आप ढो रहे थे, वो आज कम महसूस होगा। आज अपने मन की सुनें, क्योंकि आज आपकी छठी इंद्री आपको सही रास्ता दिखाएगी। पैसे के मामले में आज कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं।

तुला

आज तो लक्ष्मी जी आप पर मेहरबान हैं। काम में अगर कोई प्रमोशन या तनख्वाह बढ़ने की बात चल रही थी, तो आज अपने बॉस से बात कर लें। आज का दिन अपनी बात मनवाने के लिए बहुत बढ़िया है। आज जो भी मेहनत करेंगे, आज जो भी जिम्मेदारी आप लेंगे, वह आपको आने वाले समय में ऊंचे ओहदे तक ले जाएगी।

वृश्चिक

आज का दिन थोड़ा गहरा सोचने का है। पैसे के मामले में आज कोई बड़ा फैसला न लें, शाम तक रुक जाएं। आज कुछ नया सीखने की इच्छा होगी, तो कोई बढ़िया कोर्स या ट्रेनिंग जॉइन कर लें। यह निवेश आपको भविष्य में बहुत काम आएगा। दफ्तर में आज बहस से दूर रहना ही आपके लिए सबसे अच्छा है। आज अपनी ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं, आपको सफलता जरूर मिलेगी।

धनु

आज दिन बढ़ते-बढ़ते आपकी जेब की स्थिति बेहतर होती जाएगी। आज आप पूरे जोश में रहेंगे। बस आज पार्टनरशिप के कामों में थोड़ा ध्यान रखें, कागजों को दो बार चेक कर लें। आज काम को लेकर आपके मन में जो नए-नए आईडिया आ रहे हैं, उन्हें नोट कर लें। आज का दिन बड़े बदलावों का है। आप जो भी नया कदम उठाएंगे, वह आने वाले समय में आपके करियर को एक नई दिशा देगा।

कर्क

आज तो आपकी बातें लोगों को खूब पसंद आने वाली हैं। आपकी बुद्धि को एकदम पैना बना रहा है। आज मीडिया, लेखन या किसी को गाइड करने जैसे कामों में आपको बहुत नाम मिलेगा। ऑफिस में आज हर कोई आपसे सलाह लेना चाहेगा। आज एक साथ कई काम निपटाने की अपनी खूबी से सबको हैरान कर देंगे। बस ध्यान रहे।

सिंह

आज का दिन नेटवर्किंग का है। जितने लोगों से मिलेंगे, काम के नए मौके उतने ही खुलेंगे। आज किसी दोस्त या सहयोगी के साथ बैठकर अपने करियर पर चर्चा करें, अपनी प्रोफाइल को आज अपडेट कर लें, कहीं से कोई अच्छा मौका आ सकता है। आज की कोई छोटी सी बातचीत भी आपके करियर में बहुत बड़ा बदलाव ला सकती है। बस पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

कन्या

आज जेब पर जरा लगाम लगाकर रखें। किसी को भी आज पैसा उधार देना समझदारी नहीं होगी। काम की बात करें तो आज शोर कम मचाएं और चुपचाप अपने काम को गहराई से करें। आज आपकी मेहनत ही बोलेगी, आपको चिल्लाने की जरूरत नहीं है। बस अपने काम से काम रखें।

मकर

आज अकेले दौड़कर आप मंजिल तक नहीं पहुंच पाएंगे। काम में अगर कोई रुकावट आ रही है, तो अपने साथियों से बात करें। आज के दिन टीम के साथ मिलकर काम करना आपको जीत दिलाएगा। पैसा उधार देने से आज बचें, वरना वापस आने में बहुत दिक्कत होगी। सुबह-सुबह काम का दबाव थोड़ा भारी लग सकता है, लेकिन घबराएं नहीं। आपका अनुशासन ही आपको इस परेशानी से बाहर निकाल लाएगा।

कुंभ

आज दिमाग बहुत तेजी से दौड़ रहा है, लेकिन संभलकर ! जल्दी अमीर बनने के चक्कर में आज कोई गलत कदम न उठाएं। आज अपना फोकस पेंडिंग फाइलों को निपटाने पर रखें। ऑफिस में आज आपकी काम करने की स्पीड देखकर सब दंग रह जाएंगे। अपने से छोटों को सिखाने का मौका मिले, तो जरूर करें, इससे आपकी साख बढ़ेगी। आज पैसा आने के भी अच्छे योग हैं।

मीन

आज आपसे अनुशासन मांग रहे हैं। आज काम में थोड़ा क्रिएटिव बनें, कुछ अलग करने की कोशिश करें। आज आप अपने काम में जो नयापन लाएंगे, लोग उसकी खूब सराहना करेंगे। घर और काम में आज तालमेल बनाकर चलें। दोपहर के बाद से आपको काम में अच्छे नतीजे मिलने शुरू हो जाएंगे। धैर्य के साथ अपनी योजनाओं पर काम करते रहें, सब ठीक होगा।

सुडोकू पहेली 6138

	4					5	6	
	3	9			8		7	
7			2	5				
3	1				6	7		
		5		7		1		
		6	4				8	9
				9	7			2
	2		8			6	5	
	8	1					9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6137

3	9	2	8	5	1	6	7	4
6	8	7	4	2	3	1	9	5
4	5	1	9	7	6	2	8	3
5	6	9	2	3	4	8	1	7
2	3	8	7	1	5	4	6	9
1	7	4	6	9	8	5	3	2
9	1	6	3	4	2	7	5	8
8	2	3	5	6	7	9	4	1
7	4	5	1	8	9	3	2	6

वर्ग पहेली 6138

संकेत: बाएं से दाएं

1. एक गणराजय जिसे यूनान भी कहते है जिसकी राजधानी एथेंस है (2)
3. यह भारत की प्रमुख नदी ह जिसका उद्गम राजस्थान के उदयपुर जिले में अरावली पर्वतमालाओं से होता है (5)
7. बायां, चंद्रमा के रथ के एक घोड़े का नाम (2)
8. किसी का नष्ट-अनिष्ट करने की चेतावनी भरे शब्द (3)
9. देश-प्रदेश में शांति व्यवस्था बनाए रखने के नियम (3)
11. तड़का, छौंका (3)
13. फला हुआ, फलीभूत (3)
14. धतूरा, स्वर्ण (3)
16. ऊपर से नीचे पहुंचाना, घुसाना (3)
19. न्योछावर करना, उत्सर्ग करना (3)
21. गहरा दुख, शोक (2)
22. चिरस्थाई, जो सदा टिक कर रहे (3)
23. घ्राणेन्द्रिय, नासिका (2)
24. निशाना, अनुमान योग्य वस्तु (2)
25. एक स्वीकृति सूचक अव्यय या शब्द (1)

(ऊपर से नीचे

1. गरदन, गला (2)
2. एक हीसमय होने वाला (5)
3. कार्यपूर्ति का माध्यम, जरिया, उपाय (3)
4. एक तरह का विस्फोटक रासयानिक गोला (2)
5. एक स्त्री से प्रेम करने वाले दो व्यक्ति यह कहलाते है (उर्दू)(3)
6. मुर्गे की जाति का प्रसिद्ध पक्षी (3)
10. नई बातों को अपनाने का सिद्धांत (5)
12. उपयुक्त अवसर मिलना (5)
15. कार्य में लगाना (4)
17. नामधारण करने वाला, नाम वाला, नाम का (3)
18. यह सर्वाधिक आक्सीसन देने वाला वृक्ष है (3)
20. नामवाला, नामवर, प्रसिद्ध (2)

वर्ग पहेली 6137 का हल

बं	कि	म	च	न्द्र		नौ	रू
दी	न		क्षु		र	क	म
ज	का	र्ता		हं	ग	री	
न			द	स		दे	श
	त	ला	श		प	ना	ह
सु		म	म	ता			र
चि	र	का	ल		मृ	ग	या
त्रा		न	व	ल		ज	र

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बीसीसीआई ने एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम का किया ऐलान

हरमनप्रीत कौर कप्तान

जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक खेले जाएंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एशियाई खेलों के लिए महिला टीम का ऐलान कर दिया है. जिसमें कुल 15 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। चयन समिति ने उसी टीम पर भरोसा जताया है जो महिला टी-20 विश्व कप 2026 में खेली थी. बस एक बदलाव किया गया है. यास्तिका भाटिया की जगह बाएं हाथ की बल्लेबाज और विकेटकीपर जी. कामलिनी को टीम में शामिल किया गया है।

इसके अलावा वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह नहीं बनाने के बावजूद हरमनप्रीत कौर पह बोर्ड ने एक बार फिर भरोसा जताया है और टीम के कप्तान के रूप में बरकरार रखा. उप-कप्तान स्मृति मंधाना के साथ शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स बल्लेबाजी की कमान संभालेंगी। स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा मध्य क्रम को मजबूती देंगी, जबकि ऋचा घोष विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगी और कामलिनी बैकअप विकेटकीपर होंगी।

तेज गेंदबाजी की कमान स्विंग स्पेशलिस्ट रेणुका सिंह ठाकुर और अनुभवी अरुंधति रेड्डी संभालेंगी। वहीं, स्पिन विभाग में बाएं हाथ की ऑर्थोडॉक्स गेंदबाज राधा यादव और ऑफ-स्पिनर श्रेयंका पाटिल अपनी विशेषज्ञता दिखाएंगी. हालांकि, बीसीसीआई ने कहा है कि श्रेयंका का अंतिम टीम में शामिल होना उनकी फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा, क्योंकि हाल ही में उन्हें चोट लगी थी. टखने में चोट के कारण यह ऑलराउंडर टी20 विश्व कप से बाहर हो गई थीं।

बता दें कि इस साल एशियाई खेल जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक खेले जाएंगे. भारतीय महिला टीम एशियाई खेलों में मौजूदा चैंपियन के रूप में प्रवेश करेगी. उसने 2023 में चीन के हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला टीम

- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव, नंदनी शर्मा।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा, नितीश रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से जर्मनी बाहर

पेनल्टी शूटआउट में पैराग्वे ने किया बड़ा उलटफेर, जर्मनी को हराकर प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

- **मार्टिनेली के गोल से ब्राजील अंतिम-16 में पहुंचा**

नईदिल्ली (एजेंसी)। फुटबॉल वर्ल्ड कप में मंगलवार को बड़ा उलटफेर हुआ। पैराग्वे ने चार बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर बाहर कर दिया। जर्मनी टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार पेनल्टी में हारी है।इससे पहले 5 बार की चैंपियन ब्राजील ने रोमांचक मुकाबले में जापान को 2-1 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह जीत 1958 में स्वीडन में जीते उसके पहले वर्ल्ड कप की सालगिरह के दिन आई। टीम 20वीं बार राउंड ऑफ-16 में पहुंची है। एक अन्य मुकाबले में मोरक्को ने नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराया। ब्राजील अब राउंड ऑफ-16 में आइवरी कोस्ट या नॉर्वे से भिड़ेगा, जबकि पैराग्वे का मुकाबला फ्रांस और स्वीडन के विजेता से होगा। मोरक्को का मैच 4 जुलाई को कनाडा से होगा।

मोरक्को के गोलकीपर ने 2 सेव किए; ब्राजील के मार्टिनेली ने आखिरी मिनट में गोल - फॉक्सबोरो में फीफा रैंकिंग में 34वें नंबर की टीम पैराग्वे ने राउंड ऑफ 32 में 12वें नंबर की जर्मनी को कड़ी टक्कर दी। निर्धारित समय और इंजरी टाइम के बाद स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा। पेनल्टी शूटआउट में जोस कैनाले ने पहला सडन डेथ पेनल्टी गोल किया, जबकि गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने दो अहम बचाव कर टीम को जीत दिलाई।इधर, ह्यूस्टन में ब्राजील की जीत आखिरी क्षणों में आई। दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के तौर पर उतरे गैब्रियल मार्टिनेली ने इंजरी टाइम के छठे मिनट में गोल कर मुकाबला खत्म होने से ठीक पहले टीम को जीत दिला दी। ब्राजील 20वीं बार राउंड ऑफ 16 में पहुंची है।

इंजरी टाइम में जोनाथन ताह का गोल अमान्य हुआ - पैराग्वे ने 42वें मिनट में बढ़त बनाई। मिगेल अल्मिरोन के पास पर मातियास गालार्सा ने क्रॉस किया, जिस पर जूलियो एनसिसो ने हेडर से गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। जर्मनी ने 52वें मिनट में वापसी की। फ्लोरियन विर्ट्ज के क्रॉस पर काई हैवर्ट्ज ने हेडर से बराबरी का गोल किया। अतिरिक्त समय के 102वें मिनट में जोनाथन ताह ने कॉर्नर पर गोल किया, लेकिन वीडियो रिव्यू में वाल्डेमार एंटोन द्वारा गोलकीपर ऑरलैंडो गिल को धक्का देने की पुष्टि होने पर गोल रद्द कर दिया गया। जर्मनी ने पहले हाफ में 78त्न गेंद पर कब्जा रखा, लेकिन पैराग्वे की 4-5-1 रक्षात्मक रणनीति नहीं तोड़ सका। ग्रुप स्टेज में 10 गोल करने के बावजूद जर्मन टीम नॉकआउट में संघर्ष करती दिखी।जर्मनी के दिग्गज गोलकीपर मैनुअल नेयुर ने हार के बाद संन्यास ले लिया। वे 2014 की वर्ल्ड चैंपियन जर्मन टीम का हिस्सा रहे। उन्होंने 124 मैच खेले हैं। उन्होंने 2017 फीफा कन्फेडरेशंस कप भी अपने नाम किया था। हार से निराश गोलकीपर मैनुअल नेयुर ने इंटरनेशनल फुटबॉल को अलविदा कह दिया।

गोलकीपर गिल बोले- हर प्लेयर का विश्लेषण किया - मैच के बाद ऑरलैंडो गिल ने कहा, 'हमने हर खिलाड़ी और हर छोटी बात का विश्लेषण किया था। उसी की बदौलत मैं सिर्फ दो पेनल्टी मिस होने दे पाया। यह जीत पैराग्वे के सभी लोगों के लिए है।'

काई हैवर्ट्ज ने हार के बाद कहा, इस वर्ल्ड कप से हमारी बहुत बड़ी उम्मीदें थीं। फिर से निराश होना बहुत मुश्किल है। हम मौके बनाने और खेल की रफ्तार बनाए रखने में संघर्ष करते रहे।गोलकीपर ऑरलैंडो गिल सुपीरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।

ब्राजील ने इंजरी टाइम में जापान से जीत छीनी - जापान ने 29वें मिनट में बढ़त बनाई। काइशू सानो ने मिडफील्ड में ब्राजील की गलत पासिंग का फायदा उठाकर दूर से दाएं पैर से शानदार गोल किया। ब्राजील ने 56वें मिनट में बराबरी की। गैब्रियल मागाल्हाइस के असिस्ट पर कैसेमीरो ने हेडर से गोल किया। इससे 2 मिनट पहले उनका हेडर जापान के गोलकीपर जियोन सुजुकी ने रोक लिया था।

58वें मिनट में विनीसियस जूनियर के पास बढ़त दिलाने का मौका था, लेकिन सुजुकी ने उनका शॉट डिफ्लेक्ट कर दिया और गेंद पोस्ट से टकराकर बाहर चली गई। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने दूसरे हाफ में गैब्रियल मार्टिनेली को उतारा। उन्होंने इंजरी टाइम के छठे मिनट में विजयी गोल कर टीम को 2-1 से जीत दिला दी।कैसेमीरो सुपीरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए।

मैच में खास

- यह जर्मनी और पैराग्वे का वर्ल्ड कप में दूसरा मुकाबला था। 2002 में जर्मनी ने 1-0 से जीत दर्ज की थी। अब लगभग 24 साल बाद पैराग्वे ने उस हार का बदला ले लिया।
- पैराग्वे इससे पहले पांच नॉकआउट मुकाबलों में गोल नहीं कर पाया था। 2010 में उसने जापान को पेनल्टी शूटआउट में हराकर पहली बार नॉकआउट मैच जीता था।
- जर्मनी 2014 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद पहली बार नॉकआउट मैच खेल रहा था। पिछली दो बार वह ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया था।

विश्व कप से बाहर होने के बाद जर्मनी में गहरी निराशा

कोच बोले-'बिल्ड-अप प्ले बहुत धीमा था'

फॉक्सबोरो। जर्मनी के मुख्य कोच जूलियन नागेल्समैन ने फीफा विश्व कप 2026 से टीम के बाहर होने के बाद कहा कि 'धीमी बिल्ड-अप प्ले' ने चार बार की विश्व चैंपियन टीम से राउंड ऑफ 16 में पहुंचने का मौका छीन लिया है। बोस्टन स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए राउंड ऑफ 32 मुकाबले में जर्मनी का अभियान नाटकीय अंदाज में समाप्त हो गया। नियमित समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट

में पराग्वे ने जर्मनी को 4-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। फीफा विश्व कप के इतिहास में जर्मनी इससे पहले कभी भी पेनल्टी शूटआउट में नहीं हारा था। लगभग मुकाबले से बाहर हो चुकी जर्मन टीम को मैनुअल नोयर ने बराबरी दिलाकर वापस मुकाबले में ला दिया, लेकिन आखिरकार पराग्वे ने अपनी तीसरी सफल स्पॉट-किक के दम पर अंतिम 16 में जगह पक्की कर ली।
नागेल्समैन ने कहा, 'ड्रेसिंग रूम में गहरी निराशा का माहौल है। दुर्भाग्य से फुटबॉल कभी-कभी ऐसा ही होता है। कुछ टीमें बेहद साधारण तरीकों से भी जीत हासिल कर लेती हैं और आपको उन तरीकों का लगातार बचाव करना पड़ता है। हमने अपने प्रतिद्वंद्वी को दौड़ाने और उस पर दबाव बनाने में बहुत ज्यादा समय लगा दिया। हम गेंद को बॉक्स में कहीं अधिक बार डाल सकते थे। हमें मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट तक जाने से पहले ही कर देना चाहिए था।

विंबलडन के पहले दौर में वू की कड़ी चुनौती

जोकोविच ने जीता मुकाबला

लंदन। सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने अपने 21वें विंबलडन अभियान की रोमांचक शुरुआत करते हुए मंगलवार को यहां चीन के यिबिंग वू को 6-4, 5-7, 6-4, 6-4 से हराकर जीत दर्ज की। सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने अच्छी सर्विस की और खराब प्रदर्शन भी नहीं किया, लेकिन वह वू को सेंटर कोर्ट के माहौल का आनंद लेने से रोक नहीं सके। पहले सेट में दुनिया के 102वें रैंक वाले चीनी खिलाड़ी ने 15 विनर्स लगाए, हालांकि उतनी ही संख्या में अनफोर्स्ड गलतियां भी कीं। दूसरे सेट की शुरुआत में ही निर्णायक मोड़ आ गया। अगर जोकोविच अपने शुरुआती ब्रेक अवसरों में से एक

को भुना लेते, तो वह आसानी से नियंत्रित और अपेक्षाकृत सरल जीत की ओर बढ़ सकते थे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, और वू का आत्मविश्वास लगातार बढ़ता गया, जबकि दर्शक जोर-शोर से उनका नाम पुकारते रहे।
तीसरे सेट की शुरुआत में छत बंद होने के बाद सर्बियाई खिलाड़ी को लगातार चुनौती का सामना करना पड़ा। कंधे की चोट के कारण इस साल केवल पांच टूर्नामेंट खेलने वाले जोकोविच ने तीसरे सेट के अंत में पूरी ताकत झोंककर वू की सर्विस ब्रेक की।
जोकोविच ने संघर्ष करते हुए तीसरा सेट अपने नाम किया और फिर चौथे सेट में अहम मौकों पर पूरी तरह नियंत्रण बनाकर विंबलडन के पहले दौर में अपना रिकॉर्ड 21-0 कर लिया। उन्होंने चौथे सेट में छह ब्रेक प्वाइंट बचाए, जिनमें 2-3 के स्कोर पर 0/40 से जुड़े तीन मौके भी शामिल थे। आखिरकार उन्होंने तीन घंटे और 11 मिनट में जीत हासिल की।

विजय अमृतराज बोले- विंबलडन में अमेरिकी चुनौती

- **फ्रिट्ज और शेल्टन बड़ा उलटफेर कर सकते हैं, शुरुआती मैच होंगे निर्णायक**

नईदिल्ली (एजेंसी)। विंबलडन में अमेरिका के लंबे इंतजार को खत्म करने के लिए टेलर फ्रिट्ज और बेन शेल्टन मजबूत दावेदार बनकर उभरे हैं। पूर्व भारतीय टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज का मानना है कि अगर दोनों खिलाड़ी पूरी तरह फिट रहते हैं, तो ग्रास कोर्ट पर किसी भी खिलाड़ी को चुनौती दे सकते हैं। हालांकि, उनके अनुसार टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबले ही उनके आगे के सफर की दिशा तय करेंगे। विंबलडन की शुरुआत आज से हो चुकी है।

फ्रिट्ज व शेल्टन से काफी उम्मीदें - जियोस्टार मीडिया डे पर विंबलडन 2026 से पहले बातचीत के दौरान जियोस्टार एक्सपर्ट विजय अमृतराज ने कहा, अमेरिका को लंबे समय से विंबलडन मेंस सिंगल्स में चैंपियन का इंतजार है और इस बार फ्रिट्ज व शेल्टन से काफी उम्मीदें हैं। दोनों का खेल ग्रास कोर्ट के लिए शानदार है और वे बड़े खिलाड़ियों को हराने की क्षमता रखते हैं।

उन्होंने कहा कि टेलर फ्रिट्ज की फिटनेस सबसे अहम होगी। अगर वह पूरी तरह फिट रहे, तो टूर्नामेंट में लंबा सफर तय कर सकते हैं। साथ ही शुरुआती राउंड के मुकाबले दोनों खिलाड़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे, क्योंकि शुरुआती जीत से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ता है।

ओलंपिक में क्रिकेट

आईओसी ने जारी किया क्वालिफिकेशन क्राइटेरिया

जानें किस टीम को मिलेग लॉस एंजेलिस में खेलने का मौका?

- *महिला टीम ने ओलंपिक 2028 में जगह पक्की की*
- *पुरुष टीम को एशिया की टॉप-रैंक वाली टी20 टीम बननी होगी।*

नईदिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया. इंटरनेशनल ओलंपिक कमिटी (आईओसी) ने लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक (एल28) में पुरुषों और महिलाओं के टूर्नामेंट के लिए अलग-अलग क्वालिफिकेशन क्राइटेरिया जारी कर दिया है।

जिसके तहत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ओलंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीमों में से एक बन गई है, जबकि पुरुष टीम को सीधे क्वालिफिकेशन पाने के लिए 2026 के आखिर तक आईसीसी टी-20 रैंकिंग में एशिया की सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम बनना होगा। **महिलाओं के लिए-** इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ओआईसी) ने सोमवार को पुष्टि की कि भारत, ऑस्ट्रेलिया, ग्रेट ब्रिटेन (इंग्लैंड) और दक्षिण अफ्रीका ने ओलंपिक में

महिला टी20 प्रतियोगिता में अपनी जगह पक्की कर ली है। ये टीमें इंग्लैंड में चल रहे आईसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में क्रमशः एशिया, ओशिनिया, यूरोप और अफ्रीका से सबसे ऊंची रैंकिंग वाली योग्य टीमें बनकर उभरी हैंष

महिलाओं की प्रतियोगिता में पहले चार क्वालीफायर तय करने के लिए आईसीसी रैंकिंग का इस्तेमाल नहीं किया है. इसके बजाय, उन्होंने चल रहा महिला ञ्20 वर्ल्ड कप मुख्य क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट है, जिसमें चारों महाद्वीपों में से सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली योग्य टीम को ओलंपिक में जगह मिल जाएगी।

पुरुषों के लिए

पुरुषों के क्वालिफिकेशन का रास्ता अलग है। आईसीसी पुरुष टी-20 रैंकिंग के जरिए ओलंपिक में सीधे चार स्थान दिए जाएंगे, जिसमें अफ्रीका, एशिया, यूरोप और ओशिनिया से सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी. जो टीमें 31 दिसंबर, 2026 तक टॉप पर होंगी. इसका मतलब है कि लॉस एंजिल्स का सीधा टिकट पाने के लिए भारत को एशिया की सबसे ऊंची रैंकिंग वाली योग्य टीम बननी होगी। लॉस एंजेलिस गेम्स के मेजबान के तौर पर अमेरिका को जगह पक्की मिलेगी, बशर्ते वे क्वालिफिकेशन अवधि के दौरान किसी भी समय आईसीसी मेन्स टी-20 रैंकिंग में टॉप 15 में रहने की आईसीसी की न्यूनतम योग्यता शर्त को पूरा करें. अगर वे शर्त को पूरा नहीं कर पाते हैं, तो यह जगह अगली सबसे ऊंची रैंकिंग वाली योग्य टीम को दी जाएगी. पुरुषों की प्रतियोगिता में छठी और आखिरी जगह का फैसला भी 2027 में होने वाले आईसीसी ओलंपिक क्वालिफायर के जरिए किया जाएगा।

कोहली-रोहित के बाद श्रेयस अय्यर पर जिम्मेदारी, इंग्लैंड में टी20 सीरीज जीतने की बड़ी चुनौती

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में कप्तानी संभालने जा रहे श्रेयस अय्यर के सामने बड़ी चुनौती होगी। हालांकि, उन्होंने अय्यर की नेतृत्व क्षमता पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि उनकी असली परीक्षा कप्तानी नहीं, बल्कि बल्लेबाजी में होगी।

कोहली-रोहित के बाद इतिहास रचने का मौका - पुजारा ने जियोस्टार से बातचीत में कहा कि इंग्लैंड की सरजमीं पर टी20 सीरीज जीतना आसान नहीं होगा। अगर श्रेयस अय्यर इस सीरीज में टीम इंडिया को जीत दिलाते हैं तो वह विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद इंग्लैंड में टी20 सीरीज जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बन जाएंगे। उन्होंने कहा, श्रेयस अय्यर के लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद इंग्लैंड में टी20 सीरीज जीतने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बनना आसान नहीं होगा। इंग्लैंड की परिस्थितियों में खेलना

हमेशा चुनौतीपूर्ण रहता है। वह पहली बार भारत की टी20 टीम की कप्तानी कर रहे हैं और लगभग दो साल बाद इस फॉर्मेट में वापसी कर रहे हैं, इसलिए चुनौती बड़ी है।

कप्तानी पर नहीं, बल्लेबाजी पर होगी असली परीक्षा - हालांकि पुजारा को कप्तान के तौर पर अय्यर पर कोई संदेह नहीं है। उन्होंने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के साथ उनके प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि इसी वजह से उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई है। पुजारा ने कहा, कप्तान के रूप में मुझे श्रेयस अय्यर पर कोई शक नहीं है। उन्होंने आईपीएल में पंजाब किंग्स के साथ शानदार काम किया है। वह आक्रामक सोच वाले कप्तान हैं, सामने से नेतृत्व करते हैं और खिलाड़ियों को खुलकर खेलने की आजादी देते हैं। कप्तानी में वह सफल रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा, लेकिन उनकी असली परीक्षा बल्लेबाजी होगी। उन्हें मिडिल ऑर्डर में खुद को साबित करना होगा और इंग्लैंड की परिस्थितियों में रन बनाकर दिखाने होंगे।

वैभव सूर्यवंशी के डेब्यू पर भी दिया बड़ा बयान - पुजारा ने 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर भी अपनी राय रखी। उनका मानना है कि भारतीय टीम के मजबूत टॉप ऑर्डर को देखते हुए फिलहाल उन्हें प्लेइंग इलेवन में मौका मिलना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि वैभव बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, लेकिन मौजूदा टीम संयोजन को देखते हुए उनके तत्काल अंतरराष्ट्रीय डेब्यू की संभावना कम नजर आती है।

न्यूजीलैंड-इंग्लैंड

टॉम लैथम ने रचा इतिहास, इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतकर एलीट कप्तानों की लिस्ट में शामिल

लंदन (एजेंसी)। टॉम लैथम की कप्तानी में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे और अंतिम टेस्ट में 160 रन

से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। बेन स्टोक्स की टीम को 373 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन अंतिम दिन पूरी टीम 212 रन पर सिमट गई। जेमी स्मिथ ने 60 रन बनाए, लेकिन वह हार नहीं टाल सके।

इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने इतिहास रच दिया। टीम ने पहली बार किसी टेस्ट सीरीज का पहला मैच हारने के बाद वापसी करते हुए सीरीज जीती। साथ ही 1999 के बाद इंग्लैंड में तीन या उससे अधिक मैचों की टेस्ट सीरीज जीतने का कारनामा भी किया।

टॉम लैथम एलीट कप्तानों की सूची में शामिल - इस ऐतिहासिक जीत के साथ टॉम लैथम ने कप्तानी में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। वह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसे सिर्फ छठे कप्तान बने हैं, जिन्होंने भारत और इंग्लैंड दोनों देशों में जाकर टेस्ट सीरीज जीती है। इतना ही नहीं, 21वीं सदी में लैथम पहले विदेशी कप्तान हैं जिन्होंने यह दुर्लभ उपलब्धि हासिल की है। इस प्रदर्शन ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट के सबसे सफल विदेशी कप्तानों में शामिल कर दिया है।

भारत के बाद इंग्लैंड में भी बजा जीत का डंका - इंग्लैंड में मिली यह जीत लैथम की 2024 में भारत में मिली ऐतिहासिक सफलता के बाद आई है। तब न्यूजीलैंड ने भारतीय सरजमीं पर भारत को 3-0 से क्लीन स्वीप कर इतिहास रचा था। यह पहली बार था जब किसी विदेशी टीम ने भारत को उसके घर में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया था।

न्यूज बाइट्स

रा. उच्च माध्यमिक विद्यालय ओबरा का डीएम ने किया निरीक्षण

ओबरा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। ओबरा प्रखंड स्थित मॉडल स्कूल राजकीय कृत उच्च माध्यमिक विद्यालय का जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने मंगलवार को निरीक्षण कर विद्यालय के समग्र विकास के लिए कार्ययोजना तैयार कर शिक्षा विभाग को शीघ्र ही प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं का गहन अवलोकन किया। उन्होंने पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास, विज्ञान प्रयोगशाला, पेयजल व्यवस्था, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं तथा अन्य आवश्यक संसाधनों का निरीक्षण करते हुए उनकी गुणवत्ता और उपयोगिता की समीक्षा की। साथ ही विद्यालय परिसर की स्वच्छता, रखरखाव एवं विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का भी जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्यालय की सभी आवश्यकताओं का आकलन कर विस्तृत विकास योजना तैयार की जाए ताकि आवश्यक स्वीकृति मिलने के बाद विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराया जा सके। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, शिक्षा आधुनिक शैक्षणिक वातावरण में उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सड़क हादसे में कपड़ा व्यवसायी की मौत

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। अरवल के कलेर थाना क्षेत्र अंतर्गत पहाड़पुर मोड़ के पास एनएच-139 पर मंगलवार को सड़क हादसा हुआ। इसमें औरंगाबाद के एक कपड़ा व्यवसायी की मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। अरई गांव निवासी छोटू शाह अपने साथी सुधीर कुमार और अरुण कुमार के साथ मंगलवार को मोटरसाइकिल से कलेर बाजार जा रहे थे।

93 फरार आरोपी गिरफ्तार, 133 लीटर शराब बरामद

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। औरंगाबाद में सघन छापेमारी कर कुल 93 फरार आरोपी और वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें गंभीर मामलों में आरोपित 65 बदमाशों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया, जबकि अन्य मामलों में विधि सम्मत कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों के नेतृत्व में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में एक साथ विशेष अभियान चलाया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य लंबे समय से फरार चल रहे बदमाशों, वारंटियों और कानून से बचने की कोशिश कर रहे आरोपियों को गिरफ्तार करना था। इस दौरान हत्या के प्रयास के 12, मद्यनिषेध अधिनियम के 10, पॉक्सो एक्ट के 1, एससी-एसटी एक्ट के 1 और अन्य विभिन्न मामलों के 69 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के अभियान आगे भी लगातार चलाए जाएंगे, ताकि अपराधियों में कानून का भय बना रहे और जिले में शांति व्यवस्था कायम रहे।

इसी माह से शुरू होंगी नव स्वीकृत राजकीय डिग्री कॉलेजों की पढ़ाई

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। बिहार के मुख्य सचिव ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी जिला पदाधिकारियों के साथ नव स्वीकृत राजकीय डिग्री महाविद्यालयों की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में जुलाई माह से राज्य के 211 नव स्वीकृत राजकीय डिग्री महाविद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियां शुरू कराने को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया और सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान महाविद्यालयों में फर्नीचर, उपकरण, स्टेशनरी, विद्युत आपूर्ति, पेयजल, स्वच्छता, छात्र-छात्राओं के लिए पृथक शौचालय, कॉमन रूम, कार्यालय कक्ष तथा अन्य आधारभूत सुविधाएं निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने की डीएलसीसी-डीएलआरसी बैठक में बैंकिंग योजनाओं की समीक्षा

ऋण वितरण में तेजी लाने का निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में मंगलवार को जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही की जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीएलसीसी) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की बैठक आयोजित हुई। बैठक में बैंकिंग योजनाओं, वार्षिक ऋण योजना, स्वयं सहायता समूहों, बीमा योजनाओं और स्वरोजगार कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा बैंकों को ऋण वितरण में तेजी लाने और क्रेडिट-डिपॉजिट (सीडी) रेशियो में सुधार के निर्देश दिए गए। बैठक की शुरुआत अग्रणी जिला प्रबंधक एवं समिति के संयोजक एन.के. चौधरी ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए की। उन्होंने पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिस पर जिला पदाधिकारी ने संतोष व्यक्त करते हुए सदन से इसकी पुष्टि कराई। वार्षिक ऋण योजना (एसीपी) की समीक्षा में 69 प्रतिशत उपलब्धि पर जिला पदाधिकारी ने सभी बैंकों को निर्धारित लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रयास तेज करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई), प्रधानमंत्री मुद्रा योजना तथा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत पात्र लाभुकों को प्राथमिकता के आधार पर ऋण उपलब्ध कराया जाए। साथ ही विभागों और बैंकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर जिले के आर्थिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाने पर बल दिया। जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक ने बताया कि पीएमएफएमई योजना के तहत 239 के लक्ष्य के विरुद्ध 181 ऋण आवेदन स्वीकृत किए जा चुके हैं तथा शेष आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया जारी है। वहीं पीएमईजीपी योजना में 78 के लक्ष्य के मुकाबले 72 आवेदन स्वीकृत होने पर जिला पदाधिकारी ने संतोष व्यक्त किया। बैठक में स्वयं सहायता समूहों की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि जिले में अब तक 29,208 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जा चुका है, जिनमें से 26,101 समूहों को प्रथम बैंक लिंकेज ऋण उपलब्ध कराया गया है। इस उपलब्धि की सराहना करते हुए जिला पदाधिकारी ने बैंकों से शेष समूहों को भी शीघ्र ऋण सुविधा उपलब्ध कराने को कहा। वहीं लखपति दीदी योजना के सफल क्रियान्वयन में बैंकों, विशेष रूप से पंजाब नेशनल बैंक के योगदान की भी प्रशंसा की गई। अग्रणी जिला प्रबंधक ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना की प्रगति की जानकारी दी। अटल पेंशन योजना में जिले के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर जिला पदाधिकारी ने बैंक अधिकारियों को बधाई देते हुए इस उपलब्धि को बनाए रखने का आह्वान किया।

बैठक के दौरान जिला स्तरीय आरसेटी (आरएसईटीआई) सलाहकार समिति की भी समीक्षा की गई। आरसेटी के निदेशक ने बताया कि वर्ष 2025-26 में 1,150 के लक्ष्य के विरुद्ध 1,156 युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया। वहीं चालू वित्तीय वर्ष में 1,000 के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 245 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। उन्होंने जानकारी दी कि 2 जुलाई से पशुपालन (लघु उद्यमी) तथा 15 जुलाई से घरेलू विद्युत उपकरण सेवा उद्यमी (इलेक्ट्रीशियन) प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इच्छुक अभ्यर्थियों से समय पर पंजीकरण कराने की अपील भी की गई।

सीडी रेशियो 50 प्रतिशत से कम रहने पर शीघ्र सुधार लाने के निर्देश

समीक्षा के दौरान बताया गया कि मार्च 2026 तक जिले का समग्र सीडी रेशियो 51.72 प्रतिशत रहा। इस दौरान इंडियन बैंक, कैनरा बैंक, यूको बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, इंडियन ओवरसीज बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बिहार ग्रामीण बैंक, जिला सहकारिता बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईडीबीआई बैंक, एक्सिस बैंक, बंधन बैंक, उत्कर्ष बैंक और ईसाफ बैंक के प्रदर्शन की सराहना की गई। वहीं बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, भारतीय स्टेट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक का सीडी रेशियो 50 प्रतिशत से कम रहने पर उसमें शीघ्र सुधार लाने के निर्देश दिए गए।

डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
आशादीप क्लिनिक
पिलर नम्बर 72, मंगल मार्केट, राजा बाजार, पटना
प्रत्येक रविवार लाल बाबु मार्केट, भखरुआ मोड़, दाउदनगर (औरंगाबाद)
नंबर लगाने हेतु सम्पर्क करें: 7542099612, 7458880426
DR. SONALI GUPTA
MBBS (GOLD MEDALIST BHU)
MS, INFERNITY (OBS GYNAE BHU)
DIPLOMA IN REPRODUCTIVE MEDICINE (GERMANY)
FELLOWSHIP IN REPRODUCTIVE MEDICINE
DR. VIKAS KUMAR
MBBS, MS, Mch UROLOGY
CONSULTANT UROLOGIST
ANDROLOGIST AND
TRANSPLANT SURGEON
सभी प्रकार की यूरोलॉजिकल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के लिए उत्कृष्ट संस्थान

डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
DR. OM PRAKASH
M.B.B.S., DCH, M.D. (MEDICINE)
Cardiologist, Diabetologist & Child Specialist
Karma Road, Aurangabad (Bihar)
E-mail: dromprakash99rms@gmail.com
न्यूनतम शुल्क पर मरीजों की सेवा में सदैव तत्पर
हृदय, मधुमेह एवं शिशु रोग विशेषज्ञ
नोट :- गरीब मरीजों का ईलाज बहुत ही कम खर्च में किया जाता है।

डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. सुशील कमल
एम.बी.बी.एस, एम.एस. (ऑर्थो)
हड्डीजोड़ विशेषज्ञ
औरंगाबाद फ्रैक्चर क्लीनिक
ज्ञानपुरी, नागा बिगहा रोड, औरंगाबाद

डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
पॉपुलर मेडिकल हॉल
ओल्ड जी.टी. रोड औरंगाबाद
अंग्रेजी दवा के विक्रेता
प्रो.- प्रकाश सिन्हा

डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ. मनोज कुमार
बी.एच.एम.एस (बी.यू.)
सुपर स्पेशियलिटी एवं एडवांस होमियोपैथिक रिसर्च क्लिनिक, लाईफ लाइन
मेन रोड, दाउदनगर, औरंगाबाद (बिहार)
यहां समस्त नये एवं पुराने रोगों से प्रभावित रोगियों का इलाज होता है।

डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
आयुष राईस मिल प्रा. लि.
ग्रोथ सेन्टर, जसोईया, औरंगाबाद
उत्तम किस्म के चावल निर्माता एवं विक्रेता
किसानों के लिए विशेष सुविधा
प्रो. प्रतीक जी

डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
राजमुनी देवी बी.एड. कॉलेज
एन. एच.- 2, मंजुराही (जसोइया मोड़ के नजदीक) औरंगाबाद (बिहार)
बीएड एवं डीएलएड की पढ़ाई की सुविधा
"शिक्षक बनने का आपका सपना यहाँ होगा साकार"
"भविष्य के शिक्षकों को तैयार करने वाला अग्रणी संस्थान"
नामांकन हेतु संपर्क करें
बिट्टू सिंह
सचिव / प्रचार्य
राजमुनी देवी बी.एड. कॉलेज
मो. 7739634587, 7903575906

डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
पल्स विमेन हॉस्पिटल
महाराजगंज रोड, न्यू एरिया, औरंगाबाद
डॉ. रविरंजन सोनोलॉजिस्ट
Mob. 9431256321
डॉ. शोभा रानी प्रसूति एवं स्त्री विशेषज्ञ

डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभकामनाएं
Estd.: 2011 कुशल बनो !! योग्य बनो !!
बारुण आई. टी. आई.
Affiliated to NCVT, Govt. of India
ट्रेड :- इलेक्ट्रीशियन एवं फिटर
कुशल प्रशिक्षण एवं 100% Placement की सुविधा
नामांकन प्रारम्भ
सत्र 2026-2028 में नामांकन जारी है..
संस्थान में उपलब्ध सुविधाएँ
•आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कार्यशाला।
•सबसे ज्यादा प्लेसमेंट ऑफर करने वाला संस्थान।
कुशल और अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण।
बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से निःशुल्क रहना, खाना एवं पढ़ना
ट्रेड :- इलेक्ट्रीशियन एवं फिटर
अब बिहार स्टूडेंट्स क्रेडिट कार्ड के माध्यम से निःशुल्क आई.टी.आई. करें।
मोनू कुमार सिंह सचिव
बारुण आई.टी.आई. बारुण ब्लॉक मोड़, NH-2 जी.टी. रोड, बारुण, औरंगाबाद (बिहार)
Mob.- 790909374545, 7909022704, 8757792426, 8083296357
Email: baruniti@gmail.com, barunitihepdesk@gmail I Website: www.baruniti.com

डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं
Happy Doctor's Day
N.C. UROLOGY CENTRE
Opp. Bijli Office, Ranjendra Nagar, Road No. 1, Patna- 800016
DR. NIKHIL CHOUDHARY
MS (Surgery)
M.Ch. (Urology) IGIMS
Consultant Urologist and Andrologist
Uro Onco Surgeon
एम.एस. (सर्जरी)
एम.सी.एच. (मूत्र रोग विशेषज्ञ)
आई.जी.आई.एम.एस.
मूत्र रोग एवं यौन रोग विशेषज्ञ
मूत्र रोग कैंसर सर्जन
डॉ. निखिल चौधरी
Mob.- 9334494314, 9939219883